

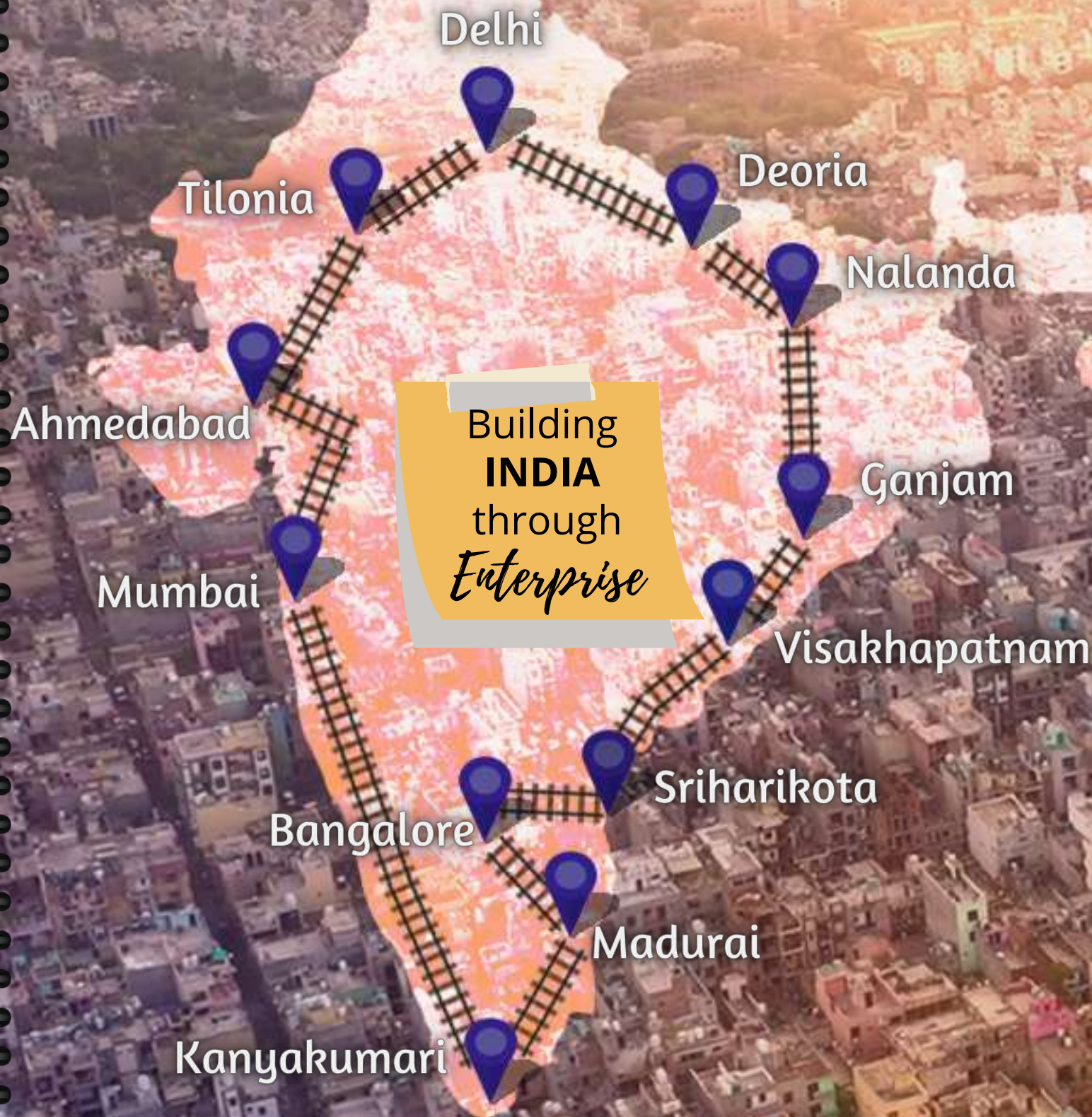


JAGRITI
DIGITAL YATRA

2021-22

YATRA

Saar





KEY SPONSOR / मुख्य प्रायोजक



KEY SUPPORTER / प्रमुख समर्थक



ADITYA BIRLA GROUP



AATMAJA
FOUNDATION
Building Our Daughters



INSTITUTIONAL PARTNER

KNOWLEDGE PARTNER

OUTREACH PARTNER

NGO PARTNER



VIGNAN'S
Foundation for Science, Technology & Research
(Deemed to be University)
-Estd. u/s 3 of UGC Act 1956



**DIGITAL
IMPACT** **SQ**
ENHANCING LIVES



तेजस्वि नावधीतमस्तु

**NSR
CEL**



Govindalaya
creating possibilities & positivity



JAGRITI BOARD

Sharat Bansal
Chairman

शरत बंसल
अध्यक्ष



Yaaron Chalo...



WELCOME TO THE 2ND JAGRITI DIGITAL YATRA!

Before 2020 when the COVID pandemic hit us, we had successfully run the Jagriti Yatra in its physical format for 12 years. The Covid pandemic posed insurmountable challenges in doing the same yatra in 2020. However, we were not deterred and we put on our thinking caps to ensure there is no gap in our annual journey. Eureka! This gave birth to the Jagriti Digital Yatra and an opportunity to make the yatra bigger, better and accessible to more participants. This format has had its share of challenges and our core team under the leadership of Sunil Pangarkar carefully curated the digital yatra.

We were optimistic about reverting to physical yatra in 2021 but the second wave of COVID and the more recent OMICRON threat forced us to bring to you the yatra in its digital format yet again. You should be proud to have been selected to join the Yatra amongst over 20,000 aspirants. You represent the crème de la crème of your region's sharpest and keenest minds desirous of pursuing a path of creative enterprise that will benefit you, the people and region around you and the country at large. In this 14th year of the Jagriti Yatra and the 2nd in its Digital Avatar, the yatra has evolved into an outstanding program.

Our learnings from the 1st Digital Yatra have helped us to make this 2nd avatar bigger and better. It is an ambitious 15 days journey across all regions of the country. With visits to several role model social and commercial enterprises, a number of panel discussions and presentations and business planning exercises, it is our endeavour to expose you to the diverse socio-economic, cultural environment of the country, the challenges and opportunities that different enterprises/regions in the country face and the grit, determination and passion that drives successful enterprises.

जागृति डिजिटल यात्रा के दूसरे संस्करण में आप सभी का स्वागत है

2020 से पहले जब कोरोना महामारी हमारे बीच नहीं थी तब हमने पिछले 12 सालों तक जागृति यात्रा का आयोजन भौतिक रूप से किया। 2020 में यात्रा के आयोजन हेतु कोरोना महामारी ने हमारे सामने नई चुनौतियां खड़ी कीं। हम इससे विचलित नहीं हुए और हमने हमारी सोच का दायरा बढ़ाते हुए इस वार्षिक यात्रा को न रोकने का निर्णय किया। यहीं से जन्म हुआ जागृति डिजिटल यात्रा का, यहां हमें एक अवसर मिलता है यात्रा को बड़ा और बेहतर बनाने का व ज्यादा प्रतिभागियों के शामिल होने का। यात्रा के इस रूप में भी कई चुनौतियां आईं लेकिन हमारी कोर टीम ने सुनील पंगारकर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक इस यात्रा का आयोजन किया। हम 2021 में यात्रा को फिर से भौतिक स्वरूप में संचालित करना चाहते थे लेकिन कोरोना की दूसरी लहर और ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए हमें यात्रा को इस वर्ष भी डिजिटल स्वरूप देना पड़ा।

20,000 लोगों में से यात्रा के लिए चुने जाने पर आपको खुद पर गर्व होना चाहिए। आप सभी अपने क्षेत्र के बौद्धिक लोग हैं जो उद्यमिता को आगे ले जाने के इच्छुक हैं - यह आपको, लोगों को व देश को बड़े पैमाने पर लाभांशित करेगा।

जागृति यात्रा के 14वें और डिजिटल अवतार के दूसरे वर्ष में यात्रा एक उत्कृष्ट कार्यक्रम के रूप में विकसित हुई है। पहली डिजिटल यात्रा से हमें जो सीख मिली वो इस यात्रा को बेहतर बनाने में हमारी सहायक सिद्ध हुई। यह 15 दिवसीय यात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों का एक महत्वाकांक्षी अनुभव है। कई रोल मॉडल सामाजिक और वाणिज्यिक उद्यमों के दौरों, कई पैनल चर्चाओं और प्रस्तुतियों और व्यवसाय नियोजन अभ्यास के साथ हमारा प्रयास है कि आपको देश के विविध सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक वातावरण, विभिन्न उद्यमों की चुनौतियों और अवसरों से अवगत कराएं। चुनौतियां और अवसर हर उद्यम और हर क्षेत्र के लिए अलग होते हैं लेकिन एक सफल उद्यम संचालित करने के लिए धैर्य, दृढ़ संकल्प और जुनून की आवश्यकता होती है। यह आपके लिए अपने जैसे 600+ अन्य लोगों को देखने, अनुभव करने, सीखने, आत्मसात करने और उनके साथ बातचीत करने, अपने सह-संस्थापकों और साथियों से मिलने का एक उत्कृष्ट अवसर है।





JAGRITI BOARD

Sharat Bansal
Chairman

शरत बंसल
अध्यक्ष



Yaaron Chalo...



It is an excellent opportunity for you to see, experience, learn, imbibe and interact with 600+ others like you, find your co-founders and soul mates. I see it as a journey of discovery for you and it is up to you to make the most of it.

At the end of the Yatra, if you understand the context in which you live, develop a realization of yourself and have better clarity on your future agenda, our mission will be accomplished. Kudos to the team that has put together this year's Yatra in the digital format to give you a delightful experience. The team has put tireless efforts over several months to communicate with you, manage the selection process, refresh the technology to communicate with you and for you to communicate amongst co-yatris, confirm role models and panelists' participation, schedule and record the program components etc.

From Jagriti's perspective, you can be our ambassador formally and informally to propagate our mission, help identify candidates for future yatra and help with proliferating our district-level incubation program, a pilot of which is being run successfully in eastern UP (Purvanchal). Staying connected with us, your co-yatris and our alumni network to seek and provide help is the key to future success.

Sharat Bansal
Chairman, Jagriti

मैं इसे एक खोज की यात्रा के रूप में देखता हूं, यह आप पर निर्भर करता है कि आप कितना लाभ उठाते हैं। यात्रा के बाद यदि आप इसके संदर्भ को समझते हैं और अपने भविष्य के बारे में स्पष्टता रखते हैं तो हमारा मिशन पूरा हो जाएगा।

आपको बेहतरीन अनुभव कराने व डिजिटल यात्रा का आयोजन कराने के लिए साथ आई टीम को बधाई। इस टीम ने कई महीनों से आपसे संवाद करने, चयन प्रक्रिया, तकनीकी स्तर पर काम करने के लिए, रोल मॉडल निश्चित करने, पैनलिस्ट पर काम करने और प्रोग्राम रिकॉर्ड करने के लिए अथक प्रयास किया है।

जागृति के दृष्टिकोण से आप औपचारिक और अनौपचारिक रूप से जागृति का प्रचार करने के लिए हमारे राजदूत हो सकते हैं, भविष्य की यात्रा के लिए प्रतिभागी खोजने में हमारी सहायता कर सकते हैं और हमारे जिला स्तरीय इन्क्यूबेशन प्रोग्राम में हमारी सहायता कर सकते हैं जो पूर्वी उत्तर-प्रदेश में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। हमसे जुड़े रहिए, आपके सह यात्री और हमारे पूर्व यात्रियों का समूह आपको आगे चलकर सफल होने में सहायता करेगा।

शरत बंसल
अध्यक्ष, जागृति





JAGRITI BOARD

Shashank Mani
Founder

शशांक मणि
संस्थापक



RENEWAL AND GROWTH FOR INDIA THROUGH ENTERPRISE

Rebirth often requires a crisis and the last year that gave birth to Jagriti Digital Yatra 2020. This year, we are slowly recovering from COVID, although a third wave is not an impossibility. With the Jagriti Digital Yatra 2021, we will see the repeat of our first Digital Yatra in a more successful formula. As we move towards the 75th anniversary of India's independence in 2022 we are confident this group will begin an era of renewal and growth for the nation, powered by Middle India. That renewal and growth must start at a personal level. We had time to reflect and understand what we stand for these two years. Life must be lived with a purpose, and we had an opportunity to rediscover it in this pause. 2020 and 2021 reminded us that our purpose of supporting enterprises in small towns and districts (we call Middle India) is even more important than we had imagined. The country witnessed a mass migration post lockdown and realized that smaller towns and districts require the economic infrastructure and ecosystem that will power them forward and take the country ahead.

The Digital Yatra illustrates how much innovation this crisis has created. We were always wary of doing something innovative in an already operationally difficult and innovative 15-day train journey. But the crisis made us rethink and change the Yatra fundamentally. With this Digital Yatra, while the experience of a physical journey and the proximity it creates will be missing, we believe that this format can be added to a physical journey every year, expanding the reach and visibility to the Yatra manifold.

More fundamentally, this journey made us realize that the real India, the India of small towns and districts, which was often hidden below the English only, urban and metro world has found a voice and a space. I see our entrepreneurs in the Tier 3 incubation process use the internet with confidence as never before. Today executives are not afraid of living in smaller districts and working from there. I worked in a Tier 2 town for over 7 weeks this year.

उद्यम के माध्यम से भारत का नवीनीकरण और विकास

संकट के बाद ही पुनर्जन्म होता है, पिछले वर्ष जागृति डिजिटल यात्रा 2020 का जन्म हुआ। इस वर्ष हम धीरे-धीरे कोरोना महामारी से बाहर आ रहे हैं, हालांकि तीसरी लहर असंभव नहीं है। जागृति डिजिटल यात्रा 2021 के साथ हम डिजिटल यात्रा को दोबारा होते देख रहे हैं लेकिन ज्यादा सफल रूप में। जैसे-जैसे हम 2022 में भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ की ओर आगे बढ़ रहे हैं हमें पूरा विश्वास है कि यह समूह मध्य भारत द्वारा सशक्त होते हुए नवीनीकरण और नए युग की शुरुआत करेगा।

यह नवीनीकरण और विकास व्यक्तिगत स्तर पर शुरू होना चाहिए। हमारे पास इन दो वर्षों में सोचने और समझने के लिए समय था कि हमें क्या करना है। जीवन हमेशा एक उद्देश्य के साथ जीना चाहिए, इन वर्षों में हमें इस उद्देश्य को फिर से ढूंढने का समय मिला। 2020 और 2021 में हमें यह ज्ञात हुआ कि छोटे शहरों और जिलों (जिसे हम मध्य भारत कहते हैं) में उद्यमों की सहायता का हमारा उद्देश्य हमारी कल्पना से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। देश ने लॉकडाउन के बाद बड़े पैमाने पर पलायन की समस्या को देखा और यह महसूस किया कि छोटे शहरों और जिलों में हमें एक आर्थिक ढांचे और तंत्र की आवश्यकता है जो उन्हें सहायता करे और देश को आगे ले जाए।

डिजिटल यात्रा यह दर्शाती है कि संकट के समय कितनी नई पहल की गई। हम 15 दिवसीय इस रेल यात्रा में कुछ नया करने से पहले सावधानी बरतते हैं। लेकिन इस संकट ने यात्रा का मूल रूप ही बदल दिया। जागृति डिजिटल यात्रा के साथ, जबकि भौतिक यात्रा के अनुभव का इसमें अभाव है, हमें इस विचार पर भी विश्वास है कि हर वर्ष भौतिक यात्रा में इस स्वरूप को शामिल करने से यात्रा की पहुंच कई गुना बढ़ जाएगी।

मौलिक रूप से, इस यात्रा से हमें यह महसूस हुआ कि असली भारत, भारत जो छोटे शहरों और जिलों में बसता है, जो अक्सर अंग्रेजी और बड़े शहरों के बीच दबा दिया जाता है उस भारत को एक आवाज मिलती है। हम अपने उद्यमियों को टीयर 3 जिलों में पूर्ण आत्मविश्वास के साथ इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए देखते हैं, ऐसा पहले नहीं देखा जाता था। आज उच्च पदों के लोग भी छोटे जिलों में रहने और काम करने से पीछे नहीं हटते हैं। इस वर्ष मैंने एक टीयर 2 शहर में 7 हफ्तों तक काम किया। जागृति उद्यम केंद्र पूर्वांचल (जेईसीपी) विकेंद्रित कार्य प्रणाली में अहम भूमिका निभाएगा, जो हमारे वातावरण को सुधारने और बड़े शहरों को सुव्यवस्थित करने





JAGRITI BOARD

Shashank Mani
Founder

शशांक मणि
संस्थापक



The Jagriti Enterprise Center – Purvanchal (JECPC) will become a symbol of this decentralized work from anywhere, which will also help our environment and declutter our metros. That center is now being built and will be ready to launch in 2022 coinciding with our 75th anniversary of India's independence.

That decentralized republican spirit is also required in nation-building through enterprise. Vivekanand invoked that spirit to awaken the country in Kanyakumari and Gandhi used it to fight for freedom with the Dandi march. Both went on their respective Yatras, and both believed that the real India's spirit had to be invoked. Nation-building requires a whole-of-society approach where citizens build along side government, and this will be discussed more rigorously during this journey.

Finally, as you start this journey, I want to outline 7 S-Kriyas that will ensure a safe, healthy, and purposeful journey over the coming few weeks. If you practice this beyond the journey it will also help us all create a national movement of the enterprise. Named Bargad Udyam Kriya in honor of our national tree the Banyan, next to which we are building a world-class center in Deoria. These are Swaasth, Shanti, Sthan, Shravan, Sadbhav, Sakaratmak Soch, Sakriya Nirman. Each of these will be explained by us during the journey and I hope you will practice living by them.

As you embark on this Digital journey, ground yourself in the relationships you will build with other Yatris. Center yourself also in a location or a cause you can make a difference to. I have chosen my own home location and the origins of Jagriti near a 300-year old Banyan tree; what is your location, your sthaan? The enterprise formula we are readying and testing can then be multiplied by the more than 6,000 Yatris to Build India through Enterprise in one generation.

In this journey we seek your full participation, with eyes and ears (fingers on computers), your mind, but above all, your heart.

Shashank Mani

Founder | Jagriti Yatra

Jagriti Enterprise Center, Purvanchal

में मदद करेगा। इस सेंटर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और आजादी की 75वीं वर्षगांठ यानी कि 2022 में इसका शुभारंभ करने की भी तैयारी है। विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली के लिए उद्यम से भारत निर्माण की भावना आवश्यक होती है। स्वामी विवेकानंद ने कन्याकुमारी में देश को जगाने के लिए इस भावना का अह्वान किया था और महात्मा गांधी ने देश को आजादी दिलाने के लिए दांडी यात्रा में। दोनों अपनी-अपनी यात्रा में निकले और दोनों का यह विश्वास था कि असली भारत की भावना के लिए यह अह्वान आवश्यक है। देश निर्माण के लिए संपूर्ण समाज की आवश्यकता होती है, यह आवश्यक होता है कि प्रशासन के अलावा हम भी योगदान दें, यात्रा के दौरान इस पर चर्चा जोरों पर होगी।

अंत में, जैसा कि आप यात्रा शुरू कर रहे हैं, मैं आपको 7 स-प्रक्रियाओं के बारे में बताऊंगा ताकि सुरक्षित, स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण यात्रा सुनिश्चित हो सके। अगर आप यात्रा के दौरान यह प्रक्रिया करते हैं तो यह उद्यम के लिए हमारे आंदोलन को भी सशक्त करेगा। देवरिया में बन रहे हमारे विश्व स्तरीय सेंटर के सामने स्थित राष्ट्रीय वृक्ष बरगद के सम्मान में इस क्रिया का नाम बरगद उद्यम क्रिया रखा गया है। यह प्रक्रियाएं हैं –स्वास्थ्य, शांति, स्थान, श्रवण, सद्भाव, सकारात्मक सोच, सक्रिय निर्माण। यह सभी यात्रा के दौरान आपको समझाया जाएगा, आशा करता हूं कि आप इसका अभ्यास करेंगे।

इस यात्रा में शामिल होते हुए, अन्य यात्रियों के साथ आप जो रिश्ते बनाएंगे, उसमें खुद को शामिल करें। स्वयं को ऐसे स्थान पर लाएं जहां से आप कुछ परिवर्तन करना चाहते हैं। मैंने इसके लिए अपने घर को चुना है और लगभग 300 साल पुराने बरगद के पेड़ को जहां से जागृति यात्रा की उत्पत्ति हुई; तो आपका स्थान क्या है? जिस उद्यम सूत्र को हम तैयार कर रहे हैं और परीक्षण कर रहे हैं इसका प्रयोग उद्यम के माध्यम से भारत का निर्माण करने के लिए 6,000 से अधिक यात्रियों द्वारा किया जा सकता है।

इस यात्रा में हम आपकी भागीदारी पूर्ण रूप से चाहते हैं, आपकी आंखें, कान (कम्प्यूटर पर आपकी उंगलियां), आपका दिमाग और सबसे अधिक आपका दिल।

शशांक मणि

**संस्थापक | जागृति यात्रा,
जागृति उद्यम केंद्र, पूर्वांचल**





JAGRITI BOARD

Sunil Pangarkar
Board Member

सुनील पंगारकर
बोर्ड सदस्य



THE GRAND VISION OF ENTERPRISE LED DEVELOPMENT

In a short video, a few months ago, that I had sent to Udyam Corps for the JECP I had said that their role and indeed the role of Jagriti movement is that of a catalyst.

In chemistry during school days, I had learnt about catalysts. I had never really understood that concept very much, but by rote learning knew that certain noble metals and other substances were introduced in chemical reactions. When I thought about it much more a good 50 yrs later (Chintan + Manan) , I realized some obvious characteristics of catalysts.

1. They tend not to get consumed in a chemical reaction.
2. They are needed in very small quantities, compared to the reactants.
3. They improve the results of the reaction by lowering barriers (usually of temperature and pressure).
4. All for a grander cause of success of the reaction.

उद्यम के नेतृत्व में विकास की भव्य दृष्टि

एक लघु वीडियो में, कुछ महीने पहले, जिसे मैंने उद्यम कोर को जेईसीपी के लिए भेजा था, मैंने कहा था कि उनकी भूमिका और वास्तव में जागृति आंदोलन की भूमिका उत्प्रेरक की है।

स्कूली रसायन विज्ञान में, मैंने उत्प्रेरकों के बारे में सीखा था। मैं वास्तव में उस अवधारणा को बहुत ज्यादा कभी नहीं समझ पाया था, लेकिन रटकर सीखने से पता चला कि कुछ महान धातु और अन्य पदार्थ रासायनिक प्रतिक्रियाओं में पेश किए जाते थे। जब मैंने इसके बारे में 50 साल बाद और अधिक अच्छे से (चिंतन + मनन) सोचा, तो मुझे उत्प्रेरक की कुछ स्पष्ट विशेषताओं का एहसास हुआ।

1. वे रासायनिक प्रतिक्रिया में भस्म नहीं होते हैं।
2. अभिकारकों की तुलना में इनकी बहुत कम मात्रा में आवश्यकता होती है।
3. वे बाधाओं (आमतौर पर तापमान और दबाव) को कम करके प्रतिक्रिया के परिणामों में सुधार करते हैं।
4. और यह सब प्रतिक्रिया की सफलता के एक बड़े कारण के लिए।





JAGRITI BOARD

Sunil Pangarkar
Board Member

सुनील पंगारकर
बोर्ड सदस्य



Huh! Fascinating I thought. Was then Krishna in Kurukshetra performing the job of a Catalyst?

1. He never fought the war – just remained a Sarathi
2. He was just one compared to the innumerable who were in the fight
3. He definitely reduced Arjun's barriers to fight and made the war happen
4. All for the success of bringing balance of virtues in society.

And all this in 700 verses compared to the nearly One Lakh verses of Mahabharat..
So what? Well Did the Digital Yatra just do that?

1. Only the organized content and platform was created
2. Executed by a small team
3. To reduce the barriers of inspiration, innovation and the capacity to incubate ideas, within all the Yatris
4. All for the grand vision of Enterprise led development.

Sochne wali baat zaroor hai!

Khuda Hafiz Yatris.
Sunil Pangarkar

आकर्षक, मैंने सोचा ! तब क्या कृष्ण कुरुक्षेत्र में उत्प्रेरक का कार्य कर रहे थे?

1. उन्होंने कभी युद्ध नहीं लड़ा - बस एक सारथी बने रहे
2. वह लड़ाई में शामिल असंख्य लोगों की तुलना में सिर्फ एक थे
3. उन्होंने निश्चित रूप से लड़ने के लिए अर्जुन की बाधाओं को कम किया और युद्ध किया
4. यह सब समाज में सद्गुणों का संतुलन लाने की सफलता के लिए।

और यह सब महाभारत के 1 लाख श्लोकों की तुलना में 700 श्लोकों में है।
तो क्या डिजिटल यात्रा ने ऐसा ही किया?

1. केवल संगठित सामग्री और मंच बनाया गया था
2. एक छोटी टीम द्वारा निष्पादित
3. सभी यात्रियों के भीतर प्रेरणा, नवाचार और विचारों को विकसित करने की क्षमता की बाधाओं को कम करना
4. उद्यम के नेतृत्व वाले विकास की भव्य दृष्टि के लिए सभी।

सोचने वाली बात जरूर है!

खुदा हाफिज यात्रियों।
सुनील पंगारकर





EDITOR'S NOTE

Saloni Saraff
Editor

सलोनी सराफ
संपादक



Jagriti Yatra is a fifteen day quest that leads to life altering revelations and transformation. It is a journey that takes us through unknown tunnels and shows us a ray of light towards national growth. Humans have hungered and lusted for knowledge right from the womb to the tomb.

Jagriti team ignites the fire to explore India not from the cushioned city chair but through muddy feet in the fields of Deoria.

Before any journey, one always makes a plan and keeps a checklist of sorts. Here the journey had a twist where we did not have the burden to carry luggages but to glue ourselves to digital screens as the yatra commenced. Earlier, what seemed to be a daunting task due to aversion to screens coupled with the stress of working or studying from home later became a welcome change where this family played and challenged each other to unleash true potential. There were times when some of us were uncomfortable to join on video call and overcoming this stark polarity of being face to face in a physical yatra vs being on camera in a digital yatra was not easy. We broke barriers to overcome the divide based on linguistics, culture, ideologies and professions that were going to make us question, analyze and challenge the socio-economic conditions of India thereby altering the perception of our own individual self and how we can be of more service.

The josh was high as we traversed through the changing terrains of India.

Some of us were visiting the same cities again but perceiving the world around us with a different set of eyes. In these fifteen days we experienced India in its true sense - unity in diversity. As we sit down to create the yatra saar we realize how exciting the last fifteen days of our lives have been and how those days can change us forever. Here we bring you a glimpse of our yatra and we hope that in these pages you resonate the same feelings of warmth which we experienced throughout this voyage. Our train journey may have ended but our yatra has only begun!

"Truth is one, paths are many."

Mahatma Gandhi

Saloni Saraff
Editor

जागृति यात्रा पंद्रह दिन की खोज है जो जीवन को बदलने वाले खुलासे और परिवर्तन की ओर ले जाती है। यह एक यात्रा है जो हमें अज्ञात सुरंगों में ले जाती है और हमें राष्ट्रीय विकास की ओर प्रकाश की किरण दिखाती है। मनुष्य ने गर्भ से लेकर कब्र तक ज्ञान की भूख और लालसा की है।

जागृति टीम, भारत को खोजने के लिए प्रोत्साहित करती है लेकिन बड़े शहरों से नहीं बल्कि देवरिया के मिट्टी के खेतों से।

किसी भी यात्रा से पहले, व्यक्ति हमेशा एक योजना बनाता है और एक प्रकार की चेकलिस्ट रखता है। यहां यात्रा में एक ऐसा मोड़ आया जहां यात्रा शुरू होते ही हमारे पास सामान ले जाने का बोझ नहीं था, बल्कि खुद को डिजिटल स्क्रीन से जोड़े रखने का बोझ था। पहले, जो स्क्रीन के प्रति घृणा और घर से काम करने या पढ़ाई के तनाव के कारण एक कठिन काम लगता था, बाद में एक स्वागत योग्य बदलाव बन गया जहां इस परिवार ने खेला और एक-दूसरे को अपनी वास्तविक क्षमता को उजागर करने की चुनौती दी। एक समय था जब हममें से कुछ लोग वीडियो कॉल पर शामिल होने में असहज महसूस करते थे और शारीरिक यात्रा में आमने-सामने होने और डिजिटल यात्रा में कैमरे के सामने होने की इस कठोर ध्रुवीयता पर काबू पाना आसान नहीं था। हमने भाषा विज्ञान, संस्कृति, विचारधाराओं और व्यवसायों के आधार पर विभाजन को दूर करने के लिए बाधाओं को तोड़ दिया, ताकि हम भारत की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर सवाल उठा सकें, उनका विश्लेषण कर सकें और उन्हें चुनौती दे सकें, जिससे हमारी स्वयं के बारे में धारणा बदले और हम समाज की ओर अधिक सेवा कर पाएं।

जब हम भारत के बदलते भूभाग से गुजरे तो जोश बहुत अधिक था। हम में से कुछ फिर से उन्हीं शहरों का दौरा कर रहे थे, लेकिन अपने आसपास की दुनिया को एक अलग नज़र से देख रहे थे। इन पन्द्रह दिनों में हमने सही अर्थों में भारत की "अनेकता में एकता" का अनुभव किया। जब हम यात्रा सार बनाने के लिए बैठते हैं तो हमें एहसास होता है कि हमारे जीवन के पिछले पंद्रह दिन कितने रोमांचक रहे हैं और कैसे वे दिन हमें हमेशा के लिए बदल सकते हैं। यहाँ हम आपके लिए अपनी यात्रा की एक झलक लेकर आए हैं और हम आशा करते हैं कि इन पन्नों में आप वही गर्मजोशी की भावनाएँ प्रतिध्वनित करेंगे जो हमने इस यात्रा के दौरान अनुभव की थीं। हमारी रेल यात्रा भले ही समाप्त हो गई हो लेकिन हमारी यात्रा अभी शुरू हुई है।

"सत्य एक है, रास्ते अनेक हैं।"

महात्मा गांधी

सलोनी सराफ
संपादक





JAGRITI
DIGITAL YATRA



Dec Table of Contents

	Introduction	11
19	2021 Flag Off	
	Inspiration	21
36	Innovation	
	Incubation	45
72	New Year Celebrations	
	Testimonials & Impact Analysis	74
81	Yatra Saar Team	



विषय - सूची

	परिचय	११
१९	2021 फ्लैग ऑफ	
	प्रेरणा	२१
३६	नवाचार	
	इन्क्यूबेशन	४५
७२	नव वर्ष समारोह	
	प्रशंसापत्र और प्रभाव विश्लेषण	७४
८१	यात्रा सार टीम	



Jan

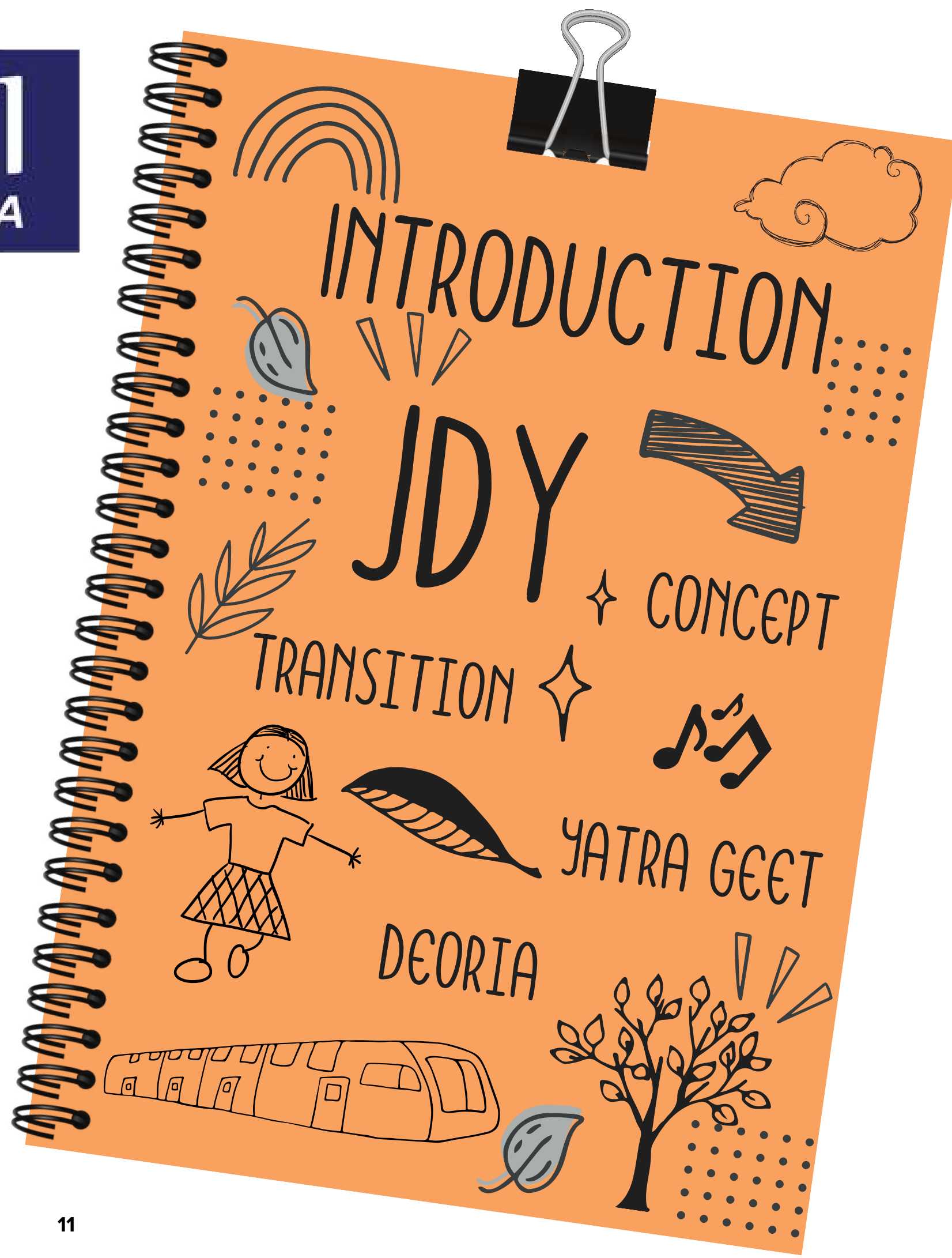


JAGRITI

DIGITAL YATRA



photographia





Introduction - Jagriti Yatra Concept

Jagriti Yatra in itself is, by all means, an extraordinary reflection of India and its enterprising prowess. A 15-day, 8000-km entrepreneurship train journey program, which has impacted 7000+ aspiring entrepreneurs in the last 14 years and counting, lending exposure across 6 key focus areas such as agriculture, health, women empowerment, urbanization and handicraft and apparel through social enterprise along with an opportunity to meet role models from highly successful social enterprises such as ISRO, GOONJ, GRAM VIKAS and SELCO to name a few, and learn from them the art of working to bring about change at grassroots level. The program is designed on the philosophy of experiential learning. The four axes of learning are:

- Peer-to-peer learning
- Role model (social and business entrepreneurs) interaction
- Panel discussions on topics such as: agriculture, health, women empowerment, urbanization, technology and handicraft and apparel
- Biz Gyan Tree exercise which gives the Yatri's on board get a chance to come up with start up ideas focusing on solution of grassroots level problems

"Jagriti" refers to the awakening of the inner core values one already has and making the best use of them to bring about fundamental and path breaking changes in society by touching and tirelessly working towards transformative action to better the lives of millions of marginalized people who represent the true Indian ideology, ethos, culture. These people who unfortunately have remained victims of state negligence and who haven't benefited from the economic progress so far deserve all the resources, opportunities as well as helping hands to improve their quality of life and lead a respectful living in the society.

"Yatra" is a journey to a particular destination. However, when it comes to Jagriti Yatra the journey is not a destination but a cause. A cause which is aimed at socio-economic healthy mass movement in the Purvanchal Region of India, the home of which is Deoria, Uttar Pradesh.

To know more and be a part of the movement, visit
<https://www.jagritiyatra.com/selection-procedure>.

परिचय - जागृति यात्रा अवधारणा

जागृति यात्रा अपने आप में हर तरह से भारत और इसकी उद्यमी शक्ति का एक असाधारण प्रतिबिंब है। यह यात्रा मुख्यतः उद्यमिता को देश में बढ़ावा देती है; 15 दिन, 8000 किलोमीटर का उद्यमिता रेल यात्रा कार्यक्रम जिसने पिछले 14 वर्षों में 7000 से अधिक महत्वाकांक्षी उद्यमियों को प्रभावित किया है; कृषि, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, शहरीकरण, हस्तशिल्प और परिधान जैसे 6 प्रमुख क्षेत्रों में सामाजिक उद्यम के माध्यम से अतुलनीय कार्य किया है - इसरो, गुंज, ग्राम विकास और सेलको जैसे अत्यधिक सफल सामाजिक उद्यमों रोल मॉडल से मिलने और जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए काम करने की कला सीखने का अवसर दिया है। यह कार्यक्रम अनुभवात्मक शिक्षण के दर्शन पर तैयार किया गया है। इसे सीखने के मुख्यतः चार आधार हैं;

- पीअर-टू-पीअर लर्निंग
- रोल मॉडल (सामाजिक और व्यावसायिक उद्यमी) सहभागिता
- विषयों पर पैनल चर्चा जैसे: कृषि, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, शहरीकरण, प्रौद्योगिकी और हस्तशिल्प और परिधान
- बिज़ ग्यान ट्री अभ्यास जो यात्रियों को जमीनी स्तर की समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्टार्ट अप विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर देता है

"जागृति" का तात्पर्य है आंतरिक मूल्यों का जागरण और उनका समाज में मौलिक परिवर्तन लाने के लिए तथा लाखों सीमांत लोगों, जो वास्तविक भारतीय विचारधारा, लोकाचार, संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं, के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग। ये लोग जो दुर्भाग्य से राज्य की लापरवाही के शिकार बने हुए हैं और जो अब तक आर्थिक प्रगति से लाभान्वित नहीं हुए हैं, वे सभी संसाधनों, अवसरों के साथ-साथ अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और समाज में एक सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करने के योग्य हैं।

"यात्रा" एक विशेष गंतव्य की यात्रा होती है। हालाँकि, जब जागृति यात्रा की बात आती है तो यात्रा एक गंतव्य के लिए नहीं बल्कि एक कारण की होती है। एक कारण जिसका उद्देश्य भारत के पूर्वांचल क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक, स्वस्थ जन आंदोलन है जिसका घर देवरिया, उत्तर प्रदेश है।

जागृति यात्रा को और भी विस्तार में समझने के लिए दिए गये लिंक का सहारा लीजिए और इस परिवार का हिस्सा बनिएं

<https://www.jagritiyatra.com/selection-procedure>.





Jagriti Digital Yatra

Jagriti Digital Yatra (effective since 2020, which was the first of its kind digital version of Jagriti Yatra), at first seemed a herculean task of connecting promising young enterprising minds from across the country digitally, but eventually turned out to be a great experience for all the Yatris, facilitators and the entire team of Jagriti Yatra.

The digital platform became the single most focus where the determination and grit of the team of Jagriti Yatra was depicted, paying off for the months of hard work put in for the digital version of Yatra to become a grand success! Additionally, the Yatris got a platform where they were able to make professional connections and friendships for a lifetime.

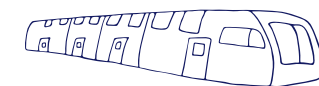
The transition

- While the pandemic has affected everything and can affect a physical train journey like the Jagriti Yatra, the spirit of resilience and innovation of the Jagriti Yatra showed itself for the second year running with its successful transition to a Digital Yatra.
- This was not a favorable change but the whole team rallied around to make sure the participants did not miss out on any opportunity and also made sure they had access to more panelists thus capitalizing on the advantages of a digital Yatra while combating the technical challenges.
- While the format of the train journey continued with different compartments of the train, the visit to different cities, it was all enabled online for the Yatris to have the best experience.

Participant Demographics - JDY 2021

- 800+ yatri participated in the digital yatra, 51.8% of yatri were women
- Rural 36.5%, Semi-Urban 43.6% and Urban 18.7%
- 47.8% were students, 28.3% were employed and 15.8% were entrepreneurs
- Yatris were from 28 states, 6 UTs, with 2.3% of yatri being foreign nationals from 14 countries
- Average age of participating yatri was 24 years and 7 months and
- Average age of the facilitators was 37 years and 2 months

जागृति डिजिटल यात्रा



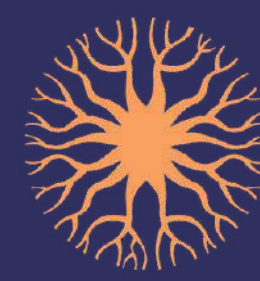
जागृति डिजिटल यात्रा (2020 से प्रभावी, जो जागृति यात्रा का पहला प्रकार का डिजिटल संस्करण था), जो पहली बार में देश भर के होनहार युवा उद्यमियों को डिजिटल रूप से जोड़ने का एक कठिन कार्य लग रहा था, अंततः सभी यात्रियों और प्रतिभागियों के लिए एक शानदार अनुभव बन गया। डिजिटल प्लेटफॉर्म एकमात्र सबसे अधिक फोकस बन गया जहां जागृति यात्रा की टीम के दृढ़ संकल्प और धैर्य परिलक्षित हुए, और यात्रा के डिजिटल संस्करण के लिए महीनों की कड़ी मेहनत एक शानदार सफलता बन गई! इसके अतिरिक्त, यात्रियों को एक मंच मिला जहां वे जीवन भर के लिए पेशेवर संबंध और दोस्ती बनाने में सक्षम रहे।

वैश्विक कोरोना संक्रमण

- हालांकि महामारी ने हर चीज को प्रभावित किया है और जागृति यात्रा जैसी भौतिक ट्रेन यात्रा को प्रभावित कर सकती है, जागृति यात्रा की लचीलापन और नवाचार की भावना ने इस प्रकार की तकनीकी चुनौतियों का मुकाबला करते हुए दूसरी बार डिजिटल यात्रा के फायदों का लाभ उठाया।
- यह एक अनुकूल बदलाव नहीं था, लेकिन पूरी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि प्रतिभागी किसी भी अवसर को न चूकें और यह भी सुनिश्चित करें कि तकनीकी चुनौतियों का मुकाबला करते हुए डिजिटल यात्रा के लाभों का लाभ उठाते हुए अधिक पैनेलिस्टों तक उनकी पहुंच हो।
- जबकि ट्रेन यात्रा का प्रारूप ट्रेन के विभिन्न डिब्बों और विभिन्न शहरों की यात्रा के साथ जारी रहा, यात्रियों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए यह सब ऑनलाइन सक्षम किया गया।

प्रतिभागियों की सहभागिता - JDY 2021

- डिजिटल यात्रा में 800 से अधिक यात्रियों ने भाग लिया, 51.8 प्रतिशत यात्री महिलाएं थीं।
- ग्रामीण 36.5%, अर्ध-शहरी 43.6% और शहरी 18.7%
- 47.8% छात्र थे, 28.3% कार्यरत और 15.0038% उद्यमी थे।
- यात्री 28 राज्यों, 6 केन्द्र शासित प्रदेशों से थे, जिनमें से 2.3 प्रतिशत यात्री 14 देशों के विदेशी नागरिक भी थे।
- प्रतिभागियों की औसत आयु 24 वर्ष और 7 महीने थी।
- सुविधा प्रदाताओं की औसत आयु 37 वर्ष और 2 महीने थी।



Yatra Geet

यात्रा गीत



Kuchh badal raha, kuchh badlenge;
Tab badlega, jab badlenge
Kuchh dekha hai, kuchh dekhenge;
Kuchh likkha hai, kuchh likh denge...
Yaaron chalo! Badalne ki rut hai;
Yaaron chalo! Sawarne ki rut hai
Hawa keh rahi tu theherna nahi;
Gagan keh raha tu pighalna nahi
Zameen keh rahi mujhko chhuke to dekh;
Arey ankhein mila, sach se darna nahi
Yaaron chalo! Badalne ki rut hai;
Yaaron chalo! Sawarne ki rut hai

कुछ बदल रहा, कुछ बदलेंगे;
तब बदलेगा, जब बदलेंगे
कुछ देखा है, कुछ देखेंगे;
कुछ लिखा है, कुछ लिख देंगे...
यारों चलो! बदलने की रुत है ;
यारों चलो! संवरने की रुत है
हवा कह रही तू ठहरना नहीं;
गगन कह रहा तू बिखरना नहीं
ज़मी कह रही मुझको छू के तो देख;
अरे आँखे मिला, सच से डरना नहीं
यारों चलो! बदलने की रुत है;
यारों चलो! संवरने की रुत है.





About Jagriti Enterprise Centre

Purvanchal



Ashutosh Kumar Mishra,
CEO, JECP

Jagriti India is on the cusp of social change. A hundred million jobs will be required over the next ten years to absorb the country's growing youth. Moreover, 58% of the population lives in smaller towns and villages and this leads to large-scale migration every year. That is where Jagriti Enterprise Centre – Purvanchal (JECP) comes in with the vision to Build India through Enterprise and to encourage the youth to be the driving force of this change.

Jagriti aims to encourage young Indians living in the Middle of the Indian Demographic Diamond to lead development by becoming entrepreneurs, creating a national movement of "Building India through Enterprise". It is a youth led movement which firmly stands on a 3-pillar structure.

Jagriti Enterprise Centre - Purvanchal (JECP)	A regional innovation and incubation ecosystem based out of Deoria, UP popularly known as "Purvanchal Bharat" to support small and medium entrepreneurs through market, mentorship and money.
Jagriti Yatra	A PAN-India entrepreneurship initiative focusing on creation and promotion of social enterprises through a flagship train journey and digital yatra to promote youth led enterprise movement in Tier 2/3 India.
Jagriti Ambassador for District Entrepreneurship	A district-level initiative spread across the country to build entrepreneurship ecosystems through well-designed outreach programs, executed by alumni of Jagriti Yatra who are also our district ambassadors.

जागृति उद्यम केंद्र - पूर्वांचल

भारत सामाजिक परिवर्तन के कगार पर है। देश के बढ़ते युवाओं को शामिल करने के लिए अगले दस वर्षों में सौ मिलियन नौकरियों की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, 58 प्रतिशत आबादी छोटे शहरों और गांवों में रहती है और इससे हर साल बड़े पैमाने पर पलायन होता है। यहीं जागृति इंटरप्राइज सेंटर पूर्वांचल (जेईसीपी) इंटरप्राइज के माध्यम से भारत के निर्माण और युवाओं को इस बदलाव की प्रेरक शक्ति बनने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य है।

जागृति का उद्देश्य भारतीय जनसांख्यिकीय डायमंड के मध्य में रहने वाले युवा भारतीयों को उद्यमी बनाकर विकास का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे "एंटरप्राइज के माध्यम से भारत का निर्माण" का एक राष्ट्रीय आंदोलन बन सके। यह एक युवा नेतृत्व आंदोलन है जो दृढ़ता से 3-स्तंभ संरचना पर खड़ा है।

जागृति उद्यम केंद्र - पूर्वांचल (JECP)	छोटे और मध्यम उद्यमियों को बाजार, परामर्श और धन के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए देवरिया, उत्तर प्रदेश के एक क्षेत्रीय नवाचार और ऊष्मायन पारिस्थितिकी तंत्र को "पूर्वांचल भारत" के रूप में जाना जाता है।
जागृति यात्रा	एक पैन-इंडिया उद्यमिता पहल जो एक फ्लैगशिप ट्रेन यात्रा और डिजिटल यात्रा के माध्यम से सामाजिक उद्यमों के निर्माण और प्रचार पर ध्यान केंद्रित करती है, ताकि टियर 2/3 भारत में युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यम आंदोलन को बढ़ावा दिया जा सके।
जिला उद्यमिता के लिए जागृति राजदूत	जागृति यात्रा के पूर्व छात्रों द्वारा निष्पादित अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए देश भर में फैली एक जिला स्तरीय पहल, जो हमारे जिला राजदूत भी हैं।



Jagriti Enterprise Centre (getting constructed in Deoria, Uttar Pradesh)

Model



JECP is an incubator that originated in its home district of Deoria with a mission to boost the enterprise efforts in Tier 2 and Tier 3 districts of India. Working with the local entrepreneurial leaders to scale their businesses and create local impact, they offer essential services like market connect, business strategy, mentorship, and connect to funds. The sectors they focus on among others include Agro Business, Healthcare, Energy, Education, Technology, and Women Empowerment. JEC-P is planning to build a physical incubation centre at Barpar in Deoria complete with facilities like co-working spaces, prototyping labs, digital library, etc- a dream space for all entrepreneurs.

A world class regional center that promotes inspiration, incubation and innovation covering 14 districts in eastern Uttar Pradesh, the centre will consist of facilities such as library, open theatre, boarding facilities for full time employees, visitors and learners coming from across the country. The architectural design charts the journey of an entrepreneur – from self to collaboration to leadership – and draws inspiration from the golden spiral. The national tree of India – Banyan – and the national flower - Lotus - are at the centre of the design, giving a national appeal to the Centre.



जागृति उद्यम केंद्र (देवरिया, उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन)



मॉडल

जेईसीपी एक इनक्यूबेटर है जो भारत के टियर 2 और टियर 3 जिलों में उद्यम प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक मिशन के साथ देवरिया के अपने गृह जिले में उत्पन्न हुआ था। स्थानीय उद्यमी नेताओं के साथ काम कर उनके व्यवसायों को बढ़ाने और स्थानीय प्रभाव बनाने के लिए, वे बाजार कनेक्ट, व्यापार रणनीति, संरक्षण, और धन से जुड़ने जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन क्षेत्रों में कृषि व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और महिला सशक्तिकरण शामिल हैं। जेईसी-पी देवरिया में बारपर में एक भौतिक ऊष्मायन केंद्र बनाने की योजना बना रहा है, जिसमें सभी उद्यमियों के लिए सह-कार्य स्थल, प्रोटोटाइप लैब, डिजिटल लाइब्रेरी आदि जैसी सुविधाएं हैं।

एक विश्व स्तरीय क्षेत्रीय केंद्र जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में प्रेरणा, ऊष्मायन और नवाचार को बढ़ावा दे - इस केंद्र में पूर्णकालिक कर्मचारियों, आगंतुकों और शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय, ओपन थिएटर, बोर्डिंग सुविधाओं जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। वास्तु डिजाइन एक उद्यमी की - स्वयं से सहयोग से नेतृत्व तक की - यात्रा दिखाता है और गोल्डन स्पाइरल से प्रेरणा लेता है। । भारत का राष्ट्रीय वृक्ष - 'बरगद' और राष्ट्रीय पुष्प 'कमल' इसे और अलौकिक बनाते हैं।



The Deoria Dream

While most of the entrepreneurs are excited to set up enterprises for Middle India, it is equally important to understand the issues and ground realities of Rural India. Hence, exposure to the real world will become paramount for that. This was made possible by visiting and interacting with the local residents of Deoria District of Uttar Pradesh.

In 2021, owing to the existing pandemic situation, the interaction was all online and remote. Digital Yatris shared their queries with the Jagriti Yatra team at Purvanchal who are in contact with the local inhabitants to get the insights on their concerns and issues. Initial information on different verticals included:

- Agriculture Business – 77% of population dependent on Agriculture
- Healthcare – District Hospital with 250+ doctors and 2000+ bed capacity
- Energy – 45% of household have the facility of electricity
- Education – Need to address the low rate of girls education
- Water & Sanitation – 75 to 80% households have toilets, but usage is limited.
- Manufacturing – Currently Food Processing, Perfumery products, chemical and allied products are mainstream

The Jagriti team is currently engaged in conducting entrepreneurial awareness programs in regional colleges, helping small scale industries in the district to scale up and improve the stand of products. Their 6Ms of the Incubation Process is helping those enterprises by mobilizing resources for sustenance and growth by creating a local ecosystem which is guided by a national and global network of enterprises.

The participants were curious about knowing the situation of the region, focusing on the below areas:

- Women in Higher Education and Training programs for digital skills.
- International Export of locally grown crops and crafts made by artisans
- Effective reach of various Government schemes to the local residents
- Mechanisms for efficient plastic recycling in the region
- Prevailing incubation programs for enterprises
- New age techniques of agriculture adopted by local farmers
- Micro-Financing facilities available in the Deoria district
- Employment skills and Talent development initiatives in the area
- Access to the Internet and necessary digital education



देवरिया का सपना



जहां अधिकांश उद्यमी मध्य भारत के लिए उद्यम स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं, वहीं ग्रामीण भारत के मुद्दों और जमीनी वास्तविकताओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसलिए, वास्तविक दुनिया के संपर्क में आना इसके लिए सर्वोपरि हो जाता है। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के स्थानीय निवासियों के साथ जाकर और बातचीत करके यह संभव हुआ।

2021 में, मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण, बातचीत ऑनलाइन और दूरस्थ थी। डिजिटल यात्रियों ने पूर्वांचल में जागृति यात्रा टीम के साथ, जो स्थानीय निवासियों के संपर्क में हैं, अपने प्रश्नों को साझा किया और उनकी चिंताओं और मुद्दों पर जानकारी प्राप्त की। विभिन्न कार्यक्षेत्रों पर प्रारंभिक जानकारी में शामिल है:

- कृषि व्यवसाय - 77% जनसंख्या कृषि पर निर्भर है
- स्वास्थ्य देखभाल - 250 से अधिक डॉक्टरों और 2000 से अधिक बिस्तर की क्षमता वाले जिला अस्पताल इस क्षेत्र में हैं
- ऊर्जा - 45% घरों में बिजली की सुविधा है
- शिक्षा - लड़कियों की शिक्षा की कम दर को संबोधित करने की आवश्यकता है
- जल और स्वच्छता - 75 से 80% घरों में शौचालय हैं, लेकिन उपयोग सीमित है
- विनिर्माण - वर्तमान में खाद्य प्रसंस्करण, इत्र उत्पाद, रासायनिक और संबद्ध उत्पाद मुख्यधारा हैं।

जागृति टीम वर्तमान में क्षेत्रीय कॉलेजों में उद्यमशीलता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में लगी हुई है, जिससे जिले में लघु उद्योगों को उत्पादों के रुख को बढ़ाने और सुधारने में मदद मिलती है। इन्क्यूबेशन प्रक्रिया की उनकी 6Ms एक स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके उन उद्यमों को जीविका और विकास के लिए संसाधन जुटाकर मदद कर रही है जो उद्यमों के एक राष्ट्रीय और वैश्विक नेटवर्क द्वारा निर्देशित है।

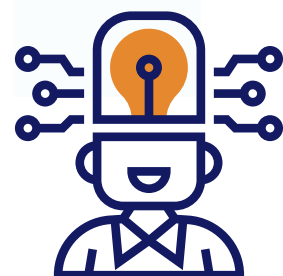
सभी प्रतिभागियों को क्षेत्र की स्थिति जानने के बारे में उत्सुकता थी।

नीचे दिए गए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित है:

- डिजिटल कौशल के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाएं
- स्थानीय रूप से उगाई गई फसलों और कारीगरों द्वारा निर्मित शिल्प का अंतर्राष्ट्रीय निर्यात
- स्थानीय निवासियों तक विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच
- क्षेत्र में कुशल प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के लिए तंत्र
- उद्यमों के लिए प्रचलित ऊष्मायन कार्यक्रम
- स्थानीय किसानों द्वारा अपनाई गई कृषि की नई तकनीक
- देवरिया जिले में उपलब्ध माइक्रो-फाइनेंसिंग सुविधाएं
- क्षेत्र में रोजगार कौशल और प्रतिभा विकास पहल
- इंटरनेट और आवश्यक डिजिटल शिक्षा को पहुंचाना।



Jagriti Incubatees



1. Deoria Design - The brainchild of Pooja Sahi, a Deoria resident, and Priti Jantre, a Mumbai-based marketing person who met through the Jagriti Network, Deoria Design trains the local women to create international craft and design via the internet. The challenges notwithstanding, this handicraft company is determined to empower the underprivileged women of Deoria to be financially independent.
2. Rural Roots - Two alumni of the Jagriti Yatra - Keshav Parthasarthy and Shagun Setia started this food-processing company focused on the food products in which Deoria has an existing comparative advantage. Commencing their business with the food product pickle, they have expanded to a premium variety of mango, garlic, red chili, and jackfruit and generated employment for the local women in the process.
3. Rural Shores - To combat the excessive migration out of Deoria, Rural Shores was established through the partnership between Rahul Mani Tripathi, a Deoria serial entrepreneur, and the Indian company Rural Shores. It aims to integrate the youth of Deoria into the knowledge economy by providing them the training and employment in the Deoria Call Centre.
4. Apparel Cluster - JEC-P is collaborating with the local apparel entrepreneurs in Deoria and Kushinagar to develop an apparel cluster creating quality products.
5. Internet Saathi - A digital literacy program run by Jagriti in partnership with Google and Tata Trust, it enabled 2300 Saathis (teachers) with devices to train eighteen lakh women across seven districts around Deoria. This wonder project is now moving to the next stage with Udyam Sakhi, a project where digital livelihoods and jobs will be created for women.

जागृति इनक्यूबेटी



1. देवरिया डिजाइन - देवरिया की निवासी पूजा साही और मुंबई स्थित मार्केटिंग व्यक्ति प्रीति जंत्रे, जो जागृति नेटवर्क के माध्यम से मिले थे, के दिमाग की उपज, देवरिया डिजाइन स्थानीय महिलाओं को इंटरनेट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शिल्प और डिजाइन बनाने के लिए प्रशिक्षित करता है। चुनौतियों के बावजूद, यह हस्तशिल्प कंपनी देवरिया की वंचित महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए सशक्त बनाने के लिए दृढ़ है।
2. रूरल रूट्स - जागृति यात्रा के दो पूर्व छात्रों - केशव पार्थसारथी और शगुन सेतिया ने इस खाद्य प्रसंस्करण कंपनी की शुरुआत उन खाद्य उत्पादों पर केंद्रित की जिसमें देवरिया का तुलनात्मक लाभ है। खाद्य उत्पाद अचार के साथ अपने व्यवसाय को शुरू करते हुए, उन्होंने आम, लहसुन, लाल मिर्च और कटहल की एक प्रीमियम किस्म का विस्तार किया है और इस प्रक्रिया में स्थानीय महिलाओं के लिए रोजगार पैदा किया है।
3. रूरल शोर्स - देवरिया से अत्यधिक पलायन का मुकाबला करने के लिए, रूरल शोर्स की स्थापना देवरिया सीरियल उद्यमी राहुल मणि त्रिपाठी और भारतीय कंपनी रूरल शोर्स के बीच साझेदारी के माध्यम से की गई थी। इसका उद्देश्य देवरिया कॉल सेंटर में प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान करके देवरिया के युवाओं को ज्ञान अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है।
4. परिधान क्लस्टर - जेईसी-पी देवरिया और कुशीनगर में स्थानीय परिधान उद्यमियों के साथ सहयोग कर रहा है ताकि गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करने वाले परिधान क्लस्टर विकसित किया जा सके।
5. इंटरनेट साथी - जागृति द्वारा गूगल और टाटा ट्रस्ट के साथ साझेदारी में संचालित एक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम, इसने देवरिया के आसपास के सात जिलों में अठारह लाख महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए उपकरणों के साथ 2300 साठे (शिक्षकों) को सक्षम किया। यह आश्चर्यजनक परियोजना अब उद्यम सखी के साथ अगले चरण में जा रही है, एक परियोजना जहां महिलाओं के लिए डिजिटल आजीविका और नौकरियां बनाई जाएंगी।



2021 Flag Off

24th December 2021 was a turning day for all the yatris who had joined for the very first time.

The founder of Jagriti Yatra, Mr. Shashank Mani shared his experience & vision, and lit urja in every yatri. The USA board member, Mr. Sunil shared how they saw this crisis time as an opportunity and were surprised to see the power of digitizing the Yatra. He mentioned that if we don't try to do something new then we will always be stuck with the same old results. The chairman of Jagriti Yatra, Mr. Sharat also had the same views. He emphasized taking up entrepreneurship rather than seeking jobs and working under someone else.

The founders of Naukri.com & Mother-Son were invited as guests of honour to share their useful insights on failure-success & entrepreneurship.

Mr. Sanjeev Bikhchandani shared that entrepreneurs should have many qualities, with 3 on priority:

1. Being a persistent and resilient person. This will help you to never give up on your goals.
2. You must focus on your potential customers and be proactive to understand the customers' needs.
3. Create trust and keep it going.

Mr. Vivek Chaand Sehgal (Co-founder & Chairman of Mother-Son group) narrated his entrepreneurial journey in partnership with his mother and not continuing his mundane nine to five job. His experienced voice was strong when he shared the thought behind his company's working:

1. Lead life with you passion and not get distracted by societal pressures.
2. "One can create anything that is required, just haven't started yet", i.e, positive thinking.
3. Bringing out the best outcomes from the average crowd and not focusing on investing in highly skilled people from big institutions.
4. Last but not the least, get inspired by Rabindra Nath Tagore's "Ekla Cholo Re", believe in your dreams, in yourself and people with whom you work and share the same passion.

The end message that they both gave was to dream big but start small and be the changemakers.



2021 फ्लैग ऑफ



24 दिसंबर 2021 उन सभी यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन था, जो पहली बार शामिल हुए थे।

जागृति यात्रा के संस्थापक श्रीशशांक मणि ने अपने अनुभव और दृष्टि को साझा किया, और हर यात्री में ऊर्जा जलाई। संयुक्त राज्य अमेरिका बोर्ड के सदस्य, श्री सुनील ने साझा किया कि कैसे उन्होंने इस संकट के समय को एक अवसर के रूप में देखा और यात्रा को डिजिटल बनाने की शक्ति को देखकर आश्चर्यचकित हुए। उन्होंने उल्लेख किया कि अगर हम कुछ नया करने की कोशिश नहीं करते हैं तो हम हमेशा उन्ही पुराने परिणामों के साथ फंस जाएंगे। जागृति यात्रा के अध्यक्ष श्री शरत के भी यही विचार थे। उन्होंने नौकरी की तलाश करने और किसी अन्य के अधीन काम करने के बजाय उद्यमशीलता पर जोर दिया।

Naukri.com & Mother-Son के संस्थापकों को असफलता-सफलता और उद्यमिता पर उनकी उपयोगी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमंत्रित किया गया था।

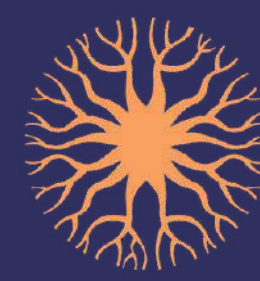
श्री संजीव बिखचंदानी ने साझा किया कि उद्यमियों में कई गुण होने चाहिए, जिनमें प्राथमिकता 3 की होनी चाहिए:

1. एक सतत और लचीला व्यक्ति होना. यह आपको अपने लक्ष्यों को कभी नहीं छोड़ने में मदद करेगा।
2. आपको अपने संभावित ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और ग्राहकों की जरूरतों को समझने के लिए सक्रिय होना चाहिए।
3. विश्वास बनाएं और इसे जारी रखें।

श्री विवेक चांद सहगल (मदर- सन समूह के सह-संस्थापक और अध्यक्ष) ने अपनी माँ के साथ साझेदारी में अपनी उद्यमशीलता की यात्रा को और अपनी नौ से पांच की नौकरी को जारी नहीं रखने के बारे में बताया। उन्होंने मजबूत अनुभवी आवाज में अपनी कंपनी के कामकाज के पीछे के विचार साझा किए:

1. अपने जुनून के साथ जीवन व्यतीत करें और सामाजिक दबावों से विचलित न हों।
2. "हम वह सब कुछ बना सकते हैं जो आवश्यक है, बस शुरूआत करनी होगी", यानी सकारात्मक सोच।
3. औसत भीड़ से सर्वोत्तम परिणाम निकालना और बड़े संस्थानों से अधिक कुशल लोगों में निवेश पर ध्यान केंद्रित न करना।
4. अंत में, रवींद्र नाथ टैगोर के "एकला चलो रे" से प्रेरित हों, अपने सपनों में, अपने आप में और उन लोगों पर विश्वास करें जिनके साथ आप काम करते हैं और उसी जुनून को साझा करते हैं।

दोनों अतिथियों ने जो अंतिम संदेश दिया वह था बड़े सपने देखें लेकिन छोटी शुरुआत करें और चेंजमेकर बनें।



JAGRITI
DIGITAL YATRA

Core Team/मुख्य टोली



Ashutosh Kumar
आशुतोष कुमार



Lalitha Prakash
ललिता प्रकाश



Meet Bhatt
मीत भट्ट



Pragati Baheti
प्रगति बाहेती



Akash Gosavi
आकाश गोसावी



Pankaj Mane
पंकज माने



Chinmay Vadnere
चिन्मय वडनेरे

Extended Team & ERC/विस्तारित टीम और ईआरसी



Brijesh Prasad
बृजेश प्रसाद



Pranoti Shinde
प्रणोती शिंदे



Aniket Gawali
अनिकेत गवली



Keshav Agrawal
केशव अग्रवाल



Nikhil Bhat
निखिल भट



Priyanka Achhpeliya
प्रियंका अछपेलिया



Pranav Jagtap
प्रणव जगताप



Ganesh Bansa
गणेश बंसा



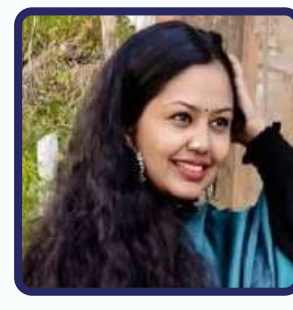
Samir Mody
समीर मोदी



Ashish Agarwal
आशीष अग्रवाल



Navaneethcrshna
नवनीतकृष्ण



Vishaka Ayalur
विशाखा अयालुर



Krishna. Koundinya .V
कृष्णा.कौंडिन्य. वी

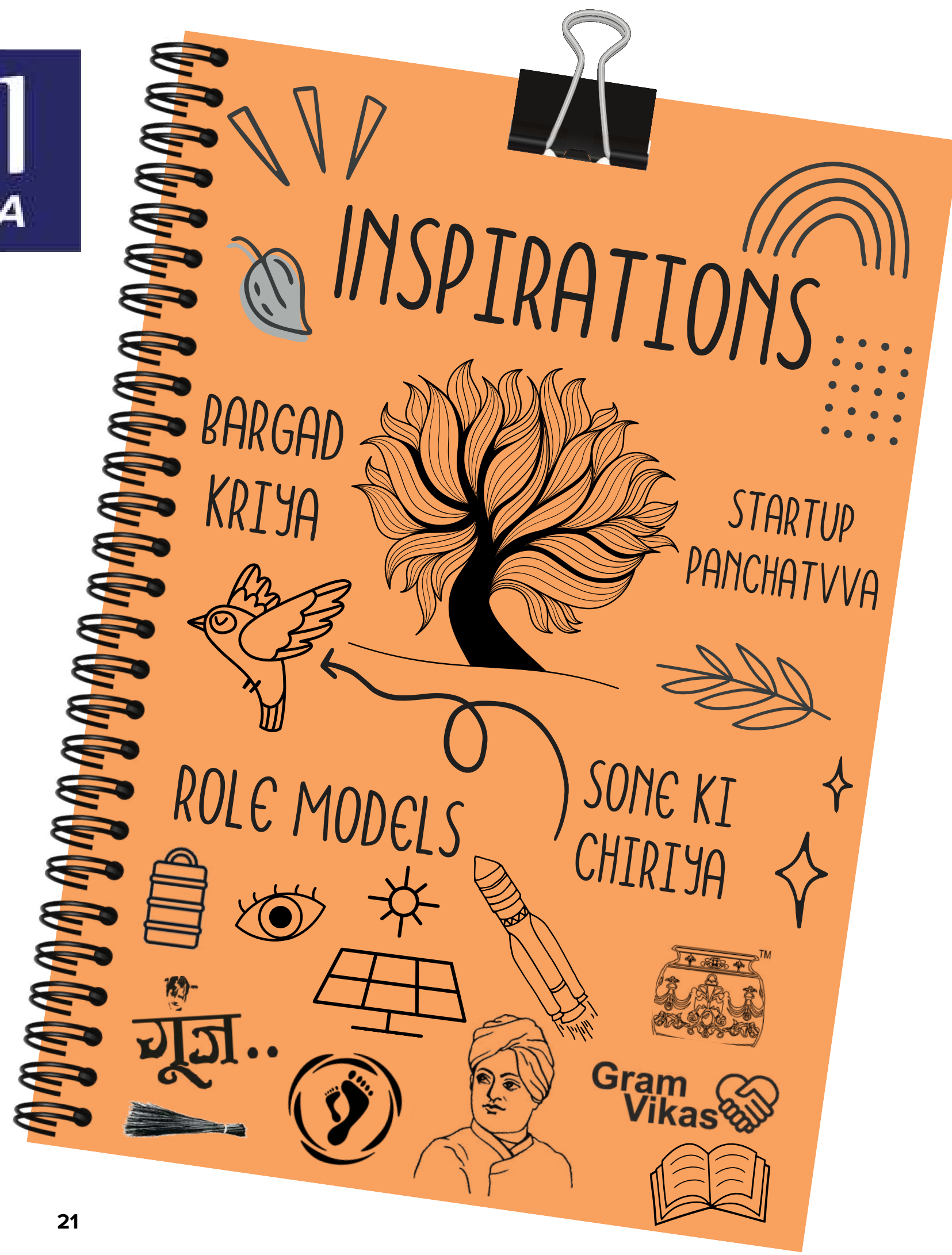


Shravasti Donolikar
श्रावस्ती डोनोलिकर



JAGRITI

DIGITAL YATRA





Inspiration

Bargad Kriya: Keeping our roots strong

The 7:30 am sessions (soon after the 7 am wake up calls) with Brijesh prepared Yatris for a hectic day ahead and helped them avoid feeling overwhelmed by the large amount of information. For this, he spoke about calming techniques of the Bargad Kriya, and the below seven aspects of Bargad Kriya - each with a focus on self.

1. Swaasth or Health
2. Shaanti or Silence
3. Sakaratmak Soch or Positive mindset
4. Sthaan or Place
5. Shravan or Deep Listening
6. Sakriya Nirmaan or Building a positive bias
7. Sadbhav or Harmony

Using these pointers, Brijesh inspired everyone to look after the body and soul through daily exercises for physical fitness and mental & spiritual well-being, emphasizing on the importance of silence to connect with the inner self and of staying positive even in adversity. Yatris were encouraged to focus on their physical space, and practice the techniques to listen attentively for better learning and co-creation. His positive thoughts helped Yatris prepare better for the program and helped create a more harmonious environment with peers particularly through the rigorous Biz Gyan Tree (BGT) exercise.

बरगद क्रिया: अपनी जड़ों को मजबूत रखना

बृजेश के साथ 7:30 बजे के सत्र (7 बजे की जागरण कॉल के बाद) ने यात्रियों को एक व्यस्त दिन के लिए तैयार किया और उन्हें बड़ी मात्रा में जानकारी से अभिभूत महसूस करने से बचने में मदद की। इसके लिए, उन्होंने बरगद क्रिया की शांत तकनीकों और बरगद क्रिया के नीचे के सात पहलुओं के बारे में बात की -

1. स्वास्थ्य
2. शांति
3. सकारात्मक सोच
4. स्थान
5. श्रवण
6. सक्रिय निर्माण
7. सद्भाव

इन बिंदुओं का उपयोग करके, बृजेश ने सभी को शारीरिक फिटनेस और मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए दैनिक अभ्यास के माध्यम से शरीर और आत्मा की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया, आंतरिक आत्म से जुड़ने के लिए चुप्पी और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहने के महत्व पर जोर दिया। यात्रियों को अपने भौतिक स्थान पर ध्यान केंद्रित करने और बेहतर सीखने और सह-निर्माण के लिए ध्यान से सुनने की तकनीकों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उनके सकारात्मक विचारों ने यात्रियों को कार्यक्रम के लिए बेहतर तैयारी करने में मदद की और विशेष रूप से कठोर बिज़्ञान ट्री (बीजीटी) अभ्यास के माध्यम से साथियों के साथ अधिक सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाने में मदद की।

Bargad Kriya:
Keeping our roots strong



Panchtatva of StartUps:

We all hear about what an entrepreneur should do and what all qualities they should have. Is a winning idea promising enough to have a successful startup? Mr. Vinay Kanchan figured out 5 elements of StartUp that have to be kept in mind by entrepreneurs.

SAVEK was 5 letter word that we figured during his 5 days session where each letter had its significance and meaning relevant to the Startup.

Swadharma (S): We all have a mission on this earth. Our life has a meaning. We need to find out what is our duty and stay true to it. It must reflect in our startup too.

Atithi (A): We must consider our customers/consumers/buyers, etc. equivalent to God and treat them with the same value, respect, and devotion.

Vyavahar (V): How do our thoughts lead to innovation? Our behavior of taking action to help and restore peace by giving a solution plays an important role.

Eklavya (E): Every entrepreneur should be like Eklavya and learn new things with/without any guidance to make their startup successful. There are no constraints when it comes to learning. Constraints come when we put hurdles in our minds.

Katha (K): Stories are a great way not only to express emotions but also to learn. Different religions, cultures, and countries use stories to enrich their history. We must learn from failures and successes of our past and accordingly innovate for the present.

What does Savek mean? Mr. Kanchan also quoted that "we need to shift our perspective from time to time and must think out of the box". **SAVEK = SEVAK (server)**. Become the server of good not only by your business but also from the heart. Understand your responsibility towards your nation, family, and your customers. Be unique and broaden your perspective.

स्टार्टअप का पंचतत्व:

हम सभी सुनते हैं कि एक उद्यमी को क्या करना चाहिए उनमें क्या गुण होने चाहिए. क्या एक विजयी विचार एक सफल स्टार्टअप के लिए पर्याप्त है? श्री. विनय कंचन ने स्टार्टअप के 5 तत्वों का पता लगाया जिन्हें उद्यमियों द्वारा ध्यान में रखा जाना चाहिए।

SAVEK 5 अक्षर शब्द था जिसे हमने उसके 5 दिनों के सत्र के दौरान खोजा था जहाँ प्रत्येक अक्षर का महत्व और अर्थ स्टार्टअप के लिए प्रासंगिक था।

- **स्वधर्म (स):** हम सब इस पृथ्वी पर एक मिशन पर हैं। हमारे जीवन का एक अर्थ है। हमें यह जानने की जरूरत है कि हमारा कर्तव्य क्या है और इसके प्रति हमें सच्चा रहना चाहिए। यह हमारे स्टार्टअप में भी परिलक्षित होना चाहिए।
- **अतिथी (अ):** हमें अपने ग्राहकों / उपभोक्ताओं / खरीदारों आदि को भगवान के बराबर मानना चाहिए और उनके साथ उसी मूल्य, सम्मान और भक्ति के साथ व्यवहार करना चाहिए।
- **व्यवहार (व):** हमारे विचार कैसे नवाचार की ओर ले जाते हैं? समाधान देकर शांति कायम करने और मदद के लिए कार्रवाई करने का हमारा व्यवहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **एकलव्य (ई):** हर उद्यमी एकलव्य की तरह होना चाहिए और अपने स्टार्टअप को सफल बनाने के लिए बिना किसी मार्गदर्शन के नई चीजें सीखना चाहिए। जब सीखने की बात आती है तो कोई बाधा नहीं होती है। बाधाएं तब आती हैं जब हम अपने मन में बाधा डालते हैं।
- **कथा (क):** कहानियां न केवल भावनाओं को व्यक्त करने बल्कि सीखने का एक शानदार तरीका है। विभिन्न धर्म, संस्कृति और देश अपने इतिहास को समृद्ध करने के लिए कहानियों का उपयोग करते हैं। हमें अपने अतीत की विफलताओं और सफलताओं से सीखना चाहिए और तदनुसार वर्तमान के लिए नवाचार करना चाहिए।

Savek क्या मतलब है? श्री कंचन ने यह भी उद्धृत किया कि "हमें समय-समय पर अपने परिप्रेक्ष्य को स्थानांतरित करने की आवश्यकता है और बॉक्स से बाहर सोचना चाहिए"। **SAVEK = SEVAK (सेवक)**। न केवल आपके व्यवसाय से, बल्कि दिल से भी अच्छे सेवक बनें। अपने राष्ट्र, परिवार और अपने ग्राहकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। अद्वितीय बनें और अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाएं।





Sone ki Chidiya

Mr. Mahesh Jadhav from Houston, Texas took the Sone ki Chidiya morning sessions where he inspired the yatris by connecting the rich history of India with the current times. He challenged everyone to think about ways of using this knowledge in our enterprising endeavours so that India could regain its status of 'Sone ki Chidiya'. The sessions were made up of interesting revelations of Indian history, often connected with American, Roman and Egyptian histories, followed by a quiz at the end to test the yatris' knowledge and understanding. There were six sessions in total and covered the following major ideas:

1. Global Demand for Indian products 2000 years ago, explained through the ivory statue of Goddess Lakshmi found in Pompeii, Italy in 1938.
2. The importance of rural Enterprise, famous ports and cities of ancient India, described by the trading routes of India with Romans and Egyptians more than 2000 years ago beginning at the port Barygaza, the modern-day Bharuch.
3. Understanding foreign markets and competition for success in the global markets was emphasized by the story of Vasco da Gama's gift to the local Zamorin when he landed at Calicut after an 11-month journey in May 1498, which were feather hats, wash basin and honey.
4. The idea that a fast-follower strategy of product improvisation is better than invention was explained by the rocket technology which the British learnt from Tipu Sultan's army.
5. World-class winners ask the right questions and fail-fast to achieve greatness. This was explained by quizzing the yatris on Dr. C.V Raman's research on Indian percussion instruments, especially Mridangam and Tabla, which he believed were superior to western drums because of their unique shape and tension equalizers.
6. Branding and Film Promotion by the French Jewellers and India's royal heritage. This session discussed the \$150 Million necklace worn by Anne Hathaway in the movie "Oceans 8" was made by Cartier, a French luxury jeweler which was a replica of the original necklace that Jacques Cartier had specially designed and made for the Maharaja of Nawanagar.



सोने की चिड़िया: उद्यम के माध्यम से भारत को अपने अतीत के गौरव में वापस लाना

ह्यूस्टन, टेक्सास के श्री महेश जाधव ने सोने की चिड़िया सुबह के सत्र में भारत के समृद्ध इतिहास को वर्तमान समय के साथ जोड़कर यात्रियों को प्रेरित किया। उन्होंने सभी को चुनौती दी कि वे इस ज्ञान को हमारे उद्यमशील प्रयासों में उपयोग करने के तरीकों के बारे में सोचें ताकि भारत 'सोने की चिड़िया' का दर्जा फिर हासिल कर सके। सत्र भारतीय इतिहास के दिलचस्प खुलासे से बने थे, जो अक्सर अमेरिकी, रोमन और मिस्र के इतिहास से जुड़े होते थे, जिसके बाद यात्रियों के ज्ञान और समझ का परीक्षण करने के लिए अंत में एक प्रश्नोत्तरी होती थी। कुल छह सत्र थे और निम्नलिखित प्रमुख विचारों को कवर किया गया था:

1. 2000 साल पहले भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग, 1938 में इटली के पोम्पेई में मिली देवी लक्ष्मी की हाथीदांत प्रतिमा के माध्यम से समझाई गई थी।
2. ग्रामीण उद्यम, प्राचीन भारत के प्रसिद्ध बंदरगाहों और शहरों का महत्व - 2000 से अधिक वर्षों पहले रोमियों और मिस्र के साथ भारत के व्यापारिक मार्गों द्वारा वर्णित बंदरगाह बरीगाज़ा, आधुनिक भरूच में शुरू हुआ।
3. वैश्विक बाजारों में सफलता के लिए विदेशी बाजारों को समझना और प्रतिस्पर्धा पर वास्को दा गामा के मई 1498 में 11 महीने की यात्रा के बाद कालीकट आगमन पर स्थानीय ज़मोरिन को दिए उपहार, जो पंख टोपी, वॉश बेसिन और शहद थे, की कहानी पर जोर दिया गया।
4. यह विचार कि उत्पाद आशुचना की एक तेज अनुयायी रणनीति आविष्कार से बेहतर है, रॉकेट तकनीक द्वारा समझाया गया था जिसे अंग्रेजों ने टीपू सुल्तान की सेना से सीखा था।
5. विश्व स्तरीय विजेता सही सवाल पूछते हैं और महानता प्राप्त करने के लिए तेजी से असफल होते हैं। यह भारतीय आघाती उपकरणों, विशेष रूप से मृदंगम और तबला, जो उनका मानना था कि उनके अद्वितीय आकार और तनाव समानता के कारण पश्चिमी ड्रम से बेहतर थे, पर डॉ. सीवी रमन के शोध पर यात्रियों से पूछताछ करके समझाया गया था।
6. फ्रेंच ज्वैलर्स और भारत की शाही विरासत द्वारा ब्रांडिंग और फिल्म प्रमोशन। इस सत्र में फिल्म "ओशन 8" में ऐनी हैथवे द्वारा पहने गए \$ 150 मिलियन के हार पर चर्चा की गई, जो एक फ्रांसीसी लक्जरी आभूषण विक्रेता कार्टियर द्वारा बनाई गई थी, जो मूल हार की प्रतिकृति थी जिसे जैक्स कार्टियर ने विशेष रूप से डिजाइन किया था और नवानगर के महाराजा के लिए बनाया था।



Makarand R. Paranjape

“Institution building is very critical” - believes the director of the Indian Institute of Advanced Sciences, Makaranda Paranjape, who has authored the book ‘Swami Vivekananda: Hinduism and India’s Road to Modernity’. In a conversation with Mr. Shashank Mani, he compared the Jagriti Yatra to Swami Vivekananda’s life as a parivrajak. He went on to elucidate that the key themes of Jagriti Yatra deeply resonated with Swamiji’s own mission, with importance given to youth and women. Quoting Swami Vivekananda’s famous saying that playing football can get someone nearer to self-realization than reading the Gita, he explored another of Swami Vivekananda’s favourite statements from the Kathopanishad: ‘Uttisthata Jagrata Prapya Varaannibodhata,’ which means “Arise, awake, and stop not till the goal is reached”.

He quoted many interesting thoughts and anecdotes from Swamiji’s life, including one letter which Swami Vivekananda wrote to his brother disciple in March 1894 where he revisited the time when he was in Kanyakumari and saw a new vision of India. Here he wrote that a country where millions of people live on the flowers of the mahua plant and so called Brahmins sucked their blood, he questioned if that qualified the country as a hell, and a religion as the dance of the devil. He mentioned to his brother that there is one thing he wanted his brother to understand based on his travels all over India, which was whether there could be an effect without a cause and punishment without sin, quoting Vyasa as “Sarva Shastra Puraneshu Vyasasya Vachanam Dhruvam. Paropakarah punyaya papaya parapeedanam’, which means, serving others is a good deed, and hurting others is a sin. He said that Swamiji’s mission was to raise the consciousness of Indians.

kanyakumari



मकरन्द परांजपे

भारतीय उन्नत विज्ञान संस्थान के निदेशक और “स्वामी विवेकानंद: हिंदू धर्म और भारत की आधुनिकता की राह” के लेखक मकरंद परांजपे का मानना है “संस्था निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है”। श्री शशांक मणि के साथ बातचीत में, उन्होंने जागृति यात्रा की तुलना स्वामी विवेकानंद के जीवन से एक परिवार के रूप में की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जागृति यात्रा के प्रमुख विषय स्वामीजी के अपने मिशन के साथ गहराई से गूंजते हैं, जिसमें युवाओं और महिलाओं को महत्व दिया जाता है। स्वामी विवेकानंद के इस प्रसिद्ध कथन का उल्लेख करते हुए कि फुटबॉल खेलने से कोई गीता पढ़ने से ज्यादा आत्म-साक्षात्कार के करीब पहुंच सकता है, उन्होंने कथोपनिषद से स्वामी विवेकानंद के पसंदीदा कथनों में से एक और बात का उल्लेख किया: ‘उतिष्ठत, जाग्रत, प्राप्य वरान्निबोधत।,’ जिसका अर्थ है “उठो, जागो, और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते”।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद द्वारा मार्च 1894 में अपने भाई शिष्य को लिखे गए एक पत्र सहित स्वामीजी के जीवन के कई दिलचस्प विचार और उपाख्यानो का हवाला दिया, जहां उन्होंने उस समय का पुनरीक्षण किया जब वह कन्याकुमारी में थे और भारत का एक नया दृष्टिकोण देखा था। यहां उन्होंने लिखा कि एक देश जहां लाखों लोग महुआ पौधे के फूलों पर रहते हैं और तथाकथित ब्राह्मण उनका खून चूसते हैं, क्या इसने देश को एक नरक के रूप में योग्य बनाया, और एक धर्म को शैतान के नृत्य के रूप में। उन्होंने अपने भाई से कहा कि एक चीज है जिसे वह चाहते थे कि उनका भाई पूरे भारत में उनकी यात्रा के आधार पर पूरी तरह से समझ ले, कि क्या बिना कारण के प्रभाव हो सकता है और बिना पाप के दंड? व्यास को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा “सर्वशास्त्रपुराणेषु व्यासस्य वचनं ध्रुवम्। परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्” जिसका अर्थ है, दूसरों की सेवा करना एक अच्छा काम है, और दूसरों को चोट पहुंचाना एक पाप है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का मिशन भारतीयों की चेतना को बढ़ाना था।

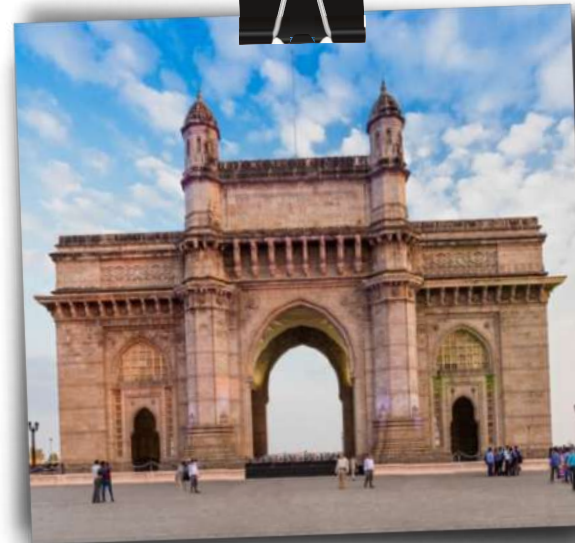


Dec



Role Model Session 1

मुंबई डब्बावाला



Mumbai

Today a food delivery service that functions without the use of technology is unimaginable. However, Mumbai's Dabbawalas do just this while delivering 2 lakh home-cooked meals every day to people at work on time in under 4 hours, having shown uncompromising consistency for the past 130 years through an intricate yet tech-free system of about 2.4 million manual movements in transit to execute this mammoth task.

Office-going Mumbaikars couldn't carry lunch boxes in the bustling local trains. This was the laser-focused problem statement, and the Dabbawalas provided a definitive solution for it, with the over 5000 people on the organization's rolls, most without a formal education, using the famous local trains of Mumbai and bicycles over the last mile. A special alphanumeric coding system is used to identify the dabbas (tiffin boxes), which signals their location and the Dabbawala who would handle that delivery. Case studies by prestigious institutions like Harvard Business School have illustrated how efficient this system is, and it has received various certifications like the Six Sigma.

आज एक खाद्य वितरण सेवा प्रौद्योगिकी के उपयोग के बिना अकल्पनीय है। हालांकि, मुंबई के डब्बावाला 4 घंटे से कम समय में काम पर लोगों को हर दिन 2 लाख घर में पकाया भोजन वितरित करते हुए ऐसा करते हैं, पिछले 130 वर्षों से इस विशाल कार्य को निष्पादित करने के लिए पारगमन में लगभग 2.4 मिलियन मैनुअल आंदोलनों की एक जटिल लेकिन तकनीक मुक्त प्रणाली के माध्यम से असम्बद्ध स्थिरता दिखाते हैं।

ऑफिस जाने वाली मुंबई की लोकल ट्रेनों में लंच बॉक्स नहीं ले जा सकते - यह लेजर केंद्रित समस्या बयान था, और Dabbawalas ने 5000 से अधिक लोगों (जिनमें से अधिकांश औपचारिक शिक्षा के बिना हैं) के साथ, मुंबई की प्रसिद्ध लोकल ट्रेनों और आखिरी मील में साइकिल का उपयोग कर, इसके लिए एक निश्चित समाधान प्रदान किया। डब्बों (टिफिन बक्से) की पहचान करने के लिए एक विशेष अल्फ़ान्यूमेरिक कोडिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जो उनके स्थान और डब्बावाला को संकेत देता है जो उस डिलीवरी को संभालेगा। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा किए गए केस स्टडीज ने यह दर्शाया है कि यह प्रणाली कितनी कुशल है, और इसे सिक्स सिग्मा जैसे विभिन्न प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं।



27 Dec



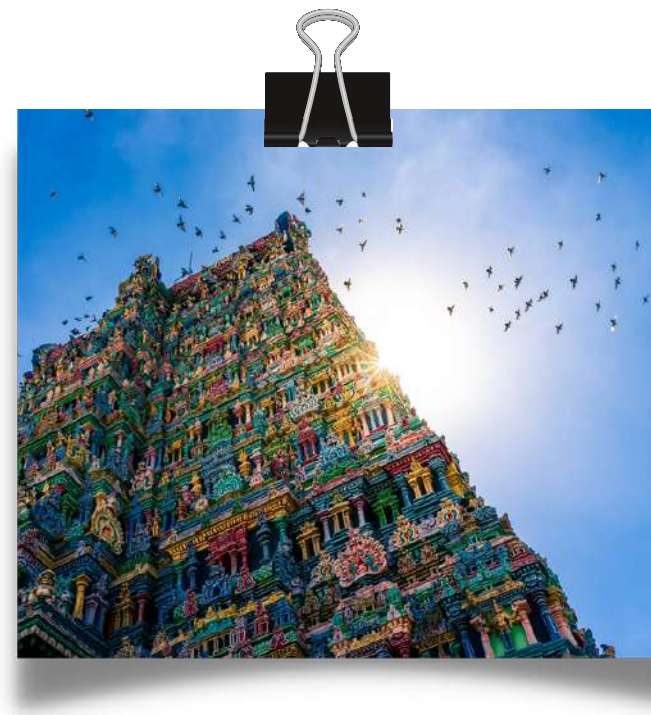
Role Model Session 2

विजन फैक्टरी: अरविंद आई केयर

Aravind Eye Care, started in Madurai from the vision by G Venkataswamy 44 years ago of "eliminating needless blindness," has performed 4 million treatments and 4 lakh operations at a fraction of the cost elsewhere, providing free and subsidized eye care to 47% of patients through cross-subsidization - where the paying patients also pay for two free/ highly subsidized patients.

They have stood out for the value system it operates with while also having been dynamic to evolve with the times, demonstrated when they started manufacturing Intraocular lenses in-house to reduce costs of procuring them.

In his closing remarks, Dr Aravind, the nephew of G Venkataswamy and the current Director at Aravind Eye Care, asked all the Yatri's to start with building something small and steady and not run behind volume and speed immediately, focusing instead on endurance, self-sustenance and quality. He also mentioned that without a track record, it's difficult for people to trust any enterprise. The lack of trust is something we must take positively, for it is this skepticism that keeps us rooted to our cause.



 **Madurai**

अरविंद आई केयर, जो मदुरै में जी वेंकटस्वामी द्वारा 44 साल पहले "अनावश्यक अंधापन को समाप्त करने" की दृष्टि से शुरू किया गया था, ने 4 मिलियन उपचार और 4 लाख संचालन कहीं और लगने वाली लागत के एक अंश पर किया है। वे 47% रोगियों को मुफ्त और रियायती नेत्र देखभाल प्रदान करते हैं क्रॉस-सब्सिडी के माध्यम से - जहां भुगतान करने वाले रोगी दो अन्य मुफ्त / अत्यधिक सब्सिडी वाले रोगियों के लिए भुगतान करते हैं। उनकी मूल्य प्रणाली शानदार है, जबकि समय के साथ विकसित होने के लिए गतिशील भी रहे हैं, जैसे उन्होंने खरीदने की लागत को कम करने के लिए घर में इंटराओकुलर लेंस का निर्माण शुरू किया। अपने समापन भाषण में जी वेंकटस्वामी के भतीजे और अरविंद आई केयर के वर्तमान निदेशक डॉ. अरविंद ने सभी यात्रियों को कुछ छोटा और स्थिर बनाने के साथ शुरू करने और धीरज, आत्म-निर्वाह और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए तुरंत मात्रा और गति के पीछे नहीं भागने के लिए कहा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ट्रैक रिकॉर्ड के बिना, लोगों के लिए किसी भी उद्यम पर भरोसा करना मुश्किल है। विश्वास की कमी एक ऐसी चीज है जिसे हमें सकारात्मक रूप से लेना चाहिए, क्योंकि यह संदेह है जो हमें हमारे कारण से जुड़ा हुआ रखता है।



28 Dec



Role Model Session 3



Harish Hande



 **Bengaluru**

दुनिया को रोशन करना: सेल्को

The World Bank said solar energy may not help the poor of India, but SELCO addressed this doubt by successfully adopting a business model that many countries are still trying to replicate.

Ramon Magsaysay awardee founder Harish Hande said that just by providing light, they are trying to build a nurturing ecosystem for underserved communities, prompting that light could be a currency for change. With a belief that an enterprise is as much a part of society as the society is a part of enterprise, his message was that good finance in the not-for-profit sector can actually achieve the same results as a for profit organization as long as when you sell services to the poor the entire ecosystem is right. He added that too much centralization leads to killing of aspirations of millions, and suggested that a democratic ecosystem be created using sustainable energy to decentralize everything else so that kids in rural areas get the same opportunity as those in urban areas? SELCO was built on the premise of decentralizing services to remove poverty and democratize thought processes, promoting entrepreneurs and innovators from non-inclusive classes.

विश्व बैंक ने कहा कि सौर ऊर्जा भारत के गरीबों की मदद नहीं कर सकती है, लेकिन सेल्को ने एक व्यावसायिक मॉडल को सफलतापूर्वक अपनाकर इस संदेह को संबोधित किया जिसे कई देश अभी भी दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता संस्थापक हरीश हांडे ने कहा कि सिर्फ प्रकाश प्रदान करके, वे वंचित समुदायों के लिए एक पोषण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि प्रकाश परिवर्तन के लिए एक मुद्रा हो सकता है। इस विश्वास के साथ कि एक उद्यम समाज का उतना ही हिस्सा है जितना समाज उद्यम का एक हिस्सा है, उनका संदेश यह था कि गैर-लाभकारी क्षेत्र में अच्छा वित्त वास्तव में लाभ संगठन के जैसा ही परिणाम प्राप्त कर सकता है - जब तक आप गरीबों को सेवाएं बेचते हैं तो पूरा पारिस्थितिकी तंत्र सही है। उन्होंने कहा कि बहुत अधिक केंद्रीयकरण से लाखों लोगों की आकांक्षाओं की हत्या होती है, और सुझाव दिया कि एक लोकतांत्रिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण टिकाऊ ऊर्जा का उपयोग करके किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को शहरी क्षेत्रों में समान अवसर मिल सके। SELCO गरीबी हटाने और विचार प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक करने, उद्यमियों और गैर-समावेशी वर्गों से नवान्वेषकों को बढ़ावा देने के लिए सेवाओं के विकेंद्रीकरण के आधार पर बनाया गया था।



Dec



Role Model Session 4

डॉ. चिदंबरम (इसरो) सतत विकास और ज्ञान-अर्थव्यवस्था का निर्माण

Exuding knowledge, experience, wisdom and a deep sense of nationalism, Dr. Chidambaram took everyone on a virtual journey to ISRO in Sriharikota where space dreams turn to reality. The session focused on the country's scientific temper and advancement in sustainable development and creating a knowledge economy.

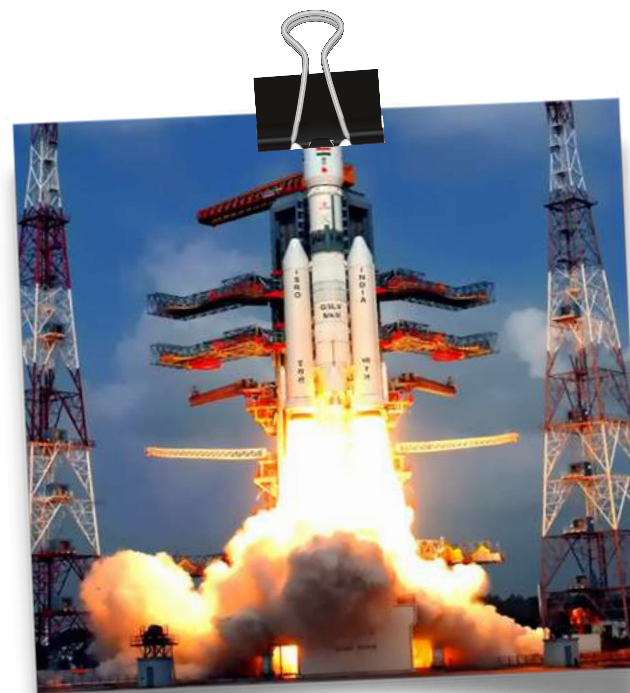
Dr. Chidambaram enlightened yatriis on the various ways space and nuclear technologies touch everyone's lives, with communication satellite networks also making it possible to stay virtually connected during the ongoing pandemic and the applications of these technologies extending regularly in agriculture, disaster management, search & rescue operations, weather forecasting, diagnosis and treatment of cancer and several other diseases, etc.

According to Dr. Chidambaram, sustainable development should be defined as "development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs." To aid this goal, he focused on the usage of the low carbon energy technologies.

Drawing examples from the lives of great leaders & thinkers, he emphasized the importance of self-belief, character, risk-taking, and passion for working to achieve dreams, also highlighting the importance of democratization of knowledge by making citizens of the country empowered. One of his most memorable observations was "When a team completes a project with a great leader, every member of the team feels that he/she did it. And that makes all the difference!"



Dr. Chidambaram



Sriharikota

ज्ञान, अनुभव, और गहरी राष्ट्रवाद की भावना के साथ, डॉ. चिदंबरम ने सभी को श्रीहरिकोटा में इसरो की एक आभासी यात्रा पर ले लिया जहां अंतरिक्ष सपने वास्तविकता की ओर मुड़ते हैं। सत्र में देश के वैज्ञानिक स्वभाव और सतत विकास में प्रगति और ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. चिदंबरम ने अंतरिक्ष और परमाणु प्रौद्योगिकियों के विभिन्न तरीकों से हर किसी के जीवन को छूने के लिए यात्रियों को प्रबुद्ध किया! संचार उपग्रह नेटवर्क के साथ चल रही महामारी के दौरान वर्चुअल रूप से जुड़े रहना संभव हो गया है और इन प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग कृषि, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव कार्यों, मौसम पूर्वानुमान, कैंसर के निदान और उपचार और कई अन्य बीमारियों आदि में नियमित रूप से विस्तारित हैं।

डॉ. चिदंबरम के अनुसार, सतत विकास को " ऐसे विकास के रूप में परिभाषित किया जाना चाहिए जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।" इस लक्ष्य की सहायता के लिए, उन्होंने कम कार्बन ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया।

महान नेताओं और विचारकों के जीवन से उदाहरण लेते हुए, उन्होंने सपनों को प्राप्त करने के लिए काम करने के लिए आत्म-विश्वास, चरित्र, जोखिम लेने और जुनून के महत्व पर जोर दिया, साथ ही देश के नागरिकों को सशक्त बनाकर ज्ञान के लोकतंत्रीकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उनकी सबसे यादगार टिप्पणियों में से एक थी "जब एक टीम एक महान नेता के साथ एक परियोजना को पूरा करती है, तो टीम के प्रत्येक सदस्य को लगता है कि उसने ऐसा किया है। और इससे बहुत फ़र्क पड़ता है!"



30 Dec



Role Model Session 5 कभी न खत्म होने वाले खाद्य प्रदाता: अक्षय पात्र

We become what we eat, that's why sustainable farming – Ijaz
I will make India corruption-free – Aishwarya
My father is a superhero, I only want to help him - Shravani
A bowl of 'Payasam' is like a luxury for them – Leelavati
The numerous awards that now decorate the school office are a testimony to this - Ismail Malik

These are a few of the many thought-provoking quotes by students and teachers who have benefited from Akshaya Patra's mid-day meal program. Since the year 2000, Akshaya Patra has focused its efforts on providing fresh & healthy meals to school children every school day, manifesting the belief that a full stomach allows the intellect to take big leaps. When narrating Akshaya Patra's progress, Shridhar Venkat, the CEO, remarked, "We should deliver what is acceptable and palatable to our beneficiaries." He further stated that if he were to characterize Akshaya Patra as a person, she'd have the mind of a corporate and the heart of a non-profit.

With the foundation having used technology to serve a huge number of hot & nutritious meals needed remotely across the nation, the key reasons indicated for Akshaya Patra's success were the relentless focus on applying economical innovations to scale up, and a denominator mentality and lateral hiring mindset.



Sridhar Venkat



Vishakhapatnam

हम वो बन जाते हैं जो हम खाते हैं, इसीलिए स्थायी खेती - एजाज
मैं भारत को भ्रष्टाचार मुक्त कर दूंगा - ऐश्वर्या
मेरे पिता सुपर हीरो हैं, मैं केवल उनकी मदद करना चाहता हूँ - श्रावणी
'पायसम' का एक कटोरा उनके लिए एक विलासिता की तरह है - लीलावती
अनेक पुरस्कार जो अब स्कूल के दफ्तर को सजाते हैं इस बात का प्रमाण हैं -
इस्माइल मलिक

ये अक्षय पात्र के मिड-डे मील कार्यक्रम से लाभान्वित होने वाले छात्रों और शिक्षकों द्वारा कई विचार-उत्तेजक उद्धरणों में से कुछ हैं। वर्ष 2000 के बाद से अक्षय पात्र ने हर स्कूल के दिन स्कूली बच्चों को ताजा और स्वस्थ भोजन प्रदान करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है, इस विश्वास को प्रकट करते हुए कि एक पूर्ण पेट बुद्धि को बड़ी छलांग लगाने की अनुमति देता है। अक्षय पात्र की प्रगति के बारे में बताते हुए, सीईओ श्रीधर वेंकट ने टिप्पणी की, "हमें अपने लाभार्थियों को वही देना चाहिए जो स्वीकार्य और स्वादिष्ट हो।" उन्होंने आगे कहा कि यदि वह अक्षय पात्र को एक व्यक्ति के रूप में चिह्नित करना चाहते हैं, तो उनके पास एक कॉर्पोरेट और गैर-लाभकारी का दिल होगा। देश भर में दूरस्थ रूप से आवश्यक गर्म और पौष्टिक भोजन की सेवा करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की नींव के साथ, अक्षय पात्र की सफलता के प्रमुख कारण थे, किफायती नवाचारों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना, और एक संप्रदाय और पार्श्व भर्ती मानसिकता।



Dec

**Gram
Vikas** 

Role Model Session 6

जमीनी स्तर पर काम करना: ग्राम विकास

The southern part of Odisha needs rural development in which education, health, rural power, livelihood, food safety, and local environment play a very important role. And it needed a local solution.

Recipient of many prestigious national and international awards, Joe Madiath, the founder of Gram Vikas, has been conscious of social inequality since his childhood, recounting how in 1971 he led a group of volunteers to start relief work for the people of cyclone ravaged Odisha. They continued to try to restore livelihoods by installing agricultural irrigation improvements and eventually started addressing areas of immediate concern like sanitation, ill-health, and illiteracy, which led to the birth of Gram Vikas in 1979. Since then, Gram Vikas has worked relentlessly to empower rural communities by directly engaging with them and assuring the participation of all community households for their projects.

Liby Johnson, CEO of Gram Vikas, said that over the years of working in rural Odisha they have realized how digital solutions are insufficient, with a requirement for actual solutions on the ground. He walked through all the work Gram Vikas has been doing, like in the 80s when they worked on biogas and later in the 90s on human waste management to prevent water-borne diseases, also describing how they partner with the rural population for inputs on current needs.



Joe Madiath



ओडिशा के दक्षिणी हिस्से को ग्रामीण विकास की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण शक्ति, आजीविका, खाद्य सुरक्षा और स्थानीय पर्यावरण सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। और इसका स्थानीय समाधान होना चाहिए था।

कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, ग्राम विकास के संस्थापक जो मदियाथ, बचपन से ही सामाजिक असमानता के प्रति सचेत रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे 1971 में उन्होंने स्वयंसेवकों के एक समूह का नेतृत्व किया था, जिन्होंने चक्रवात से तबाह ओडिशा के लोगों के लिए राहत कार्य शुरू किया था। उन्होंने कृषि सिंचाई सुधार स्थापित करके आजीविका को बहाल करने की कोशिश जारी रखी और अंततः स्वच्छता, अस्वस्थता और अशिक्षा जैसे तत्काल चिंता के क्षेत्रों को संबोधित करना शुरू कर दिया, जिसके कारण 1979 में ग्राम विकास का जन्म हुआ। तब से ग्राम विकास ने ग्रामीण समुदायों को उनके साथ सीधे जुड़ने और उनकी परियोजनाओं के लिए सभी सामुदायिक परिवारों की भागीदारी का आश्वासन देकर सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास किया है।

ग्राम विकास के सीईओ लिबी जॉनसन ने कहा कि ग्रामीण ओडिशा में काम करने के वर्षों में उन्होंने महसूस किया है कि डिजिटल समाधान अपर्याप्त हैं, जिसमें जमीन पर वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। वह ग्राम विकास के सभी कार्यों से गुजरे, जैसे 80 के दशक में जब उन्होंने बायोगैस पर काम किया और बाद में 90 के दशक में मानव अपशिष्ट प्रबंधन पर जल जनित रोगों को रोकने के लिए। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वे वर्तमान जरूरतों पर इनपुट के लिए ग्रामीण आबादी के साथ कैसे भागीदारी करते हैं।



05 Jan

Role Model Session 7

गूज..
GOONJ.. a voice, an effort

The Recycling Revolution: Goonj

When you want to start a revolution, start with enabling innovation through change-agents. Consumerism among urbanites leads to a lot of urban discard & waste, which when rightly used could become a gold mine to address several needs of the underprivileged population. Goonj has successfully created a circular economy in India, guaranteeing maximum reuse of each material. Founded by Anshu Gupta who is popularly known as the 'Clothing Man,' Goonj offers a sustainable economic model for eliminating poverty and related issues. Recipient of many prestigious national and international awards, Anshu Gupta spoke to the Yatris about Goonj and its many initiatives. Some of the highlights of Anshu Gupta's inspiring talk with Yatris, which focused on a people-driven movement particularly for the service of millions who migrate in search of work and are able to accumulate almost nothing:

- We need to instill a behavioral change through the opportunities of giving something we don't need anymore, which is not donation.
- Disasters are an opportunity to understand the needs of the community better and empower them to build better using local skills and materials.
- Labour, skills and wisdom are all currencies in their own way, and money is not the only one; the GDP for Goonj is Giving, Development and People.
- Clothes lend dignity more than just a protective cover, and it is time we change our lenses to value people for their worth and not their wardrobe.



Anshu Gupta



Delhi

जब आप एक क्रांति शुरू करना चाहते हैं, तो परिवर्तन एजेंटों के माध्यम से नवाचार को सक्षम करने के साथ शुरू करें। शहरियों के बीच उपभोक्तावाद बहुत सारे शहरी त्याग और कचरे को जन्म देता है, जो सही तरीके से उपयोग किए जाने पर वंचित आबादी की कई जरूरतों को संबोधित करने के लिए एक सोने की खान बन सकती है।

गूज ने भारत में प्रत्येक सामग्री के अधिकतम पुनः उपयोग की गारंटी देते हुए एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। अंशु गुप्ता द्वारा स्थापित, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'क्लोथिंग मैन' के रूप में जाना जाता है, गूज गरीबी और संबंधित मुद्दों को खत्म करने के लिए एक स्थायी आर्थिक मॉडल प्रदान करता है। कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, अंशु गुप्ता ने गूज और इसकी कई पहलों के बारे में यत्रियों से बात की। अंशु गुप्ता के यत्रियों के साथ प्रेरणादायक बातचीत के कुछ मुख्य आकर्षण, जो विशेष रूप से लाखों लोगों, जो काम की तलाश में पलायन करते हैं और लगभग कुछ भी जमा नहीं कर पाते हैं, की सेवा के लिए लोगों द्वारा संचालित आंदोलन पर केंद्रित थे:

-हमें कुछ ऐसा देने के अवसरों के माध्यम से एक व्यवहार परिवर्तन को उकसाना होगा जिसकी हमें अब आवश्यकता नहीं है, जो दान नहीं है।

-आपदाएं समुदाय की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और स्थानीय कौशल और सामग्रियों का उपयोग करके बेहतर निर्माण करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने का एक अवसर है।

-श्रम, कौशल और ज्ञान सभी अपने तरीके से मुद्राएं हैं, और पैसा एकमात्र नहीं है; गूज के लिए देना, विकास और लोग जीडीपी हैं।

-कपड़े केवल एक सुरक्षात्मक आवरण से अधिक गरिमा प्रदान करते हैं, और यह समय है कि हम अपने लेंस को बदलें ताकि लोगों को उनकी कीमत के लिए महत्व दिया जा सके, न कि उनके पहने वस्त्र के लिए।



Jan



barefoot college
INTERNATIONAL

Role Model Session 8

Rural communities in India always faced the challenge of informal rules, poor access to high quality institutions, and the elite setting up artificial blockades in the path of rural progress. Besides this, rural families also seemed unprepared to let female members travel far to build new skills, often spreading propaganda like that of women not returning to villages after getting trained on something new, which halted any progress women would seek.

A few women stood up to the propaganda however, with women from several villages in Bihar accepting the challenge and moving to Tilonia Rajasthan to upskill and turn entrepreneur, facing prejudices with an indomitable will and undying enthusiasm despite being mostly illiterate and with little certainty about their journey ahead. For what has literacy ever had anything to do with virtues like courage, truth and wisdom?

In six months, these women became Barefoot Solar Engineers and headed back home with an aim of eliminating darkness from their villages while courageously breaking the glass walls of patriarchy. They set up workshops to help hundreds of villagers each, earning recognition & respect & self-confidence, and smiling with content whenever others referred to them as 'Engineer Sahibs.'

For 40 years, Barefoot College has shown the power and impact of demystifying modern technologies into rural settings, focusing on improving the basic quality of life through water management (rainwater harvesting), basic lighting (solar electrification), livelihood development (handicrafts, health communications) and education (rural based, alternative education that includes indigenous skills and wisdom). The Barefoot Approach has spread to 93 countries over the past five years. And if there is one thing that Barefoot College has taught the world, it is the power of learning by doing.



Bunker Roy

Meagan Fallon



Tilonia

महिला शक्ति: बेयरफुट कॉलेज

भारत में ग्रामीण समुदायों को हमेशा अनौपचारिक नियमों, उच्च गुणवत्ता वाले संस्थानों तक खराब पहुंच और ग्रामीण प्रगति के मार्ग में कृत्रिम अवरोधक स्थापित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। इसके अलावा ग्रामीण परिवार भी महिला सदस्यों को नए कौशल का निर्माण करने के लिए दूर तक यात्रा करने देने के लिए तैयार नहीं थे; साथ ही इस तरह के प्रचार प्रसार ने कि अक्सर महिलाएं कुछ नया करने के लिए प्रशिक्षित होने के बाद गांवों में वापस नहीं आतीं, किसी भी प्रगति को रोक दिया।

हालांकि, कुछ महिलाएं प्रचार के खिलाफ उठ खड़ी हुईं, और बिहार के अनेक गांवों की महिलाओं ने अनपढ़ होने और बहुत कम निश्चितता के बावजूद चुनौती को स्वीकार किया और टिलोनिया राजस्थान में उद्यमी बनने के लिए असीम उत्साह और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ पूर्वाग्रहों का सामना किया। साक्षरता का साहस, सत्य और बुद्धि जैसे गुणों से कभी कोई लेना-देना नहीं है।

छह महीनों में, ये महिलाएं बेयरफुट सोलर इंजीनियर्स बन गईं और अपने गांवों से अंधेरे को खत्म करने के उद्देश्य से घर वापस चली गईं और साहसपूर्वक पितृसत्ता की कांच की दीवारों को तोड़ दिया। प्रत्येक ने सैकड़ों ग्रामीणों की मदद करने के लिए कार्यशालाओं की स्थापना की तथा मान्यता, आत्मविश्वास और 'इंजीनियर साहिब' के रूप सम्मान अर्जित किया।

40 वर्षों से बेयरफुट कॉलेज ने ग्रामीण सेटिंग्स में आधुनिक प्रौद्योगिकियों का शक्ति और प्रभाव दिखाया है जल प्रबंधन (वर्षा जल संचयन), बुनियादी प्रकाश (सौर विद्युतीकरण), आजीविका विकास (हस्तशिल्प, स्वास्थ्य संचार) और शिक्षा (ग्रामीण आधारित, वैकल्पिक शिक्षा जिसमें स्वदेशी कौशल और ज्ञान शामिल है) के माध्यम से जीवन की बुनियादी गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित रखते हुए। पिछले पांच वर्षों में बेयरफुट एप्रोच 93 देशों में फैल गया है। और अगर बेयरफुट कॉलेज ने दुनिया को कुछ सिखाया है, तो वह करके सीखने की शक्ति।



07 Jan

Role Model Session 9

Jayeshbhai Patel

Holding the Gandhian torch high

The last digital stop took us to Sabarmati Ashram Ahmedabad, from where the journey to build India was begun by the Father of our Nation - fondly known as Bapu and known globally as Mahatma Gandhi. The session featured the changemaker Jayeshbhai Patel who was born and brought up at the Gandhi Ashram, and is the son of Ishwar Patel who revolutionized sanitation in India by building 400 thousand toilets for impoverished communities.

Jayeshbhai educated people in rural areas about various aspects and the necessity of sanitation in India, further expanding to sectors like education, nutrition, women empowerment and employment to bring a holistic change in people's lives. Talking about his involvement in Harijan Sevak Sangh, Harijan Ashram Trust, Safai Vidyalaya and Manav Sadhna Sansthan, he commented that poverty is a vicious circle with filth at its focal point, and the task of cleaning therefore is a revolutionary one.

Jayeshbhai shared his views on how 'awakening' and 'knowledge' adds 'quality' to every action we perform in our day to day life, directing Yatri to build resolve and dedication so all work can evolve into sadhana (realization). He also emphasized on looking within to focusing on what is right rather than who is right, signing off by reinforcing that life is so beautiful and we all are blessed.



Jayeshbhai Patel



Ahmedabad

जयेशभाई पटेल - गांधीवादी मशाल को ऊंचा पकड़े

आखिरी डिजिटल स्टॉप हमें साबरमती आश्रम अहमदाबाद ले गया, जहां से भारत के निर्माण की यात्रा हमारे राष्ट्रपिता द्वारा शुरू की गई थी - जिसे बापू के नाम से जाना जाता था और जिसे विश्व स्तर पर महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता था। इस सत्र में परिवर्तन करने वाले जयेशभाई पटेल शामिल थे, जिनका जन्म गांधी आश्रम में हुआ था, और जो गरीब समुदायों के लिए 400 हजार शौचालयों का निर्माण करके भारत में स्वच्छता में क्रांति लाने वाले ईश्वर पटेल के बेटे हैं।

जयेशभाई ने ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भारत में विभिन्न पहलुओं और स्वच्छता की आवश्यकता के बारे में शिक्षित किया, लोगों के जीवन में समग्र परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा, पोषण, महिला सशक्तिकरण और रोजगार जैसे क्षेत्रों में और विस्तार किया। हरिजन सेवक संघ, हरिजन आश्रम ट्रस्ट, सफाई विद्यालय और मानव साधना संस्थान में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि गरीबी इसके केंद्र बिंदु पर गंदगी के साथ एक दुष्चक्र है, और इसलिए सफाई एक क्रांतिकारी कार्य है। जयेशभाई ने अपने विचार साझा किए कि कैसे 'जागृति' और 'ज्ञान' हमारे दैनिक जीवन में किए जाने वाले प्रत्येक कार्य को 'गुणवत्ता' से जोड़ता है, यात्रियों को संकल्प और समर्पण का निर्माण करने का निर्देश देता है ताकि सभी कार्य साधना (प्राप्ति) में विकसित हो सकें। उन्होंने यह भी देखने पर जोर दिया कि सही होने के बजाय कौन सही है। "जीवन बहुत सुंदर है और हम सभी धन्य हैं" उनकी समापन टिप्पणी थी।



Mr. Pradeep Lokhande: the Library Man of India

A dynamic & visionary social entrepreneur and founder of Rural Relations, Mr. Pradeep Lokhande the Library Man of India. Promoting the use of Information Technology in Rural areas, he started several impactful projects with the help of Non-Resident Villagers (NRV), Gyan-Key Library (3,640 libraries in rural secondary schools in 1,390 working days) and VillagewiKY (information about 43,033 villages in 481 days) which transform the lives of many. Addressing the yatri over Zoom did not dampen Mr. Lokhande's exuberance, with his brief talk lending an optimistic picture of rural India and highlighting facts and statistics that showed the possibilities and potential of rural landscape. E.g. There are 748 districts in India, with 65 lakh outlets in rural India. With Rs. 34,000 Cr being spent by CSR to build infrastructure in rural India, 5 lakh villages have all-season roads and 6 lakh villages have electricity today. India now has the largest elementary education system in the world, with 8.5 lakh women council members today having the opportunity to become a village sarpanch. Mr. Lokhande shared his thoughts on becoming a successful entrepreneur, pivoting on being accountable & answerable, and following up to address feedback. He also highlights the criticality of focusing on the real needs of people and not the perceived demand.



Ahmedabad



श्री प्रदीप लोखंडे भारतीय पुस्तकालय मैनेजर

एक गतिशील और दूरदर्शी सामाजिक उद्यमी और ग्रामीण संबंधों के संस्थापक, श्री प्रदीप लोखंडे, लाइब्रेरी मैनेजर ऑफ इंडिया। ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, उन्होंने अनिवासी ग्रामीणों (एनआरवी), ज्ञान-कुंजी पुस्तकालय (ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों में 1,390 कार्य दिवसों में 3,640 पुस्तकालय) और ग्रामविकेवाई (43,033 गांवों के बारे में जानकारी) की मदद से कई प्रभावशाली परियोजनाएं शुरू कीं सिर्फ 481 दिनों में जो कई लोगों के जीवन को बदल देता है। जूम पर यात्रियों को संबोधित करने से श्री लोखंडे का उत्साह कम नहीं हुआ, उनकी संक्षिप्त बातचीत ने ग्रामीण भारत की एक आशावादी तस्वीर पेश की और उन तथ्यों और आंकड़ों को उजागर किया जो ग्रामीण परिदृश्य की संभावनाओं और क्षमता को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में 748 जिले हैं, ग्रामीण भारत में 65 लाख आउटलेट हैं। ग्रामीण भारत में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सीएसआर द्वारा ₹ 34,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, 5 लाख गांवों में सभी मौसम की सड़कें हैं और 6 लाख गांवों में आज बिजली है। भारत में अब दुनिया की सबसे बड़ी प्राथमिक शिक्षा प्रणाली है, जिसमें आज 8.5 लाख महिला परिषद सदस्यों को ग्राम सरपंच बनने का अवसर है।

श्री लोखंडे ने एक सफल उद्यमी बनने, जवाबदेह और जवाबदेह होने पर ध्यान केंद्रित करने और फीडबैक को फॉलो करने के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने लोगों की वास्तविक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने की महत्वपूर्णता पर भी प्रकाश डाला, न कि कथित मांग पर।



Dr. Vikram Sampath Author and Historian

Dr Vikram Sampath is a Bangalore-based historian who has authored six critically-acclaimed non-fiction books. His two-volume biography on Veer Savarkar has been the National Bestseller. A Fellow of the Royal Historical Society, an Eisenhower and Aspen Global Fellow and a Senior Research Fellow at NMML, Dr Sampath is the recipient of several awards such as the Sahitya Akademi's first Yuva Puraskar for English literature and the ARSC Award for Excellence in Historical Research in Music.

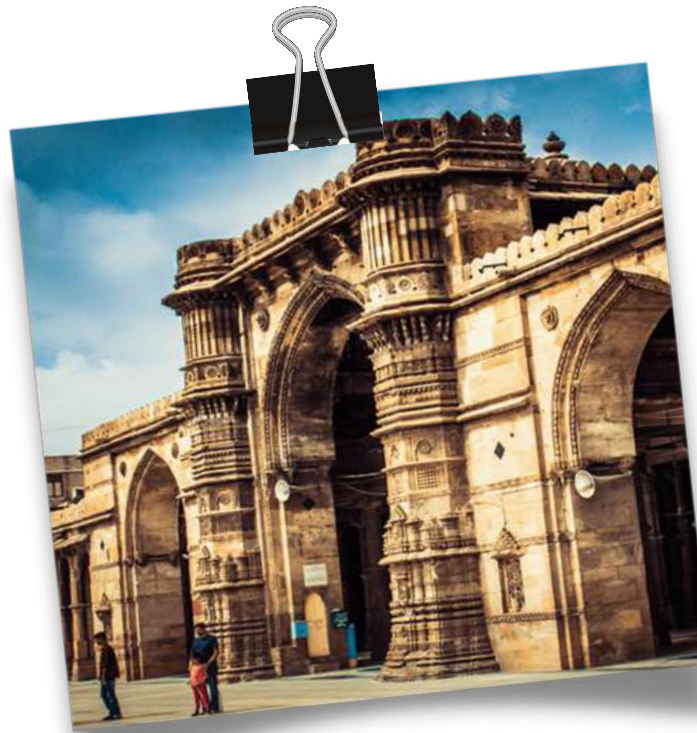
Working in various corporate houses, It was serendipity that drew him towards history. He recalls how a very famous serial on Doordarshan - 'Sword of Tipu Sultan' by Sanjay Khan piqued his interest. It was on an impulse that Vikram decided to seek out the truth behind the Wodeyar History. His passion and fascination towards research continued for ten years which resulted in the creation of his first book 'The Splendors of Royal Mysore - The Untold Story of Wodeyar'.

He is very passionate about changing the historical narrative from the western perspective to regional history. He explains how we Indians have unfortunately not reclaimed our past like we should have even after 75 years of independence. We have adhered faithfully to our colonial masters and there has been a derecognition of India's traditional ways of looking at the past, feeling a constant sense of apologia, not having basic pride about our own nation and its diverse culture and civilization.

His charismatic persona encourages historians and authors to write more about regional history, publish various books in a year rather than having one book in four years.



Ahmedabad



डॉ विक्रम संपत लेखक एवं इतिहासकार

डॉ. विक्रम संपत बेंगलूर के एक इतिहासकार हैं, जिन्होंने समीक्षकों द्वारा प्रशंसित छह गैर-फिक्शन किताबें लिखी हैं। वीर सावरकर पर उनकी दो खंडों की जीवनी राष्ट्रीय बेस्टसेलर रही है। रॉयल हिस्टोरिकल सोसाइटी के फेलो, आइजनहावर और एस्पेन ग्लोबल फेलो और एनएमएमएल में सीनियर रिसर्च फेलो, डॉ संपत अंग्रेजी साहित्य के लिए साहित्य अकादमी के पहले युवा पुरस्कार और संगीत में उत्कृष्ट ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए एआरएससी अवार्ड जैसे कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं।

विभिन्न कॉर्पोरेट घरानों में काम करते हुए, वह अकस्मात ही इतिहास की ओर आकर्षित हुए। वह याद करते हैं कि कैसे संजय खान द्वारा दूरदर्शन पर एक बहुत प्रसिद्ध धारावाहिक - 'टीपू सुल्तान की तलवार' ने उनकी रुचि को बढ़ाया। यह एक आवेग पर था कि विक्रम ने वोडेयार इतिहास के पीछे की सच्चाई की तलाश करने का फैसला किया। शोध के प्रति उनका जुनून और आकर्षण दस वर्षों तक जारी रहा जिसके परिणामस्वरूप उनकी पहली पुस्तक 'द स्प्लेंडर्स ऑफ रॉयल मैसूर - द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ वोडेयार' का जन्म हुआ।

वह ऐतिहासिक आख्यान को पश्चिमी दृष्टिकोण से क्षेत्रीय इतिहास में बदलने के लिए बहुत भावुक हैं। वह बताते हैं कि कैसे हम भारतीयों ने दुर्भाग्य से अपने अतीत को फिर से हासिल नहीं किया है जैसा कि हमें आजादी के 75 साल बाद होना चाहिए था। हमने अपने औपनिवेशिक स्वामियों का ईमानदारी से पालन किया है और अतीत को देखने के भारत के पारंपरिक तरीकों की मान्यता समाप्त हो गई है, माफी की निरंतर भावना है और हमारे अपने राष्ट्र और इसकी विविध संस्कृति और सभ्यता के बारे में बुनियादी गर्व नहीं है।

उनका करिश्माई व्यक्तित्व इतिहासकारों और लेखकों को क्षेत्रीय इतिहास के बारे में अधिक लिखने और चार वर्षों में एक पुस्तक के बजाय एक वर्ष में विभिन्न पुस्तकें प्रकाशित के लिए प्रोत्साहित करता है।



JAGRITI

DIGITAL YATRA





Nation-building Within The Indian Context

Panelists: Dr. Nagendra (Founder & Chancellor of S-VYASA University, Bengaluru and VaYU University, Los Angeles, USA), Mr. Shashank Mani (Founder, Jagriti Yatra), Mr. Ashutosh Kumar (Executive Director, Jagriti Yatra)

Moderator: Mr. Sunil Pangarkar

Being passionate nation builders, the panelists engaged in the discussion with the esteemed guest - Dr. Nagendra, on Swami Vivekananda and the significance of his teachings to build a nation. Contemplating over the powerful currents of the West in shaping the current landscape of India, Dr. Nagendra stressed that "India can become a superpower only when it goes back to its roots." Emphasizing the role of education in nation-building, he said our education system should not just be the bread-earning system, but rather a man-making system. Reiterating Swamiji's vision, Dr. Nagendra stated yoga, renunciation, service, prema bhava, dana, daya, dama; should be the building blocks of our education system.

Skeptical about the West adopting Indian elements like Yoga and marketing back to India, Mr. Shashank sought Dr. Nagendra's views on this. Acknowledging how the West is adopting Yoga, Dr. Nagendra stressed on the need for the creation of a Yoga Certification Board and a standardized system to curb the unauthorized marketing of Yoga.

Recognising the role of yoga, all the panelists shared the view of incorporating it in the academic circle from the primary education itself. Concluding the talk, the panelists resolved to "Combine the best of the West to the best of the East" as the foundation of nation-building.

26 Dec



Dr. Nagendra



Mr.
Shashank
Mani



Mr.
Ashutosh
Kumar



Moderated
by Sunil
Pangarkar

पैनल चर्चा: राष्ट्र निर्माण

पैनल: डॉ. नागेंद्र (एस-व्यास विश्वविद्यालय, बंगलुरु तथा वायु विश्वविद्यालय, लॉस एंजेल्स, यूएसए के संस्थापक एवं चांसलर) श्री शशांक मणि (संस्थापक, जागृति यात्रा), श्री आशुतोष कुमार (कार्यकारी निदेशक, जागृति यात्रा)

मॉडरेटर: श्री सुनील पंगारकर

भावुक राष्ट्र निर्माता होने के नाते, पैनलिस्ट सम्मानित अतिथि - डॉ. नागेंद्र के साथ स्वामी विवेकानंद और राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी शिक्षाओं के महत्व पर चर्चा में संलग्न रहे। भारत के वर्तमान परिदृश्य को आकार देने में पश्चिम की शक्तिशाली धाराओं पर विचार करते हुए, डॉ. नागेंद्र ने जोर देकर कहा कि "भारत केवल एक महाशक्ति बन सकता है जब यह अपनी जड़ों तक वापस जाता है।" राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली न केवल रोटी कमाने वाली प्रणाली होनी चाहिए, बल्कि एक मानव बनाने वाली प्रणाली होनी चाहिए। स्वामीजी के दृष्टिकोण को दोहराते हुए, डॉ. नागेंद्र ने कहा - योग, त्याग, सेवा, प्रेमा भाव, दाना, दया, दामा हमारी शिक्षा प्रणाली के आधार बनने चाहिए।

पश्चिम में योग और भारत में मार्केटिंग जैसे भारतीय तत्वों को अपनाने के बारे में संदेह करते हुए, श्री शशांक ने इस पर डॉ. नागेंद्र के विचारों को जगाया। डॉ. नागेंद्र ने योग को अपना रहे पश्चिम को स्वीकार करते हुए योग प्रमाणन बोर्ड के गठन और योग के अनधिकृत विपणन को रोकने के लिए एक मानकीकृत प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

योग की भूमिका को स्वीकार करते हुए, सभी पैनलिस्टों ने प्राथमिक शिक्षा से ही अकादमिक सर्कल में इसे शामिल करने के दृष्टिकोण को साझा किया। भाषण का समापन करते हुए, पैनलिस्टों ने राष्ट्र निर्माण की नींव के रूप में "पश्चिम के सर्वश्रेष्ठ को पूर्व के सर्वश्रेष्ठ में संयोजित करने" का संकल्प लिया।



Decoding Healthcare

Is the current system adequate enough?

Panelists: Dr. Rajni Bhat (Pulmonologist, Elected member of the Governing Council of Indian Association of Oncology), Dr. Ashiwn Naik (Author and award winning entrepreneur, Ashoka Fellow, Economic Times leader under 40), Annaswamy Vaidheesh (CEO of North Star Asia LLP, Economic Times Award for the 'Most Promising Asian Leader of the year 2016')

Moderator: Dr. Ruben Mascarenhas

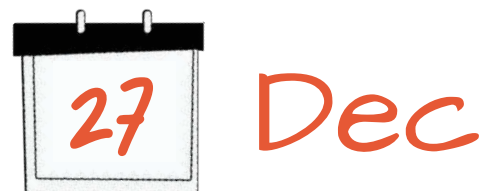
The panel packed with the healthcare representatives from various healthcare sectors carried out a joint discussion beginning with the stark statistical data of the NFHS-5 survey findings regarding stunting and nutrition.

The panellists provided insightful thoughts regarding the healthcare system and its current condition and touched upon the inadequacy that our healthcare system suffered at the hands of the COVID pandemic owing to the lack of trained personnel. Access, Availability and Affordability were pointed out as key areas India needs to focus on.

Key takeaways:

- The younger generation is seeing increased participation in healthcare
- There is a need to encourage the involvement of women in the healthcare
- Preventive health and medication is important to segregate
- There is huge room to leverage the use of technology in healthcare
- There's a need to cross-pollinate between healthcare and other sectors with the help of institutes and organizations

The panellists believed that the healthcare sector is going to grow and gain even more importance in the coming years, particularly given the pandemic has opened many more avenues of research and development, reiterating that leveraging technology and emphasizing on the first level of healthcare is critical for the way ahead.



**Dr. Rajani
Bhat**



**Dr. Ashiwn
Naik**



**Annaswamy
Vaidheesh**



**Moderated by
Dr. Ruben
Mascarenhas**

पैनल चर्चा: क्या वर्तमान स्वास्थ्य प्रणाली पर्याप्त है?

पैनल: डॉ. रजनी भट्ट (भारतीय ऑन्कोलॉजी संघ की शासी परिषद के निर्वाचित सदस्य), डॉ. आशिwn नाइक (लेखक और पुरस्कार विजेता उद्यमी, अशोक फेलो, 40 से कम उम्र के इकोनॉमिक टाइम्स के नेता), अन्नास्वामी वैधेश (नॉर्थ स्टार एशिया एलएलपी के सीईओ, इकोनॉमिक टाइम्स पुरस्कार - 'मोस्ट प्रॉमिसिंग एशियन लीडर ऑफ द ईयर 2016')

मॉडरेटर: डॉ. रुबेन मस्कारेन्हास

विभिन्न स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के स्वास्थ्य प्रतिनिधियों के साथ पैक किए गए पैनल ने संयुक्त चर्चा की, जिसकी शुरुआत एनएफएचएस के पांच सर्वेक्षण निष्कर्षों के स्पष्ट सांख्यिकीय आंकड़ों से हुई।

पैनलिस्टों ने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में अंतर्दृष्टिपूर्ण विचार प्रदान किए, और प्रशिक्षित कर्मियों की कमी के कारण हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को कोविड महामारी के हाथों होने वाली अपर्याप्तता पर स्पर्श किया। पहुंच, उपलब्धता और वहनीयता को ऐसे प्रमुख क्षेत्रों के रूप में इंगित किया गया है जिन पर भारत को ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

प्रमुख निष्कर्ष:

- युवा पीढ़ी स्वास्थ्य सेवा में भागीदारी बढ़ा रही है
- स्वास्थ्य देखभाल में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है
- निवारक स्वास्थ्य और दवा अलग करना महत्वपूर्ण है
- स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी के उपयोग का लाभ उठाने के लिए बहुत बड़ी जगह है
- संस्थानों और संगठनों की मदद से स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों के बीच परागण को पार करने की आवश्यकता है

पैनलिस्टों का मानना था कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र आने वाले वर्षों में और भी अधिक महत्व प्राप्त करने जा रहा है, विशेष रूप से महामारी ने अनुसंधान और विकास के कई और रास्ते खोले हैं, यह दोहराते हुए कि आगे के लिये प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और स्वास्थ्य सेवा के पहले स्तर पर जोर देना महत्वपूर्ण है।



Digital Media

“Lifestyle digital - Local to Global”

Panelists: Raghav Gupta (Co-founder of Nymble, robo-chef company), Dr. Anirudha Joshi (Founder and CEO, Atreya Innovations Pvt. Ltd.), Sandeep Ranade (Indian Classical Singer, won Apple Design Award for his app NaadSadhana), Mahesh Raghvan (Music fusion artist)

Moderator: Sunil Pangarkar

The discussion delved into the panelists' major turning points in life, which made their journey exceptional and inspiring. They all are young and talented but to follow their dreams, they quit their full time job in order to solve some real lifestyle issues and also trying to bring back traditions through Digital medium.

Advice from the panelists:

- Mahesh Raghavan: “Always Discover your potential and practice to reach out to it. Keep working on your art and your product and eventually you will reach a stage where you can showcase it to so many people and they will relate to it.”
- Raghav Gupta: “Always challenge the status quo and cross the mental barriers because the more you challenge yourself the more you'll grow in your personal and professional life”
- Dr. Anirudha Joshi: “Peace of mind is important. As you always face hardships in your daily life, it is very important to find something which gives you joy and take out at least 1 hour for yourself and this will help you in the long run.”
- Sandeep Ranade: “Every decision you make for your startup and product always keep asking yourself what is the original intention that I started this? And is it still true to that intention?”

28 Dec



Raghav
Gupta



Mahesh
Raghvan



Sandeep
Ranade



Dr.
Anirudha
Joshi



Moderated
by Sunil
Pangarkar

मीडिया - "लाइफस्टाइल डिजिटल - लोकल से ग्लोबल"

पैनल: राघव गुप्ता (निम्बल रोबो-शेफ कंपनी के सह-संस्थापक), डॉ. अनिरुद्ध जोशी (संस्थापक और सीईओ, आत्रेया इनोवेशन प्रा. लिमिटेड), संदीप रानाडे (भारतीय शास्त्रीय गायक, अपने ऐप नादसाधना के लिए एप्पल डिजाइन पुरस्कार विजेता), महेश राघवन (संगीत संलयन कलाकार)

मॉडरेटर: सुनील पंगारकर

चर्चा पैनलिस्टों के जीवन के उन प्रमुख नए मोड़ों पर हुई, जिन्होंने उनकी यात्रा को असाधारण और प्रेरणादायक बना दिया। वे सभी युवा और प्रतिभाशाली हैं लेकिन अपने सपनों का पालन करने और वास्तविक जीवन शैली के कुछ मुद्दों को हल करने के लिए उन्होंने अपनी पूर्णकालिक नौकरी छोड़ दी और डिजिटल माध्यम के माध्यम से परंपराओं को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

पैनलिस्ट से सलाह:

- महेश राघवन: "हमेशा अपनी क्षमता और अभ्यास की खोज करें। अपनी कला और अपने उत्पाद पर काम करते रहें और अंततः आप एक ऐसे स्तर पर पहुंच जाएंगे जहां आप इसे इतने सारे लोगों को दिखा सकते हैं और वे इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।"
- राघव गुप्ता: "हमेशा यथास्थिति को चुनौती दें और मानसिक बाधाओं को पार करें क्योंकि जितना अधिक आप अपने आप को चुनौती देंगे, उतना ही आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ेंगे।"
- डॉ. अनिरुद्ध जोशी: "मन की शांति महत्वपूर्ण है। जैसा कि आप हमेशा अपने दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करते हैं, कुछ ऐसा ढूंढना जो आपको खुशी देता है और अपने लिए कम से कम 1 घंटे का समय निकालना बहुत महत्वपूर्ण है और यह लंबे समय में आपकी मदद करेगा।"
- संदीप रानाडे: "अपने स्टार्टअप और उत्पाद के लिए हर निर्णय लेते समय आप हमेशा अपने आप से पूछते रहें कि क्या मूल इरादा है कि मैंने इसे शुरू किया है? क्या यह अभी भी उस इरादे के लिए सच है?"



Women In Enterprise Within The Indian Context

Panelists: Madhura Dasgupta Sinha(Founder&CEO, Aspire for Her Foundation), Mandeep Kaur Tangra(Founder of SimbaQuartz, SimbaCourse, SimbaHire), Dheeraj Bhojwani(CEO at AIC, GUSEC Foundation)

Moderator: Ms Rajshri Sai

Theme: "Entrepreneur naari, sab pe bhaari." The cold December afternoon in Vizag, though uncanny in many ways, was noteworthy for two reasons. One, a Kannada folk song—an ode to transcending linguistic barriers had set the mood for the day—and two—a riveting panel discussion on women entrepreneurs; an ode to women successfully transcending business boundaries had yatri's brimming with hope.

Over the last decade, India has seen a substantial increase in women-run small businesses. Despite having entrepreneurial ambitions, many women find it difficult to succeed. The panel examined the root cause behind the challenges faced by women while accessing markets and funding. It also answered questions on finding a compatible co-founder, beating the odds, and identifying startup-friendly resources. Mandeep highlighted organically grown startups, the importance of starting small and being self-reliant, speaking at length about her company's vision of changing lives, being positive, and the need to practice patience while letting an idea mature in its own time. Dheeraj threw light on the gender bias in the entrepreneurship ecosystem and the role of companies in supporting women entrepreneurs, urging women to let go of conservative thoughts and stereotypes and embrace support groups. Madhura's take of "if she can see it, she can be it" resonated strongly with all; she also commented on befriending technology to run a successful business, creating supportive communities and the lack of women in STEM.

The comment section was unlike any other and importantly saw men actively talking about women-centric issues and gender sensitization.

30 Dec



Madhura
Dasgupta
Sinha



Mandeep
Kaur
Tangra



Dheeraj
Bhojwani



Moderated
by Rajshri
Sai

उद्यम में महिलाएं - भारतीय संदर्भ के भीतर

पैनल: मधुरा दासगुप्ता सिन्हा (संस्थापक और सीईओ, एस्पिर फॉर हर फाउंडेशन), मनदीप कौर टांग्रा (सिम्बाक्वार्ट्ज के संस्थापक, सिम्बाकोर्स, सिम्बाहायर), धीरज भोजवानी (एआईसी, जीयूएससी फाउंडेशन में सीईओ)
मॉडरेटर: सुश्री राजश्री साई

थीम: "उद्यमी नारी, सब पे भारी।" विजाग में दिसंबर की ठंडी दोपहर, हालांकि कई मायनों में अस्थिर थी, दो कारणों से उल्लेखनीय थी। एक, एक कन्नड़ लोक गीत-भाषाई बाधाओं को पार करने के लिए एक ओड ने दिन के लिए मूड सेट किया था - और दो - महिला उद्यमियों पर एक रिवेटिंग पैनल चर्चा; महिलाओं को सफलतापूर्वक व्यापार की सीमाओं को पार करने के लिए एक स्तोत्र में आशा के साथ भरी थी।

पिछले एक दशक में भारत में महिलाओं द्वारा संचालित छोटे व्यवसायों में काफी वृद्धि हुई है। उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षाएं होने के बावजूद, कई महिलाओं को सफल होना मुश्किल लगता है। समिति ने बाजार और वित्त पोषण तक पहुंचने के दौरान महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के मूल कारण की जांच की। इसने एक संगत सह-संस्थापक को खोजने, बाधाओं को तोड़ने और स्टार्टअप के अनुकूल संसाधनों की पहचान करने पर सवालियों के जवाब दिए।

मनदीप ने व्यवस्थित रूप से विकसित स्टार्टअप्स, छोटे से शुरू करने और आत्मनिर्भर होने के महत्व पर प्रकाश डाला, अपनी कंपनी के बदलते जीवन के दृष्टिकोण, सकारात्मक होने और अपने समय में एक विचार परिपक्व होने के दौरान धैर्य का अभ्यास करने की आवश्यकता के बारे में बात की। धीरज ने उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में लैंगिक पूर्वाग्रह और महिला उद्यमियों की सहायता करने में कंपनियों की भूमिका पर प्रकाश डाला, महिलाओं से रूढ़िवादी विचारों और रूढ़ियों को छोड़ने और समर्थन समूहों को गले लगाने का आग्रह किया। मधुरा का "यदि वह इसे देख सकती है, तो वह यह हो सकती है" सभी के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित हुआ ; उन्होंने एक सफल व्यवसाय चलाने के लिए तकनीक से दोस्ती, सहायक समुदायों का गठन और एसटीईएम में महिलाओं की कमी पर भी टिप्पणी की।

टिप्पणी अनुभाग किसी अन्य के विपरीत था और महत्वपूर्ण रूप से पुरुषों को महिला-केंद्रित मुद्दों और लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में सक्रिय रूप से बात करते देखा गया।



Aatmanirbhar Bharat & Agro-Processing

The Way Forward

Panelists: Ruchi Jain (CEO TARU Naturals), Bryan Lee (CEO Krishi-Star), Satyam Bhandari (CEO Heart in Hills), Naga Prakasam (PSA to GOI)

Moderator: Mayank Jain (CEO-NGO Sumarth)

Kick starting the discussion, Mayank Jain opened the session with his introduction and agenda. Ruchi started with elaborating on the challenges in Agro processing, focusing on product selection, market development, and USP & IP creation. Bryan then lent a brief insight into Marketing, consulting and market linkage, adding that solutions should be holistic for real benefits to farmers. Satyam spoke about how he started his journey, and presented key problems in detail across market development, storage, procurement, finance and supply chain. Naga then related a story of Processing is a food chain network where he talked about Kisan Mitra, a platform launched during Covid, describing how it should improve the life of farmers with technology and introducing the M.S. Swaminathan formula to calculate the price of cost of production.



कृषि प्रसंस्करण के माध्यम से आत्मानिर्भर भारत

पैनल: रुचि जैन (सीईओ टीआरएयू नैचुरल्स), ब्रायन ली (सीईओ कृषि-स्टार), सत्यम भंडारी (सीईओ हाइड एंड हिल्स), नागा प्रकाशम (पीएसए टू जीओआई)

मॉडरेटर: मयंक जैन ((सीईओ-एनजीओ सुमरथ)



Naga
Prakasam



Ruchi
Jain



Bryan
Lee



Satyam
Bhandari



Moderated
by Mayank
Jain

चर्चा शुरू करते हुए मयंक जैन ने अपने परिचय और एजेंडे के साथ सत्र खोला। रुचि ने कृषि प्रसंस्करण में चुनौतियों, उत्पाद चयन, बाजार विकास और यूएसपी और आईपी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ शुरू किया। ब्रायन ने विपणन, परामर्श और बाजार संपर्क में एक संक्षिप्त अंतर्दृष्टि प्रदान की, यह कहते हुए कि समाधान किसानों को वास्तविक लाभ के लिए समग्र होना चाहिए। सत्यम ने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा कैसे शुरू की और बाजार विकास, भंडारण, खरीद, वित्त और आपूर्ति श्रृंखला में विस्तार से महत्वपूर्ण समस्याएं प्रस्तुत कीं। नागा ने इसके बाद प्रोसेसिंग की एक कहानी से संबंधित एक खाद्य श्रृंखला नेटवर्क है, जहां उन्होंने कोविड के दौरान लॉन्च किए गए एक मंच किसान मित्र के बारे में बात की, जिसमें बताया गया कि कैसे इसे प्रौद्योगिकी के साथ किसानों के जीवन में सुधार करना चाहिए और उत्पादन की लागत की कीमत की गणना करने के लिए एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूला पेश करना चाहिए।



The Urbanisation of Middle India

Opportunities, Problems and Challenges

Panelists: Almitra Patel (Indian environmental policy advocate and anti-pollution activist), Shailesh Pathak (Ex-IAS, CEO of L&T IDPL), Trupti Doshi (Sustainable architect)
Moderator: Manish Agarwal

Almitra Patel urged everyone to read the MSWM rules 2016. The document states the duties of citizens regarding waste management. Key insights included avoiding dumping grounds, how loans to builders should be sanctioned only after they clear tax arrears, and why solving urban problems is a matter of behaviour change.

Mr. Pathak emphasized that the municipalities play a key role in shaping employment, housing, and urban transport. He added that taxes are shared equally among the municipality, the state, and the central government, and that municipalities should levy taxes for public amenities like water, roads. Income-generating municipalities will help develop resilient cities by easing borrowing loans. He suggested that switching to EVs by raising funds through climate finance can help solve the air pollution problem.

Architect Trupti Doshi critiques developing smart towns and villages to encourage reverse migration. She shared five principles that every house owner should consider while erecting a new structure, focusing on natural ventilation, rainwater harvesting and growing organic farms within houses, insisting how our physical infrastructure should complement the environment. Planning should be responsible, community-based, and humane.

Mr. Manish concluded by emphasizing creating a competitive spirit within the public to make SBM a success.



Almitra
Patel



Trupti
Doshi



Shailesh
Pathak



Moderated
by Manish
Agarwal

मध्य भारत का शहरीकरण- अवसर, समस्याएं और चुनौतियां

पैनल: अलमित्रा पटेल (भारतीय पर्यावरण नीति अधिवक्ता और प्रदूषण विरोधी कार्यकर्ता), शैलेश पाठक (पूर्व आईएएस, एलएंडटी आईडीपीएल के सीईओ), तृप्ति दोशी (स्थायी वास्तुकार)
मॉडरेटर: मनीष अग्रवाल

अलमित्रा पटेल ने सभी से आग्रह किया कि वे एमएसडब्ल्यूएम नियम 2016 पढ़ें। दस्तावेज में अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में नागरिकों के कर्तव्यों को बताया गया है। प्रमुख अंतर्दृष्टि में शामिल था डंपिंग ग्राउंड्स से बचना, बिल्डरों को बकाया कर स्पष्ट करने पर ऋण स्वीकृत किया जाना, और क्यों शहरी समस्याओं को हल करना व्यवहार परिवर्तन का विषय है।

श्री पाठक ने इस बात पर जोर दिया कि नगरपालिकाएं रोजगार, आवास और शहरी परिवहन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि नगरपालिका, राज्य और केंद्र सरकार के बीच करों को समान रूप से साझा किया जाता है, और नगरपालिकाओं को पानी, सड़कों जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के लिए कर लगाना चाहिए। आय पैदा करने वाली नगरपालिकाएं ऋण लेने में आसानी करके लचीले शहरों को विकसित करने में मदद करेंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि जलवायु वित्त के माध्यम से धन जुटाकर ईवी पर स्विच करने से वायु प्रदूषण की समस्या को हल करने में मदद मिल सकती है।

वास्तुकार तृप्ति दोशी ने रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहित करने के लिए स्मार्ट शहरों और गांवों को विकसित करने की आलोचना की। उन्होंने पांच सिद्धांतों को साझा किया जिस पर कि प्रत्येक घर के मालिक को एक नई संरचना तैयार करते समय विचार करना चाहिए - प्राकृतिक वेंटिलेशन पर ध्यान केंद्रित करना, वर्षा जल संचयन और घरों के भीतर जैविक खेतों को बढ़ाना, इस बात पर जोर देना कि हमारे भौतिक बुनियादी ढांचे को पर्यावरण के पूरक कैसे होना चाहिए। योजना जिम्मेदार, समुदाय-आधारित और मानवीय होनी चाहिए।

श्री मनीष ने एसबीएम को सफल बनाने के लिए जनता के भीतर एक प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करने पर जोर दिया।



Apparel and Handicraft

6 Jan

Panelists: Shilpi Sharma (Co-founder of Jaypore.com), Kirti Poonia (Co-Founder of Relove, Ex- CEO of Okhai), Ami Shroff (Managing Trustee of Shrujan), Dipali Patwa (Group Head Of Brand & Community at Fabindia Overseas Pvt Ltd)

Moderator: Shivangini

The discussion focused on the potential of the handicraft and apparels sector to build India, the road ahead, and emphasized the need for creating India as the hub of the 'craft industry'. With the panelists' shared mindset on entrepreneurship in the sector, training artisans to adapt to market trends was clearly a need of the hour. Further, there was a stress on the use of AI in predicting market demands and integrating it with developing new designs and ideas.

Key takeaways:

- Setting realistic goals.
- Considering consumer needs as the core of any sustainable business.
- Reinvention-Reimagination-Collaboration with smart use of technology.
- Connecting all dots via community, craft and conscious consumerism.
- Ensuring the social comfort of artisans.

Concluding the conversation, the panelists highlighted the role of women of marginalized communities in nation-building, with the apparel & handicraft industry bringing them to the forefront of economic growth.



Shilpa
Sharma



Kirti
Poonia



Ami
Shroff



Dipali
Patwa



Moderated
by Shivangini

परिधान और हस्तशिल्प

पैनल: शिल्पी शर्मा (Jaypore.com की सह-संस्थापक), कीर्ति पूनिया (री-लव की सह-संस्थापक, ओखाई की पूर्व सीईओ), अमी श्रॉफ (श्रुजन की प्रबंध ट्रस्टी), दीपाली पटवा (ब्रांड और समुदाय की समूह प्रमुख) इंडिया ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड)

मॉडरेटर: शिवांगिनी

इस चर्चा में भारत के निर्माण के लिए हस्तशिल्प और परिधान क्षेत्र की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया, और भारत को 'शिल्प उद्योग' के केंद्र के रूप में बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। पैनलिस्टों के अनुसार इस क्षेत्र में उद्यमिता पर साझा मानसिकता के साथ, कारीगरों को बाजार के रुझान के अनुकूल बनाने के लिए प्रशिक्षित करना स्पष्ट रूप से समय की आवश्यकता थी। इसके अलावा, बाजार की मांगों की भविष्यवाणी करने और नए डिजाइन और विचारों को विकसित करने के साथ इसे एकीकृत करने में एआई के उपयोग पर जोर था।

मुख्य निष्कर्ष:

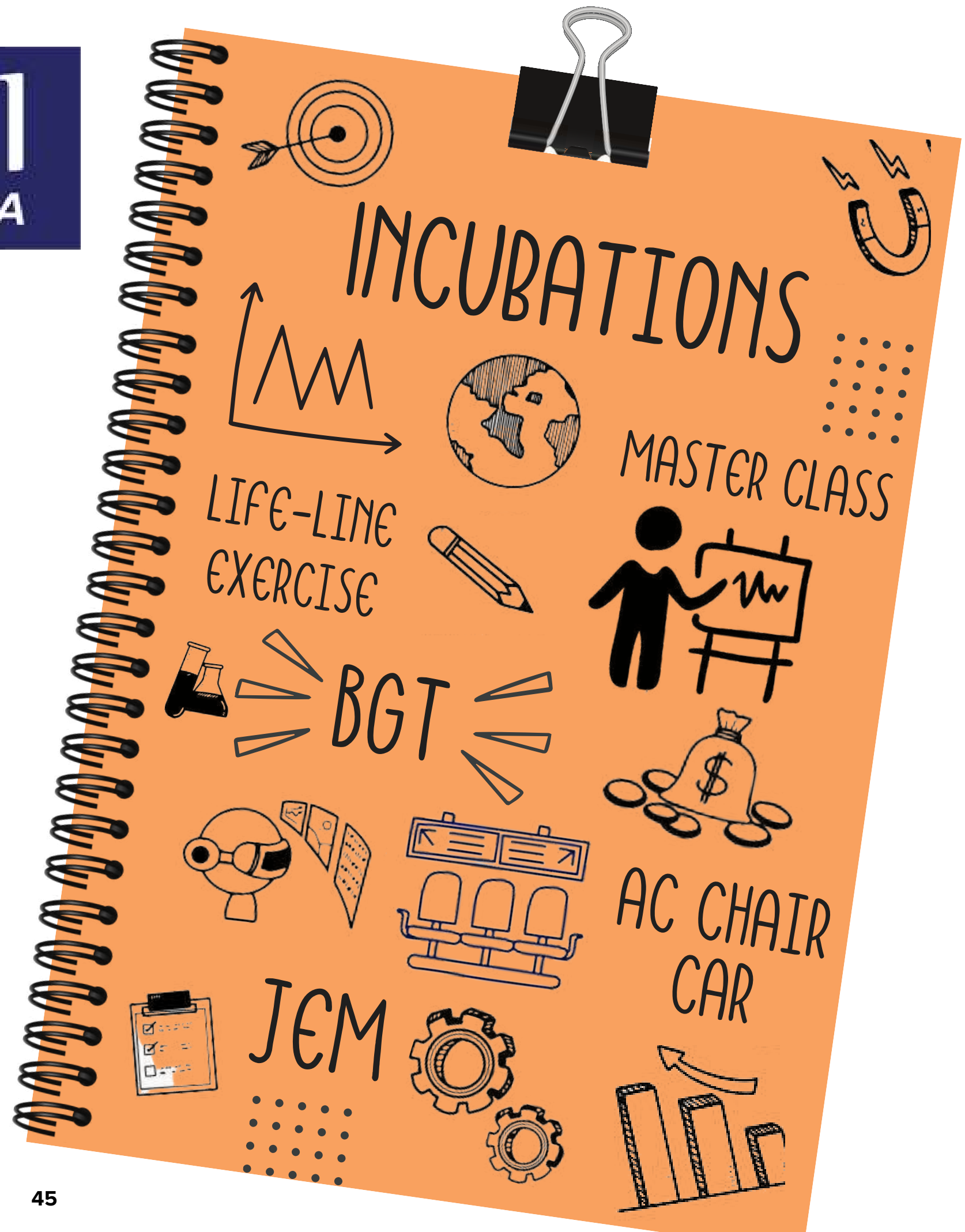
- यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करना।
- उपभोक्ता की जरूरतों को किसी भी स्थायी व्यवसाय के मूल के रूप में देखना।
- पुनर्स्थापन-पुनर्कल्पना-सहयोग के साथ प्रौद्योगिकी का स्मार्ट उपयोग।
- समुदाय, शिल्प और सचेत उपभोक्तावाद के माध्यम से सभी बिंदुओं को जोड़ना।
- कारीगरों की सामाजिक सुविधा सुनिश्चित करना।

बातचीत का समापन करते हुए, पैनलिस्टों ने राष्ट्र निर्माण में वंचित समुदायों की महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसमें परिधान और हस्तशिल्प उद्योग उन्हें आर्थिक विकास में सबसे आगे ले जाए।



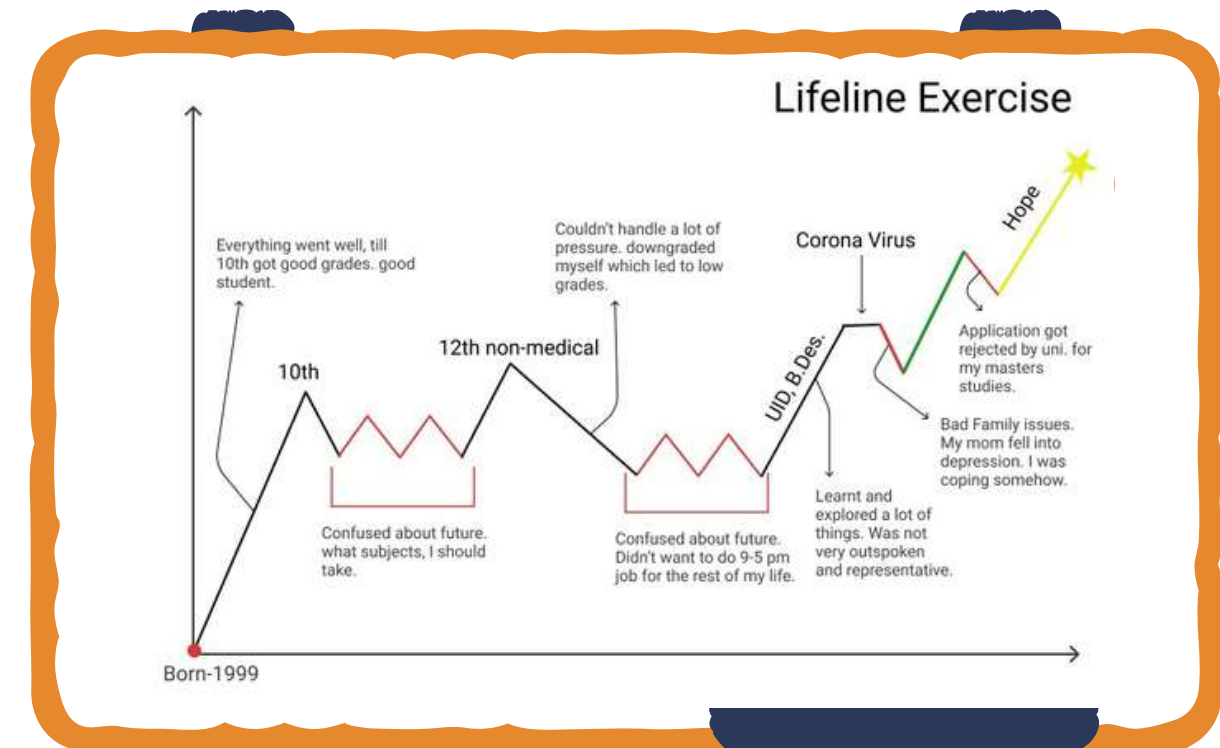
JAGRITI

DIGITAL YATRA



Like a coin, life also has two sides. There are times when you feel low or the happiest but one thing that remains constant is we keep on living life. The Lifeline exercise's goal was to reflect and mark the significant events, bad or good, which evolved across our lives. Reflection was stated as important as it helps realize where and how far we have come facing all the challenges, and also helps us jot down what we have achieved so far and be grateful for it. This exercise was a great way of expressing oneself in the shortest time, and also made it possible to be transparent to others.

Eg. A Yatri named Tammanna, represented her lifeline exercise and shared the experience she has gone through. She mentioned: "My life has been a ball of confusion, but I guess that is what makes it beautiful. I never had a particular goal in my life and now it is the same too, but I always make sure that I learn. I might not always reflect but today I had a chance and I am proud of myself for making it till now. We should all be."



एक सिक्के की तरह जीवन के भी दो पहलू होते हैं। ऐसे समय होते हैं जब आप कम या सबसे ज्यादा खुशी महसूस करते हैं लेकिन एक चीज जो स्थिर रहती है, वह यह है कि हम जीवन जीते रहें। लाइफलाइन अभ्यास का लक्ष्य महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रतिबिंबित करना और चिह्नित करना था, बुरी या अच्छी, जो हमारे जीवन में विकसित हुई। चिंतन को उतना ही महत्वपूर्ण बताया गया जितना कि यह महसूस करने में मदद करता है कि हम सभी चुनौतियों का सामना करते हुए कहां और कितनी दूर आए हैं, और हमें यह बताने में भी मदद करता है कि हमने अब तक क्या हासिल किया है और इसके लिए आभारी हैं। यह अभ्यास कम से कम समय में खुद को अभिव्यक्त करने का एक शानदार तरीका था, और इससे दूसरों के लिए पारदर्शी होना भी संभव हो गया।

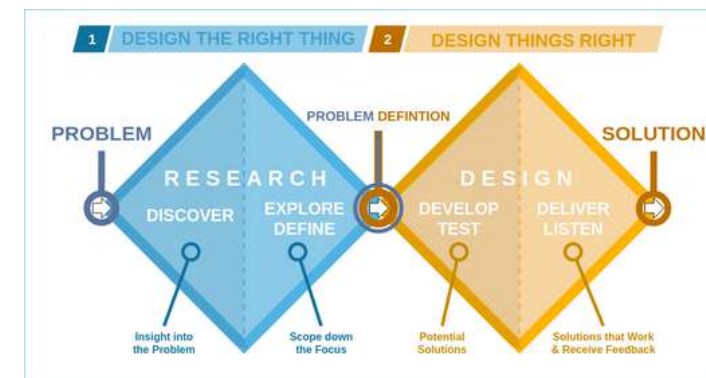
उदाहरण के तौर पर, तमन्ना नाम की एक यात्री ने अपनी जीवन रेखा अभ्यास का प्रतिनिधित्व किया और अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया: "मेरा जीवन एक भ्रम की गेंद की तरह रहा, लेकिन मुझे लगता है कि यही मेरे जीवन को सुंदर भी बनाता है। मेरे जीवन में कभी भी कोई विशेष लक्ष्य नहीं रहा और आज भी नहीं है, लेकिन मैं हमेशा यह सुनिश्चित करती हूं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले मैं सीखूं और शोध करूं। इस तरह प्रस्तुति के बारे में, मैं कभी सोच नहीं सकती थी पर आज मेरे पास भी एक मौका था और जिसे अब तक बनाने में मुझे खुद पर गर्व है। हम सब को होना चाहिए।"



Design Thinking

The head of design at Digital Impact Square, Ms. Rita Mehrishi led an interactive discourse on convergent and divergent cycles where she made it clear that design thinking wasn't exclusive to designers. All entrepreneurs, leaders and aspiring change-makers needed to inculcate the iterative process of knowing the user/client and figuring out innovative, creative ways to solve their problems. The design school approach — empathize, define, ideate, prototype and test, which is at the forefront of applying and teaching design thinking, was taught by asking actionable questions online and visualizing ideas. The biggest takeaway was the ability to discern the right need in a problem statement.

डिजाइन सोच



सुश्री रीता महर्षि
Ms. Rita Mehrishi

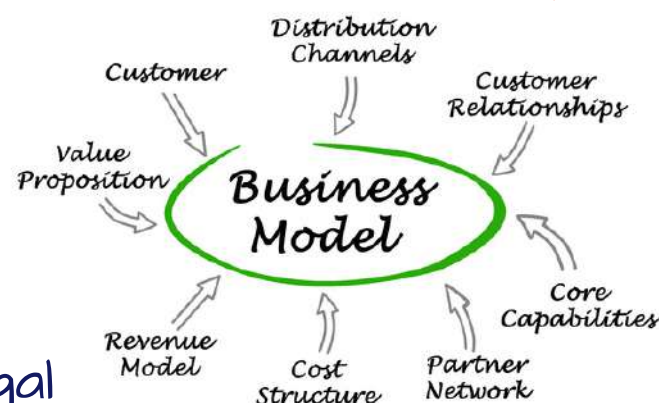


डिजिटल इम्पैक्ट स्क्वायर में डिज़ाइन की प्रमुख, सुश्री रीता महर्षि ने अभिसरण और भिन्न चक्रों पर एक संवादात्मक प्रवचन का नेतृत्व किया, जहाँ उन्होंने स्पष्ट किया कि डिज़ाइन की सोच केवल डिजाइनरों के लिए नहीं थी। सभी उद्यमियों, नेताओं और इच्छुक परिवर्तन निर्माताओं को उपयोगकर्ता / ग्राहक को जानने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए अभिनव, रचनात्मक तरीके खोजने की पुनरावृत्ति प्रक्रिया को विकसित करने की आवश्यकता है। डिजाइन स्कूल दृष्टिकोण - सहानुभूति, परिभाषा, आदर्श, प्रोटोटाइप और परीक्षण, जो डिजाइन सोच को लागू करने और सिखाने में सबसे आगे है, ऑनलाइन कार्रवाई योग्य प्रश्न पूछकर और विचारों की कल्पना करके सिखाया गया था। सबसे बड़ा टेकअवे एक समस्या कथन में सही आवश्यकता को समझने की क्षमता थी।

बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी)

बिजनेस मॉडल कैनवास एक उद्यमी उपकरण है जो नियोजन टीम को एक व्यवसाय मॉडल का वर्णन, डिजाइन, चुनौती, आविष्कार और धुरी करने में सक्षम बनाता है। जेडीवाई के इस सीज़न में, डॉ.सच्चिदानंद बेनेगल, जो आईआईएम इंदौर के सहायक प्रोफेसर हैं, ने साथी यात्रियों के सामने मॉडल कैनवास के महत्व और भूमिका को उजागर किया। उन्होंने देखा कि विचार शुरुआत में सही नहीं होते हैं, क्योंकि अवधारणा के दौरान, विचार ग्रे, गैर पॉलिश और गैर परिष्कृत होते हैं, और हमें उत्पाद रोडमैप के लिए एक मिशन स्टेटमेंट के रूप में एक बिजनेस मॉडल कैनवास के बारे में सोचने की जरूरत है। उन्होंने उत्पाद डिजाइन और पैकेजिंग के महत्व को समझाया, एक उद्यम विचार उत्पन्न करने और जनसांख्यिकीय और मनोवैज्ञानिक खंडों को वर्गीकृत करने के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कैसे एक बिजनेस मॉडल कैनवास एक बिजनेस मॉडल को आसानी से समझे जाने वाले सेगमेंट में तोड़ देता है जैसे कि प्रमुख पार्टनर्स, गतिविधियाँ और संसाधन, अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव, ग्राहक संबंध, चैनल, ग्राहक सेगमेंट, लागत संरचना और राजस्व स्ट्रीम; यह दर्शाता है कि उद्यम के इन तत्वों में, क्षेत्रों पर पहचान और कार्य कर, जिन्हें बेहतर और स्पष्ट बनाया जा सकता है।

Business Model Canvas (BMC)



डॉ सच्चिदानंद बेनेगल
Dr. Sachidananda Benegal

Business Model Canvas is an entrepreneurial tool that enables the planning team to describe, design, challenge, invent, and pivot a business model. In this season of JDY, we had Dr. Sachidananda Benegal who is an assistant professor from IIM Indore, to unfold the significance and role of model canvas in front of fellow yatris. He observed that ideas are not perfect at the onset, during conceptualisation, ideas are gray, non polished and non refined, and that we need to think of a business model canvas as a mission statement for the product roadmap.

He explained the importance of product design and packaging, continuing to elaborate on generating a venture idea and classifying demographic and psychographic segments. He also made it clear how a Business Model Canvas breaks a business model down into easily-understood segments such as: Key



Partners, Activities and Resources, Unique Value Propositions, Customer Relationships, Channels, Customer Segments, Cost Structure, and Revenue Streams, showing how digging into these elements of the enterprise, one can recognize and act on areas that can be improved and articulate clear paths on which to build the organizational innovation strategy.

As it is very visual, the BMC appeals to many entrepreneurs and is a succinct tool for brainstorming and ideation. There are many models that describe how a business delivers a product or service to its customers. A BMC helps simplistically assess how a business model does this, encompassing nine components: customer segments, value propositions, channels, customer relationships, revenue streams, key resources, key activities, key partnerships, and cost structure. Through this visualization, a BMC provides investors relevant information about the company at a glance, including insights into the workings of the company, particularly to judge if it's a solid business model that leads to cash generation and future expansion.

Essentials of Fundraising

Fundraising is an indispensable phase that every startup goes through. It raises not only funds but also awareness to bring more volunteers to the cause. People who are willing to donate their time are as valuable as those willing to donate their money. So, it becomes quintessential for an entrepreneur to appreciate the importance of this aspect.

To understand the nuances of fundraising, Mr. Vijetha Shastry from TiE Bangalore shared his personal experiences and helped yatriis understand the fundamentals of fundraising. He said that whether it's a profit making business or an NGO, it is important to adopt Corporate Governance principles and have a due-diligence checklist from an independent auditor; these could cost good money, but are the right investments to make to have a check on the day-to-day business.

One of the most important takeaways from the session is that the customers' money is greater than investors' money for a business. While entrepreneurs talk about fundraising, it is critical to understand that returns on customers' money make the greatest validation of a business model. Therefore, it is important to

जैसा कि यह बहुत ही दृश्य है, बीएमसी कई उद्यमियों को अपील करता है और विचार-मंथन और विचार के लिए एक संक्षिप्त उपकरण है। ऐसे कई मॉडल हैं जो वर्णन करते हैं कि कोई व्यवसाय अपने ग्राहकों को उत्पाद या सेवा कैसे प्रदान करता है। एक BMC सरल रूप से यह आकलन करने में मदद करता है कि एक व्यवसाय मॉडल यह कैसे करता है, जिसमें नौ घटक शामिल हैं: ग्राहक खंड, मूल्य प्रस्ताव, चैनल, ग्राहक संबंध, राजस्व धाराएँ, प्रमुख संसाधन, प्रमुख गतिविधियाँ, प्रमुख भागीदारी और लागत संरचना। इस विज़ुअलाइज़ेशन के माध्यम से, एक बीएमसी निवेशकों को एक नज़र में कंपनी के बारे में प्रासंगिक जानकारी प्रदान करता है, जिसमें कंपनी के कामकाज में अंतर्दृष्टि शामिल है, विशेष रूप से यह निर्धारित करने के लिए कि क्या यह एक ठोस व्यवसाय मॉडल है जो नकदी उत्पादन और भविष्य के विस्तार की ओर जाता है।

वित्त पोषण



Vijetha Shastry
विजेता शास्त्री

धन एकत्र करना एक अनिवार्य चरण है जिसे प्रत्येक स्टार्टअप के माध्यम से किया जाता है। यह न केवल धन जुटाता है, बल्कि अधिक स्वयंसेवकों को इसके लिए जागरूक भी करता है। जो लोग अपना समय दान करने के लिए तैयार हैं, वे उतने ही मूल्यवान हैं जितने अपना पैसा दान करने के इच्छुक। इसलिए एक उद्यमी के लिए इस पहलू के महत्व की सराहना करना सर्वोत्कृष्ट हो जाता है।

धन उगाहने की बारीकियों को समझने के लिए, टीआईई बैंगलोर के श्री विजेता शास्त्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और यात्रियों को धन उगाहने के मूल सिद्धांतों को समझने में मदद की। उन्होंने कहा कि चाहे वह लाभ कमाने वाला व्यवसाय हो या एनजीओ, कॉर्पोरेट गवर्नेंस सिद्धांतों को अपनाना महत्वपूर्ण है और एक स्वतंत्र लेखा परीक्षक से एक उचित परिश्रम चेकलिस्ट प्राप्त करना महत्वपूर्ण है; इनमें अच्छा पैसा खर्च हो सकता है, लेकिन दिन-प्रतिदिन के कारोबार पर जांच करने के लिए सही निवेश हैं।

सत्र से सबसे महत्वपूर्ण टेकअवे में से एक यह है कि ग्राहकों का पैसा किसी व्यवसाय के लिए निवेशकों



focus on sales or other internal sources of revenue to become sustainable instead of relying on raising funds from investors.

At the end, he concluded the talk by introducing the types of funds available for Startups in India, including Debt Funding, Angel Networks, Government Grants (that need a shared vision), Crowdfunding, and VC/Private Equity at a later stage.



Business Model & Organizational Structure



क्षितिज लुंकड
Kshitij Lunkad



Understanding the organizational structure of an enterprise allows an understanding of how decisions are made. It is also a powerful tool for executives to shape their organization toward desired goals and long-term objectives. For that sake, designing a proper organizational structure also allows the execution of an enterprise business model. Based on the organizational structure the company will also have a different shape.

In JDY 2021, Mr. Kshitij Lunkad who is a Company Secretary Professional and a Lawyer led the session. Explaining the types of business organizations, features, compliances, pros and cons associated with each of them, he answered all the queries of fellow yatri. Some important questions addressed in the session are as follows:

- Importance of selecting right business organization
- Forms of ownership and structure in each type
- Different types of organizations and relevant compliances
- Choosing the right type of organization for a particular purpose
- Introduction to social and economic enterprises

The presentation ended with detailed information on Society, Trust and Section-8 companies, which are the types of social enterprises.

के पैसे से अधिक है। जबकि उद्यमी धन उगाहने के बारे में बात करते हैं, यह समझना महत्वपूर्ण है कि ग्राहकों के पैसे पर रिटर्न एक व्यवसाय मॉडल का सबसे बड़ा सत्यापन है। इसलिए, निवेशकों से धन जुटाने पर निर्भर रहने के बजाय बिक्री या राजस्व के अन्य आंतरिक स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है।

अंत में, उन्होंने भारत में स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध फंडों के प्रकारों को पेश करके बात समाप्त की, जिसमें डेट फंडिंग, एंजेल नेटवर्क, सरकारी अनुदान (जिसे एक साझा दृष्टिकोण की आवश्यकता है), क्राउडफंडिंग, और वीसी / प्राइवेट इक्विटी आदि शामिल हैं।

व्यापार मॉडल और संगठनात्मक संरचना

एक उद्यम की संगठनात्मक संरचना को समझना निर्णय लेने की समझ की अनुमति देता है। यह अधिकारियों के लिए वांछित लक्ष्यों और दीर्घकालिक उद्देश्यों की ओर अपने संगठन को आकार देने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण भी है। इसके लिए, एक उचित संगठनात्मक संरचना तैयार करना, एक उद्यम व्यापार मॉडल के निष्पादन की अनुमति देता है। संगठनात्मक संरचना के आधार पर कंपनी का एक अलग आकार भी होगा।

जेडीवाई 2021 में, श्री क्षितिज लुंकड, जो एक कंपनी सचिव और एक वकील हैं, ने सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने व्यापार संगठनों के प्रकारों, विशेषताओं, अनुपालनों, पेशेवरों और विपक्षों के बारे में विस्तार से बताते हुए सभी संगी यात्रियों के सवालों के जवाब दिए।

सत्र में संबोधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न इस प्रकार हैं:

- सही व्यापार संगठन के चयन का महत्व
- प्रत्येक प्रकार में स्वामित्व और संरचना के रूप
- विभिन्न प्रकार के संगठन और प्रासंगिक अनुपालन
- एक विशेष उद्देश्य के लिए संगठन के सही प्रकार का चयन
- सामाजिक और आर्थिक उद्यमों का परिचय

प्रस्तुति सोसाइटी, ट्रस्ट और धारा-8 कंपनियों, जो सामाजिक उद्यमों के प्रकार हैं, पर विस्तृत जानकारी के साथ समाप्त हुई।



Marketing and Value Proposition

Vikas Gurugunti, Board Member of Jagriti Yatra gave marketing mantras to the current yatris. Vikas said that a Marketing mindset encompasses ideas like bias towards action, radical collaboration, and craft clarity with focus on human values, experimentation and mindfulness. Such a mindset would enable marketers to reach the depths of any problem.

Some key points included how any product, however great, needs to be marketed well. Marketing is a critical channel to selling, in turn making the enterprise sustainable and profit making. In modern times, marketing has become a complex and monotonous task, and has emerged as a new specialized activity along with production. Marketing has also played an important role in raising and maintaining the living standards of the community.

Moving on to the key factors involved in the marketing process, Vikas spoke about Portfolio Analysis (new and current), diving into Market Penetration, Diversification, Target Market and Product Development and talking about Marketing Mix (4Ps): Product - creates value, Place - delivers value, Price - captures value and finally, Promotion - communicates the value. Vikas also explained the phases of marketing where one should define:

- Business Mission and Objectives in Phase-1,
- Conduct a situation analysis in Phase-2,
- Identify and Evaluate opportunities in Phase-3,
- Implementing Marketing Mix in Phase-4 and lastly,
- Evaluate performance using marketing metrics in Phase-5.

His parting remark was that time is the essence of Marketing - as the digital world has changed customers' expectations drastically, to gain a competitive edge, marketers need to deliver results promptly.

विपणन और मूल्य प्रस्ताव

2 Jan



विकास गुरुगुंटी
Vikas Gurugunti



जागृति यात्रा के बोर्ड सदस्य विकास गुरुगुंटी ने वर्तमान यात्रियों को मार्केटिंग मंत्र दिए। विकास ने कहा कि एक विपणन मानसिकता में मानव मूल्यों, प्रयोग और माइंडफुलनेस पर ध्यान देने के साथ कार्रवाई, कट्टरपंथी सहयोग और शिल्प स्पष्टता के प्रति पूर्वाग्रह जैसे विचार शामिल हैं। इस तरह की मानसिकता से विपणक किसी भी समस्या की गहराई तक पहुंचने में सक्षम होंगे।

कुछ प्रमुख बिंदुओं में शामिल थे कि कैसे कोई भी उत्पाद अच्छी तरह से विपणन करने की आवश्यकता है। विपणन बिक्री के लिए, उद्यम को टिकाऊ और लाभ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण चैनल है। आधुनिक समय में, विपणन एक जटिल और नीरस कार्य बन गया है, और उत्पादन के साथ एक नई विशेष गतिविधि के रूप में उभरा है। विपणन ने समुदाय के जीवन स्तर को बढ़ाने और बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विपणन प्रक्रिया में शामिल प्रमुख कारकों पर आगे बढ़ते हुए, विकास ने पोर्टफोलियो विश्लेषण (नया और वर्तमान), बाजार में प्रवेश, विविधीकरण, लक्ष्य बाजार और उत्पाद विकास और मार्केटिंग मिक्स (4Ps) के बारे में बात की: उत्पाद - मूल्य बनाता है, स्थान - मूल्य बचाता है, मूल्य - मूल्य को पकड़ता है और अंत में, पदोन्नति - मूल्य संचार। विकास ने विपणन के चरणों को भी समझाया:

- बिजनेस मिशन और चरण-1 में उद्देश्य,
- चरण-2 में एक स्थिति विश्लेषण का संचालन,
- चरण-3 में अवसरों की पहचान और मूल्यांकन,
- चरण-4 और अंत में मार्केटिंग मिक्स लागू करना,
- चरण-5 में मार्केटिंग मैट्रिक्स का उपयोग करके प्रदर्शन का मूल्यांकन।

उनकी बिदाई टिप्पणी यह थी कि समय मार्केटिंग का सार है - क्योंकि डिजिटल दुनिया ने ग्राहकों की अपेक्षाओं को काफी बदल दिया है, प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने के लिए, विपणक को तुरंत परिणाम देने की आवश्यकता है।





Business Model Canvas & Biz Gyan Tree Competition



व्यापार मॉडल कैनवस और बिज़ ज्ञान ट्री प्रतियोगिता

Innovation and wonder happen when people are driven together with a sole purpose of bringing a change in the world. Biz Gyan Tree was one such process that offered real-life experience of making an enterprise plan for Middle India while lending exposure to local entrepreneurs of Middle India for validation of ideas.

From laying the first stone towards understanding ground realities till strategizing the business model to be a successful venture, cohorts went through the entire gamut of exploring entrepreneurship. 33 groups were created based on areas of interest, with participants collaboratively conceptualizing and creating businesses plans to address social problem and implement solutions that are scalable and sustainable along one of the following sectors:

1. Agriculture and Agro-Business
2. Arts, Culture and Sports
3. Education
4. Energy and Climate
5. Finance
6. Healthcare
7. Manufacturing
8. Technology
9. Water and Sanitation

नवाचार और आश्चर्य तब होता है जब लोगों को दुनिया में बदलाव लाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ मिलकर संचालित किया जाता है। बिज़ ज्ञान ट्री एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसने विचारों के सत्यापन के लिए मध्य भारत के स्थानीय उद्यमियों को ऋण देते समय मध्य भारत के लिए एक उद्यम योजना बनाने का वास्तविक जीवन अनुभव प्रदान किया।

जमीनी वास्तविकताओं को समझने की दिशा में पहला पत्थर रखने से लेकर व्यवसाय मॉडल को सफल उद्यम बनाने की रणनीति तक, कॉहोर्ट उद्यमशीलता की खोज के पूरे सरगम से गुजरे। 33 समूहों को रुचि के क्षेत्रों के आधार पर बनाया गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने सामाजिक समस्या को संबोधित करने और निम्नलिखित क्षेत्रों में से एक के साथ स्केलेबल और टिकाऊ समाधानों को लागू करने के लिए व्यवसायों की योजनाओं की अवधारणा और निर्माण किया था:

1. कृषि और कृषि-व्यवसाय
2. कला, संस्कृति और खेल
3. शिक्षा
4. ऊर्जा और जलवायु
5. वित्त
6. हेल्थकेअर
7. विनिर्माण
8. प्रौद्योगिकी
9. जल और स्वच्छता

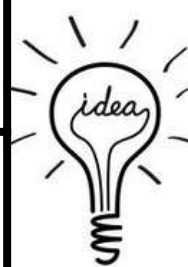


Every group was encouraged to discover business models for special and sustainable value proposition addressing the problems of Middle India. And a difficult week of endless discussions, brainstorming and debates about decrypting the issues of Middle India resulted in several innovative concepts & models to resolve some serious issues existing in rural areas. Despite technical issues, all teams successfully pitched their business ideas within a prescribed time limit after which the expert panel shared their feedback and suggestions. A brief of business models proposed are given as follows:

Title	BGT idea in a nutshell
Agriculture and Agro-Business	
Sprouting Farms	Works with existing farmers at village-level to grow natural, chemical-free produce and make it available by using zero budget multi layered natural farming techniques.
Healthy Harvest	An enterprise addressing Soybean producing problems while giving multiple healthy diet options to the public.
Papa-e Enterprise	Building ecosystem around Papaya to prosperity for Deoria farmers with Kisan Centric Approach.
Grow Top	Building Modern Farmers with Grow-plane – Energy efficient, Climate resilient and Fully Automated closed hydroponic grow shed.
Krushvi Vikas	Milk & More – a platform to ease month-end calculation of everyday household needs + Krushi Vikas – an automated Billing system.

प्रत्येक समूह को मध्य भारत की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष और स्थायी मूल्य प्रस्ताव के लिए व्यावसायिक मॉडल खोजने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। और मध्य भारत के मुद्दों को डिफ्रिक्ट करने के बारे में अंतहीन चर्चाओं, मंथन और बहस के एक कठिन सप्ताह के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद कुछ गंभीर मुद्दों को हल करने के लिए कई नवीन अवधारणाएं और मॉडल विकसित हुए। तकनीकी मुद्दों के बावजूद, सभी टीमों ने एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने व्यावसायिक विचारों को सफलतापूर्वक पूरा किया जिसके बाद विशेषज्ञ पैनल ने अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव साझा किए। प्रस्तावित व्यवसाय मॉडलों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

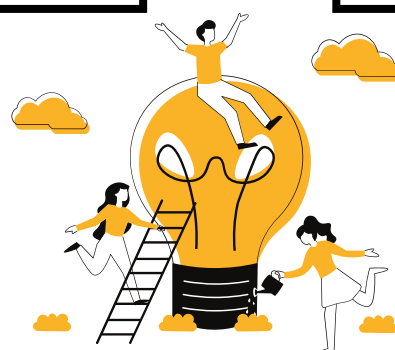
शीर्षक	संक्षेप में बीजीटी विचार
कृषि और कृषि-व्यवसाय	
स्पाउटिंग फार्म्स	प्राकृतिक, रासायनिक मुक्त उपज विकसित करने और शून्य बजट बहु-स्तरीय प्राकृतिक खेती तकनीकों का उपयोग करके इसे उपलब्ध कराने के लिए ग्राम स्तर पर मौजूदा किसानों के साथ काम करता है।
हेल्दी हार्वेस्ट	सोयाबीन को संबोधित करने वाला एक उद्यम जनता को कई स्वस्थ आहार विकल्प देते हुए समस्याओं का उत्पादन करता है।
पापा-ई एंटरप्राइज़	किसान केंद्रित दृष्टिकोण के साथ देवरिया किसानों के लिए समृद्धि के लिए पपीते के आसपास पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण।
ग्रो टॉप	ग्रो-प्लेन के साथ आधुनिक किसानों का निर्माण - ऊर्जा कुशल, जलवायु लचीला और पूरी तरह से स्वचालित बंद हाइड्रोपोनिक शेड विकसित करते हैं।
कृषि विकास	दूध और अधिक - रोजमर्रा की घरेलू जरूरतों की महीने के अंत की गणना को आसान बनाने के लिए एक मंच + कृषि विकास - एक स्वचालित बिलिंग प्रणाली।





Title	BGT idea in a nutshell
Arts, Culture and Sports	
Desh Wedesh	Creating a sustainable marketplace for artisans -Banana fiber based craft products.
Kashti India	A business model aiming at hassle free experience of travelling in India with special attention to women safety.
Aaskra	An ecofriendly solution on biodegradable tableware made from agricultural stubble - made with cost effective natural ingredients.
Purv-Aranya	Bolstering the artisans of Deoria through a marketplace with a fine blend of skill development and overall wellness.
Khelalaya	Infusing sports culture and achieving sports excellence through mass opportunities, talent identification and participation of women.
Tribal Haat	Uplifting local artisans by skilling artisans and students and overall development of art in rural areas.

Title	BGT idea in a nutshell
कला, संस्कृति और खेल	
देश विदेश	कारिगरों के लिए एक स्थायी बाजार बनाना-केला फाइबर आधारित शिल्प उत्पाद।
कश्ती इंडिया	एक व्यापार मॉडल जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए भारत में यात्रा करने का परेशानी मुक्त अनुभव है।
आस्करा	लागत प्रभावी प्राकृतिक अवयवों से बने कृषि स्टबल से बने बायोडिग्रेडेबल टेबलवेयर पर एक पारिस्थितिक समाधान।
पूरव-अरण्य	कौशल विकास और समग्र कल्याण के एक अच्छे मिश्रण के साथ एक बाजार के माध्यम से देवरिया के कारिगरों को मजबूत करना।
खेलालय	खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और बड़े पैमाने पर अवसरों, प्रतिभा पहचान और महिलाओं की भागीदारी के माध्यम से खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना।
ट्राइबल हाट	कारिगरों और छात्रों को कुशल बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में कला के समग्र विकास के द्वारा स्थानीय कारिगरों का उत्थान।





Title	BGT idea in a nutshell
Education	
WE	Elevating the value of art & culture by bridging the gap between patrons and artisans through education, creation and innovation.
Leap Academy	Platform helping students and unemployed youth land jobs through skill building and connections.
Learn 4 Life	Quality education for all through an affordable digital platform with engaging video contents in local languages to make education inclusive.
Shiksham	Transforming the rural ecosystem of education and bringing equality by enhanced learning through digital mediums.
Adhunik Gurukul	Holistic individual development, Digital and Financial literacy by providing training, internships and counseling.
IndiKart	Providing online skill based courses to empower and educate people for enhanced lifestyles.

शीर्षक	संक्षेप में बीजीटी विचार
शिक्षा	
वी	शिक्षा, सृजन और नवाचार के माध्यम से संरक्षकों और कारीगरों के बीच अंतर को पाटने के द्वारा कला और संस्कृति के मूल्य को बढ़ाना।
लीप अकादमी	कौशल निर्माण और कनेक्शन के माध्यम से छात्रों और बेरोजगार युवाओं को नौकरियों में मदद करने वाला मंच।
लर्न 4 लाइफ़	शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं में वीडियो सामग्री को आकर्षक बनाने के साथ एक किफायती डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।
शिक्षम	शिक्षा के ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन और डिजिटल माध्यमों के माध्यम से सीखने को बढ़ाकर समानता लाना।
आधुनिक गुरुकुल	प्रशिक्षण, इंटरनशिप और परामर्श प्रदान करके समग्र व्यक्तिगत विकास, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता।
इंडिकार्ट	उन्नत जीवन शैली के लिए लोगों को सशक्त और शिक्षित करने के लिए ऑनलाइन कौशल आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करना।



Title	BGT idea in a nutshell
Health	
Saksham	Address Mental Health issues and needs of people affected by it.
Dant Pari	An ecosystem of high-quality, affordable and accessible oral healthcare treatment services in tier-2/tier-3 cities and rural areas, training women and other marginalized community members in the field of Dental Auxiliary.
Sanjeeva	TA nutrition supplement science based chemistry (Based on Ayurvedic principles of Pathya i.e. Diet)

Manufacturing	
Sugandhapatra	Manufacture Natural Wellness & Lifestyle products from Eucalyptus.
Farm 2 Fashion	Chemical-free home furnishing products to eliminate skin disease.
Prasuvam-Big Pvt. Ltd.	Sustainable & durable packaging solutions made from Agro-waste, which are eco-friendly and organically decomposable.

शीर्षक	संक्षेप में बीजीटी विचार
स्वास्थ्य	
सक्षम	मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और इससे प्रभावित लोगों की जरूरतों को संबोधित करता है।
दन्त परी	दंत चिकित्सा सहायक के क्षेत्र में टीयर -2 / टियर -3 शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता, सस्ती और सुलभ मौखिक स्वास्थ्य देखभाल उपचार सेवाओं का एक पारिस्थितिकी तंत्र, महिलाओं और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदाय के सदस्यों को प्रशिक्षित करना।
संजीवा	एक पोषण पूरक विज्ञान आधारित रसायन विज्ञान (पथया यानी आहार के आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित)

विनिर्माण	
सुगंधापात्रा	नीलगिरी से प्राकृतिक कल्याण और जीवन शैली के उत्पादों का निर्माण।
फार्म 2 फैशन	रासायनिक मुक्त घर प्रस्तुत उत्पादों त्वचा रोग को खत्म करने के लिए.
प्रसुवम्-बिग प्रा. लि.	कृषि-अपशिष्ट से बने टिकाऊ और टिकाऊ पैकेजिंग समाधान, जो पर्यावरण के अनुकूल और व्यवस्थित रूप से विघटित हैं।



Title	BGT idea in a nutshell
Technology	
Agro Smart	Platform to enable farmers and local supply-chain to get a fair price by assisting them in the value chain and connecting them with the large agro-businesses.
Viraskriti	A social networking platform to preserve our culture and heritage with the facility to monetize the work and claim ownership by the authors.
Travelikigai	Minimize the impact of problems overlooked or ignored by the travel industry and create a sustainable marketplace, IkiMart.
Ready	Tech based B2B platform helping artisans make their products export ready and enabling their product presence in the global market by promoting discoverability and hassle-free sourcing.

Water & Sanitation	
Sanjeevani	A women empowering enterprise providing a solution for menstrual hygiene problems faced by women in rural India.

शीर्षक	संक्षेप में बीजीटी विचार
प्रौद्योगिकी	
एग्रो स्मार्ट	किसानों और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मूल्य श्रृंखला में सहायता करके और बड़े कृषि व्यवसायों के साथ जोड़कर उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए मंच।
विरसकृति	एक सामाजिक नेटवर्किंग मंच हमारी संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए सुविधा के साथ काम का मुद्राकरण करने और लेखकों द्वारा स्वामित्व का दावा करने के लिए।
ट्रैवलिकिगाई	अनदेखी या यात्रा उद्योग द्वारा नजरअंदाज कर दिया समस्याओं के प्रभाव को कम करने और एक स्थायी बाजार बनाने, इकिमार्ट।
रेडी	टेक आधारित बी2बी प्लेटफॉर्म कारीगरों को अपने उत्पादों को निर्यात करने में मदद करता है और डिस्कोवर्बिलिटी और परेशानी मुक्त सोर्सिंग को बढ़ावा देकर वैश्विक बाजार में अपने उत्पाद की उपस्थिति को सक्षम बनाता है।

जल और स्वच्छता	
संजीवनी	ग्रामीण भारत में महिलाओं के सामने मासिक धर्म स्वच्छता समस्याओं का समाधान प्रदान करने वाली एक महिला सशक्तिकरण उद्यम।





Title	BGT idea in a nutshell
Energy and Climate	
Planet Keepers	A Waste-Management Enterprise with an integrated approach to provide sustainable and innovative waste management solution with emphasis on cleaner and greener environment
Green Stock	A sustainable enterprise to help small farmers reduce their vulnerability to the changing climate and post-harvest losses through an energy efficient and climate resilient solution.

Finance	
Money Plant	Financial literacy and a one stop hassle-free financial solution for small businesses to help them gain access to quality financial services with minimal cost.
Setu Enterprise	Local opportunities and impact every organization by providing demand analysis, revenue streams and product trends services.

शीर्षक	संक्षेप में बीजीटी विचार
ऊर्जा और जलवायु	
प्लानेट कीपर्ज	स्वच्छ और हरित पर्यावरण पर जोर देते हुए टिकाऊ और अभिनव कचरा प्रबंधन समाधान प्रदान करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण के साथ एक कचरा प्रबंधन उद्यम
ग्रीन स्टॉक	एक टिकाऊ उद्यम जो छोटे किसानों को ऊर्जा कुशल और जलवायु प्रतिरोधी समाधान के माध्यम से बदलते जलवायु और फसल के बाद के नुकसान के प्रति अपनी भेद्यता को कम करने में मदद करता है।

वित्त	
मनी प्लांट	वित्तीय साक्षरता और छोटे व्यवसायों के लिए परेशानी मुक्त वित्तीय समाधान, न्यूनतम लागत के साथ गुणवत्तापूर्ण वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करने के लिए।
सेतु एंटरप्राइज	स्थानीय अवसर और मांग विश्लेषण, राजस्व धाराओं और उत्पाद रुझान सेवाएं प्रदान करके हर संगठन को प्रभावित करते हैं।





BGT Winners/ बीजीटी के विजेता

BGT-2: HEALTHY HARVEST

Agri-service providers manipulate regional farmers (Case study: Nizamabad & Adilabad - Telangana) with low purchase price on yields, for which a solution was proposed, focusing on traditional crops like soybean. The company would offer to buy the soya beans from the farmers and provide them with compensation through an e-marketplace, and aims to set up a food processing unit to manufacture healthy products like- soymilk, soy nuggets and other soy products from the purchased soya beans. The start-up idea focused on targeting oil and cattle feed manufacturers and customers of tier-1 and tier-2 cities to generate revenue. On funding, the initial plan was for bootstrapping; as farming clusters developed, loans through Government schemes would be explored.

BGT-11: LEAP ACADEMY

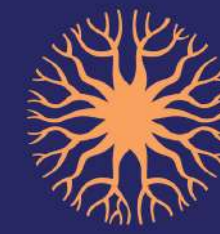
Higher education leaves students with an aggregate of \$1.5 trillion of student loans, but only a trace of their tuition is funnelled into career placement services, with curriculums designed in an academic vacuum and creating a need to update the education system with job readiness. This is where Leap Academy comes in. Leap Academy is positioned as a result-driven and career-focused education platform with a mission to skill India's untapped talent by training them for in-demand jobs. This platform would help with career mapping to improve employability, helping college students and unemployed youth of tier-2, tier-3 cities through coaching, career-building skills and job opportunities, providing industry exposure and mentoring. The fees for this programme would be paid after the student gets employed.

बीजीटी-2: हेल्दी हार्वेस्ट

कृषि-सेवा प्रदाता क्षेत्रीय किसानों में हेरफेर करते हैं (केस स्टडी: निजामाबाद और आदिलाबाद - तेलंगाना) पैदावार पर कम खरीद मूल्य के साथ, जिसके लिए सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक समाधान प्रस्तावित किया गया था। कंपनी किसानों से सोयाबीन खरीदने और उन्हें ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से मुआवजे के साथ प्रदान करने की पेशकश करेगी, और खरीदी गई सोया सेम से सोया दूध, सोया डली और अन्य सोया उत्पादों जैसे स्वस्थ उत्पादों के निर्माण के लिए एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करना है। स्टार्ट-अप विचार राजस्व उत्पन्न करने के लिए तेल और मवेशी फ़ीड निर्माताओं और टियर -1 और टियर -2 शहरों के ग्राहकों को लक्षित करने पर केंद्रित था। फंडिंग पर, प्रारंभिक योजना बूटस्ट्रेपिंग के लिए थी; जैसे-जैसे कृषि क्लस्टर विकसित होंगे, सरकारी योजनाओं के माध्यम से ऋण का पता लगाया जाएगा।

बीजीटी-11: लीप अकादमी

उच्च शिक्षा छात्रों को \$ 1.5 ट्रिलियन के छात्र ऋण के एक समुच्चय के साथ छोड़ देती है, लेकिन केवल उनके शिक्षण का एक निशान कैरियर प्लेसमेंट सेवाओं में फंसाया जाता है, जिसमें पाठ्यक्रम एक शैक्षणिक वैक्यूम में डिज़ाइन किए गए हैं और शिक्षा प्रणाली को नौकरी की तत्परता के साथ अद्यतन करने की आवश्यकता है। यहीं लीप अकादमी आता है। लीप अकादमी एक परिणाम संचालित और करियर-केंद्रित शिक्षा मंच के रूप में स्थित है, जो भारत की अप्रयुक्त प्रतिभाओं को इन-डिमांड नौकरियों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एक मिशन के साथ है। यह मंच रोजगार में सुधार, कॉलेज के छात्रों और टियर -2, टियर -3 शहरों के बेरोजगार युवाओं को कोचिंग, कैरियर-निर्माण कौशल और नौकरी के अवसरों के माध्यम से मदद करने, उद्योग के जोखिम और सलाह प्रदान करने के लिए कैरियर मैपिंग के साथ मदद करेगा। इस कार्यक्रम के लिए फीस का भुगतान छात्र के रोजगार के बाद किया जाएगा।



JAGRITI
DIGITAL YATRA



Agriculture / कृषि और
कृषि-व्यवसाय



Education / शिक्षा





BGT Winners/ बीजीटी के विजेता

BGT-12: TRIBAL HAAT

The campaign 'vocal for local' is not new in India and existed right from the Gandhian era. In recent times too, the government reiterated the concept, urging people to purchase handmade products from indigenous artisans and craftsmen. The project aimed to uplift the artisans who create local handmade products yet do not get a fair reward. It was a business model planned in and around the state of Jharkhand to create an ecosystem to uplift the artisans who are working towards developing local products by enhancing their skills and helping them reach a wider sustainable market, aimed at addressing issues such as the annual migration of 5% of the working groups to cities to earn a better living by introducing skill development courses along with the tribal culture in the school curriculum, helping them display their work digitally and share the profit with the artisans directly

BGT-20: PLANET KEEPERS

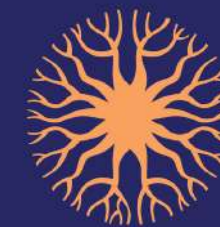
With an aim of working for a sustainable and waste-free society, the group outlined key aspects of waste management solutions through the integration of various levels of the society with graphics and flow charts. They claimed to address the existing lacunae by being a consulting firm providing end-to-end solutions in waste management. They also analyzed risk factors and the finances proving their enterprise as sustainable and of significant use.

बीजीटी-12: ट्राइबल हाट

'स्थानीय के लिए मुखर' अभियान भारत में नया नहीं है और गांधीवादी युग से ही अस्तित्व में है। हाल के समय में भी सरकार ने इस अवधारणा को दोहराया और लोगों से स्वदेशी कारीगरों और शिल्पकारों से हस्तनिर्मित उत्पाद खरीदने का आग्रह किया। इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय हस्तनिर्मित उत्पादों को बनाने वाले कारीगरों के उत्थान के लिए है, जिन्हें उचित इनाम नहीं मिला है। यह झारखंड राज्य में और उसके आसपास नियोजित एक व्यवसाय मॉडल था, जो कारीगरों का उत्थान करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए था जो अपने कौशल को बढ़ाकर स्थानीय उत्पादों को विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं और उन्हें एक व्यापक टिकाऊ बाजार तक पहुंचने में मदद कर रहे हैं - जिसका उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम में आदिवासी संस्कृति के साथ-साथ कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करके बेहतर जीवन यापन करने के लिए शहरों को होने वाले 5% वार्षिक प्रवास जैसे मुद्दों को संबोधित करना है।

बीजीटी-20: प्लानेट कीपर्स

एक स्थायी और अपशिष्ट मुक्त समाज के लिए काम करने के उद्देश्य से, समूह ने ग्राफिक्स और प्रवाह-चार्ट के साथ समाज के विभिन्न स्तरों के एकीकरण के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन समाधान के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन में एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने वाली एक परामर्श फर्म होने के नाते मौजूदा खामियों को संबोधित करने का दावा किया। उन्होंने जोखिम कारकों और अपने उद्यम को टिकाऊ और महत्वपूर्ण उपयोग के रूप में साबित करने वाले वित्त का भी विश्लेषण किया।



JAGRITI
DIGITAL YATRA



Arts, Culture & Sports /
कला, संस्कृति और खेल



Energy & Climate /
ऊर्जा और जलवायु





BGT Winners/ बीजीटी के विजेता

BGT-22: MONEY PLANT

The USP for Money Plant, a proposed one-stop solution for the financial services for SMEs, was to provide everything related to business finance under one roof. Though various FinTech companies are working in this domain, they are all scattered and lagging in one or two of the three essential services: digital account keeping, financial compliance and financial report card. The emphasis on creating a financial literacy environment in the semi-urban cities is another aspect that would differentiate Money Plant from competitors. Though there are a lot of challenges with respect to reliability, trust, the low willingness of people to pay, expansion beyond the Deoria region, which Money Plant would tackle one at a time. This startup would not only help connect local youth but will help to create more opportunities for the generations.

BGT-30: AGROSMART (E-MANDI)

Agro Smart envisioned bridging the gap between farmers and agro farm businesses through the development of collection and distribution centres for farm produce in villages, and in the districts. The proposed ecosystem would enable the introduction of large agro farm companies directly to the local farmers with physical and digital infrastructure. The platform promised a credible supply chain, quick payments, fair price, long-term business commitments between local farmers and agro-businesses, care of warehouse facilities to store farm produce, and also offer to package. It would digitize inventory updates to lend information to farmers on the crop demand, and was inspired by the Hyper Pure tag model of Zomato which focuses on quality check.

बीजीटी-22: मनी प्लांट

एसएमई के लिए वित्तीय सेवाओं के लिए एक प्रस्तावित वन-स्टॉप समाधान, मनी प्लांट की यूएसपी, एक छत के नीचे व्यापार वित्त से संबंधित सब कुछ प्रदान करना था। हालांकि इस क्षेत्र में विभिन्न फिनटेक कंपनियां काम कर रही हैं, वे सभी तीन आवश्यक सेवाओं में से एक या दो में बिखरे हुए हैं: डिजिटल खाता रखने, वित्तीय अनुपालन और वित्तीय रिपोर्ट कार्ड। अर्ध-शहरी शहरों में वित्तीय साक्षरता वातावरण बनाने पर जोर एक और पहलू है जो प्रतियोगियों से मनी प्लांट को अलग करेगा। हालांकि विश्वसनीयता, विश्वास, भुगतान करने के लिए लोगों की कम इच्छा, देवरिया क्षेत्र से परे विस्तार के संबंध में बहुत सारी चुनौतियां हैं, जो मनी प्लांट एक समय में एक से निपटेंगे। यह स्टार्टअप न केवल स्थानीय युवाओं को जोड़ने में मदद करेगा बल्कि पीढ़ियों के लिए और अधिक अवसर पैदा करने में मदद करेगा।

बीजीटी-30: एग्रोस्मार्ट (ई-मंडी)

एग्रो स्मार्ट ने गांवों और जिलों में कृषि उपज के लिए संग्रह और वितरण केंद्रों के विकास के माध्यम से किसानों और कृषि कृषि व्यवसायों के बीच अंतर को पूरा करने की कल्पना की। प्रस्तावित पारिस्थितिकी तंत्र बड़ी कृषि फार्म कंपनियों को सीधे स्थानीय किसानों को भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ पेश करने में सक्षम होगा। मंच ने एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला, त्वरित भुगतान, उचित मूल्य, स्थानीय किसानों और कृषि व्यवसायों के बीच दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं और कृषि उपज को स्टोर करने के लिए गोदाम सुविधाओं की देखभाल करने और पैकेजिंग की पेशकश करने का वादा किया। यह फसल की मांग पर किसानों को जानकारी देने के लिए इन्वेंट्री अपडेट को डिजिटल करेगा, और ज़ोमैटो के हाइपर प्योर टैग मॉडल से प्रेरित था जो गुणवत्ता जांच पर केंद्रित है।



JAGRITI
DIGITAL YATRA



Finance / वित्त



Technology / प्रौद्योगिकी





BGT Winners/ बीजीटी के विजेता

BGT-31: READY

Ready is a proposed tech-based B2B platform to help artisans make their products export-ready and enable their presence in the global market, promoting local artisanal craft products by easing international trade and promoting discoverability with hassle-free sourcing. Along with the e-commerce platform, the commission-based revenue model start-up planned to build a strong supply chain.

बीजीटी-31: रेडी

रेडी एक प्रस्तावित तकनीक-आधारित बी 2 बी प्लेटफॉर्म है, जो कारीगरों को अपने उत्पादों को निर्यात-तैयार करने में मदद करता है और वैश्विक बाजार में उनकी उपस्थिति को सक्षम करता है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाकर स्थानीय कारीगर शिल्प उत्पादों को बढ़ावा देता है और परेशानी मुक्त सोर्सिंग के साथ खोज को बढ़ावा देता है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ, कमीशन-आधारित राजस्व मॉडल स्टार्ट-अप ने एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की योजना बनाई।

BGT-33: SANJEEVANI

Only 36% of India's 355 million menstruating females use sanitary napkins, and the rest use alternatives like old rags, and even mud, soil, newspapers and socks. Over 23 million girls drop out of school each year at the menstruating age, and a lot of them cannot afford sanitary napkins. Sanjeevani is a women-empowering enterprise that would provide a reusable, cheaper and eco-friendly solution, providing jobs to women while cutting the cost of each sanitary napkin by two-thirds. The key focus would be on easy availability, better quality, and more affordable sanitary napkins, empowering women and breaking the stigma around sanitary napkins.

बीजीटी-33: संजीवनी: हमसे ही जीवन है

भारत की 355 मिलियन मासिक धर्म वाली महिलाओं में से केवल 36% सैनिटरी नैपकिन का उपयोग करती हैं, और बाकी पुराने रैग, और यहां तक कि मिट्टी, समाचार पत्र और मोजे जैसे विकल्पों का उपयोग करती हैं। मासिक धर्म की उम्र में हर साल 23 मिलियन से अधिक लड़कियां स्कूल से छोड़ देती हैं, और उनमें से बहुत से सैनिटरी नैपकिन नहीं खरीद सकते हैं। संजीवनी एक महिला-सशक्तीकरण उद्यम है जो पुनः प्रयोज्य, सस्ता और पर्यावरण अनुकूल समाधान प्रदान करेगा, जो प्रत्येक सैनिटरी नैपकिन की लागत को दो-तिहाई तक कम करते हुए महिलाओं को रोजगार प्रदान करेगा। इसमें आसान उपलब्धता, बेहतर गुणवत्ता और अधिक किफायती सैनिटरी नैपकिन, महिलाओं को सशक्त बनाने और सैनिटरी नैपकिन के आसपास के कलंक को तोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।



Technology / प्रौद्योगिकी



Water & Sanitation /
जल और स्वच्छता





BGT Winners Overall/ समग्र बीजीटी विजेता

BGT-28: PRASUVM-BIG

The idea was to provide eco-friendly sustainable packaging solutions by converting agro-waste to packaging products that would be recycled & biodegradable, moreover helping with employment generation in Middle India. A wide range of products was featured, like paper boxes, envelopes, honeycomb paper rolls and corrugated rolls, with which a highly profitable revenue model base was suggested to capture a largely untapped market and improve the process of creating, delivering and capturing value through their products and processes. The vision highlighted the opportunity for India to step towards sustainability, reducing the import bills and diversification of assets, both money and resources.

बीजीटी-28: प्रसुवम्-बिग प्रा. लि.

यह विचार कृषि-अपशिष्ट को पैकेजिंग उत्पादों में परिवर्तित करके पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ पैकेजिंग समाधान प्रदान करना था, जो कि पुनर्नवीनीकृत और बायोडिग्रेडेबल होंगे, इसके अलावा मध्य भारत में रोजगार सृजन में मदद करेंगे। उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को चित्रित किया गया था, जैसे पेपर बॉक्स, लिफाफे, हनीकॉम्ब पेपर रोल और नालीदार रोल, जिसके साथ एक अत्यधिक लाभदायक राजस्व मॉडल आधार को बड़े पैमाने पर अप्रयुक्त बाजार पर कब्जा करने और बनाने, वितरित करने और अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं के माध्यम से मूल्य प्राप्त करने का सुझाव दिया गया था। इस दृष्टिकोण ने भारत के लिए सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ाने, आयात बिलों में कमी लाने और धन और संसाधनों दोनों की परिसंपत्तियों के विविधीकरण के अवसर पर प्रकाश डाला।



PRASUVM-BIG PVT. LTD

CREATION OF WEALTH FROM WASTE

Packaging is a key ingredient for any of the products to be a success so we have brought sustainable packaging solutions which are eco-friendly, decomposable organically, and made out of agro-waste with strong durability so the product inside does not get damaged.

Manufacturing / विनिर्माण





Mumbai Dabbawala

Since it was the first ACCC session, there were mixed feelings of confusion and excitement at the same time. A six sigma level error rate with no use of complex technology was unbelievable. It was apparent that if devotion and first-principles solutions are integrated into business, the chance of error is very low. And that there are several ways to boost business by introducing new products or new technologies, provided the beliefs and heritage are unharmed by the ideas.

Aravind Eye Care

"If Coca-Cola can sell billions of sodas and McDonald's can sell billions of burgers, why can't Aravind sell millions of sight-restoring operations, and, eventually, the belief in human perfection?" Two years before his retirement, Dr. V had visited a McDonald's restaurant for the first time and was inspired by the fast-food chain's business model. He had the vision to eliminate needless blindness, and he decided he was going to 'sell' people good eyesight the same way McDonald's sells hamburgers. An insightful learning and analyzing of one's role model, not just stating their strengths but also weaknesses and knowing the opportunities and the threats. "One can do "Aravindeyeization" of one's vision."

AC Chair Car Presentation/ एसीसीसी सत्र



26 Dec

मुंबई डब्बावाला

चूंकि यह पहला एसीसीसी सत्र था, इसलिए एक ही समय में भ्रम और उत्तेजना की मिश्रित भावनाएं थीं। जटिल प्रौद्योगिकी के उपयोग के बिना छह सिग्मा स्तर की त्रुटि दर अविश्वसनीय थी। यह स्पष्ट था कि यदि भक्ति और प्रथम-सिद्धांत समाधान व्यवसाय में एकीकृत होते हैं, तो त्रुटि की संभावना बहुत कम होती है। और यह कि नए उत्पादों या नई तकनीकों को पेश करके व्यवसाय को बढ़ावा देने के कई तरीके हैं, बशर्ते कि विश्वास और विरासत विचारों से अप्रभावित हों।

Ritesh Andre / रितेश आंद्रे

Mumbai Dabbawala /
मुंबई डब्बावाला



29 Dec

अरविंद आई केयर

अगर कोका-कोला अरबों सोडा बेच सकता है और मैकडॉनल्ड्स अरबों बर्गर बेच सकता है, तो अरविंद लाखों दृष्टि-पुनर्स्थापना ऑपरेशन और आखिरकार, मानव पूर्णता में विश्वास क्यों नहीं बेच सकता है?" अपनी सेवानिवृत्ति से दो साल पहले, डॉ वी ने पहली बार मैकडॉनल्ड्स के रेस्तरां का दौरा किया था और फास्ट-फूड चेन के बिजनेस मॉडल से प्रेरित थे। उनके पास अनावश्यक अंधापन को खत्म करने की दृष्टि थी, और उन्होंने फैसला किया कि वह लोगों को अच्छी दृष्टि बेचने जा रहे थे, उसी तरह जैसे मैकडॉनल्ड्स हैम्बर्गर बेचता है। एक व्यावहारिक सीख और किसी के रोल मॉडल का विश्लेषण कर, न केवल उनकी ताकत बल्कि कमजोरियों और अवसरों और खतरों को जान कर "कोई अपनी दृष्टि का अरविंदाईज़ेशन" कर सकता है।"

DR. Govindappa Venkataswamy /
डॉ. गोविंदप्पा वेंकटस्वामी

Arvind Eye Care Hospital /
अरविंद आई केयर हॉस्पिटल





SELCO

SELCO uses a "bottom-up" method to help rural populations with little or no knowledge about technology or products sold to them, where the company's R&D wing proves that innovation can help its users more efficiently not just to the product/technology that they produce but also to the financial structure of these products. This social organization's belief is straightforward, and helps it maximize partnerships with private, governmental organizations and nonprofit organizations. The organization does have a few limitations though, with the name not very well known, with their presence in only 5 states.

Akshaya Patra

A hungry belly has no ears. With the mind of a corporate and heart of a social enterprise, the foundation strives to eliminate classroom hunger and malnutrition by implementing the "Mid-Day Meal" scheme in government and government-aided schools, distributing wholesome meals to millions of students every day to provide them nourishment while urging families to keep them in school. Quality meals and product innovation and a swift and efficient delivery system have helped Akshaya Patra deliver a huge impact year after year. The foundation has a collaborative model, partnering with government, retail chains and trash disposal firms, which inspired a UK foundation to emulate Akshaya Patra's model to eradicate child poverty.

AC Chair Car Presentation/ एसीसीसी सत्र

सेल्को

सेल्को ग्रामीण आबादी जिन्हें बेची गई तकनीक या उत्पादों के बारे में बहुत कम या कोई ज्ञान नहीं है, की मदद करने के लिए एक "बॉटम-अप" विधि का उपयोग करता है। कंपनी का आर & डी विंग साबित करता है कि नवाचार से न केवल आप अपने उपयोगकर्ताओं को उत्पाद / प्रौद्योगिकी के लिए अधिक कुशलता से मदद कर सकते हैं, बल्कि इन उत्पादों की वित्तीय संरचना के लिए भी। इस सामाजिक संगठन का विश्वास सीधा है, और यह निजी, सरकारी संगठनों और गैर-लाभकारी संगठनों के साथ साझेदारी को अधिकतम करने में मदद करता है। हालांकि संगठन की कुछ सीमाएँ हैं- वे एक लोकप्रिय नाम नहीं हैं और केवल 5 राज्यों में उनकी उपस्थिति है।

अक्षय पात्र

भूखे भजन न होय गोपाला । एक सामाजिक उद्यम के दिल और एक कॉर्पोरेट के दिमाग के साथ, यह संस्थान सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में "मिड-डे मील" योजना को लागू करके कक्षा की भूख और कुपोषण को खत्म करने का प्रयास करती है, लाखों छात्रों को पौष्टिक भोजन वितरित करती है ताकि उन्हें पोषण प्रदान किया जा सके, परिवारों से उन्हें स्कूल में रखने का आग्रह करते हुए। गुणवत्तापूर्ण भोजन और उत्पाद नवाचार और एक तेज और कुशल वितरण प्रणाली ने अक्षय पात्र को साल दर साल एक बड़ा प्रभाव देने में मदद की है। फाउंडेशन में एक सहयोगी मॉडल है, जो सरकार, रिटेल चेन और कचरा निपटान फर्मों के साथ साझेदारी करता है, जिसने बाल गरीबी को मिटाने के लिए अक्षय पात्र के मॉडल का अनुकरण करने के लिए यूके फाउंडेशन को प्रेरित किया।



JAGRITI
DIGITAL YATRA

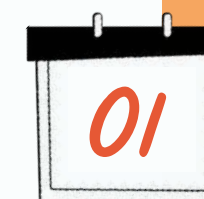


31 Dec



Dr. Harish Hande / डॉ हरीश हांडे

Selco - India / सेल्को - भारत



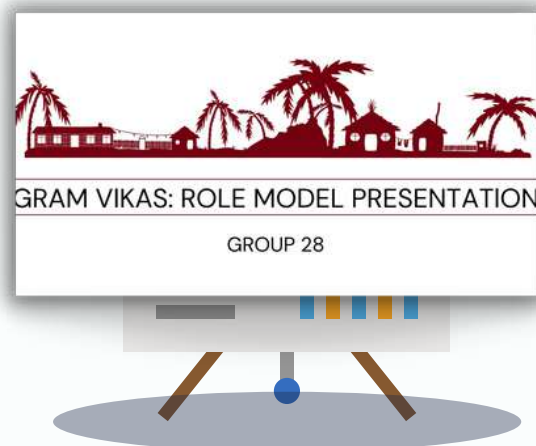
01 Jan



Shridhar Venkat / श्रीधर वेंकट

Akshaya Patra / अक्षय पात्र





Gram Vikas

‘Gram Vikas’ (translation: Rural Development) located in Odisha State is one such non-profit organization that stands true to its name. The core vision of Gram Vikas is to be independent and self-sufficient, with the aim of cost sharing and sustainability. Their mission is to provide or improve the status of basic needs to the poor. With a mantra of ‘equitable inclusion’ aligning people to work together and make their life better, Gram Vikas works on betterment of the overall lifestyle of rural communities that includes water, sanitation & hygiene, education, women empowerment, disaster management, inclusively helping everyone from a senior citizen to a small child.

AC Chair Car Presentation/ एसीसीसी सत्र

ग्राम विकास

‘ग्राम विकास’ एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है जो इसके नाम के अनुरूप है। ग्राम विकास का मुख्य उद्देश्य लागत साझेदारी और स्थिरता के उद्देश्य से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर होना है। उनका मिशन गरीबों को बुनियादी जरूरतों की स्थिति प्रदान करना या सुधारना है। लोगों को एक साथ काम करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए समतामूलक समावेश के मंत्र के साथ, ग्राम विकास ग्रामीण समुदायों की समग्र जीवन शैली की बेहतरी पर काम करता है जिसमें जल, स्वच्छता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आपदा प्रबंधन शामिल हैं, जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक से लेकर एक छोटे बच्चे तक सभी की मदद करना शामिल है।



Jan



Joe Madiath / जो मदियाथ

Gram Vikas / ग्राम विकास





Jagriti Enterprise Mela (JEM) is a virtual expo of enterprises that work with a social focus on diverse themes of education, agriculture, health among others and address challenges that hinder societal development, inclusion and empowerment!

Name	Description
Vesatogo Innovations	Enterprise re-imagining the rural agrarian ecosystem and enhance the livelihood of farmers by working on a shareable economy through developing effective software products.
KPL MACTS	Promote various income generating and skill development activities among self-help groups and arrange entrepreneurship development programs.
Bee Basket	A social enterprise providing Raw, Natural and Non-violent honey in its purest form.
Pacify Medical	Advancing the standard of care for burn patients with a technology platform that sprays skin tissue on wounds for fast recovery.
Vishnu Dental Community Outreach	Provide quality dental care affordable and accessible to rural India by building a strong network of primary care hospitals and promote oral hygiene awareness.
MedPrime Technologies	A medical device company, dedicated to developing the best, customer-centric solutions for the healthcare needs of the world by developing innovative affordable healthcare solutions, with a focus on patient monitoring, assistive and diagnostic devices.

जागृति उद्यम मेला (जेईएम) उन उद्यमों का एक आभासी एक्सपो है जो शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य के विविध विषयों पर सामाजिक फोकस के साथ काम करते हैं और सामाजिक विकास, समावेश और सशक्तिकरण में बाधा डालने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं।

नाम	विवरण
वेसाटोगो इनोवेशन्स	उद्यम ग्रामीण कृषि परिस्थितिकी तंत्र को फिर से कल्पना और प्रभावी सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करने के माध्यम से एक साझा अर्थव्यवस्था पर काम करके किसानों की आजीविका को बढ़ाने।
केपीएल MACTS	स्व-सहायता समूहों के बीच विभिन्न आय सृजन और कौशल विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की व्यवस्था करना।
बी बास्केट	एक सामाजिक उद्यम जो अपने शुद्ध रूप में कच्चा, प्राकृतिक और अहिंसक शहद प्रदान करता है।
पैसिफायी मेडिकल	तेजी से वसूली के लिए घाव पर त्वचा ऊतक स्प्रे कि एक प्रौद्योगिकी मंच के साथ जला रोगियों के लिए देखभाल के मानक को आगे बढ़ाने।
विष्णु डेंटल कम्युनिटी आउटरीच	प्राथमिक देखभाल अस्पतालों के एक मजबूत नेटवर्क का निर्माण करके और मौखिक स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देकर ग्रामीण भारत के लिए गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा देखभाल सस्ती और सुलभ प्रदान करें।
मेडप्राइम टेक्नोलॉजीज	एक चिकित्सा उपकरण कंपनी, जो रोगी की निगरानी, सहायक और नैदानिक उपकरणों पर ध्यान देने के साथ, अभिनव सस्ती स्वास्थ्य देखभाल समाधान विकसित करके दुनिया की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के लिए सर्वोत्तम, ग्राहक-केंद्रित समाधान विकसित करने के लिए समर्पित है।





Name	Description
Silpakarman	Create place-based value chains in bamboo growing regions that provides sustainable income sources to the resident community and innovate sustainable product alternative for urban consumers.
Indian School of Development Management	An institution founded to create, strengthen and establish Development Management, a domain that transcends the exclusive silos of 'development perspectives' and 'management principles'.
Trestle Labs	Aims to make world's resources inclusive and empowering everyone to achieve their individual and collective aspirations by building assistive technology solutions.
Vidyaroaha	A platform that aims at developing a digital ecosystem for school by simplifying the tedious documentation work at the click of a button and access all the data in real time.
Inclusive Divyangjan Entrepreneur Association	A platform to work on livelihood opportunities for persons with disabilities and enterprises that work with PwDs to enhance employment opportunities, economic and personal well-being, and independence.
Languify	Aims to empower people to become confident English speakers, affordably and effortlessly through real-time, actionable feedback on your grammar, vocabulary, use of filler words, speaking share, and other 15+ key speech areas.

नाम	विवरण
सिल्पकर्मन	बांस के बढ़ते क्षेत्रों में जगह-आधारित मूल्य श्रृंखला बनाएं जो निवासी समुदाय को स्थायी आय स्रोत प्रदान करता है और शहरी उपभोक्ताओं के लिए टिकाऊ उत्पाद विकल्प का नवाचार करता है।
इंडियन स्कूल ऑफ डेवलपमेंट मैनेजमेंट	एक संस्था जो विकास प्रबंधन को बनाने, मजबूत करने और स्थापित करने के लिए स्थापित की गई है, एक डोमेन जो 'विकास दृष्टिकोण' और 'प्रबंधन सिद्धांतों' के अनन्य साइलो को पार करता है।
ट्रेस्टेल लैब्स	विश्व के संसाधनों को समावेशी बनाने और सभी को सशक्त बनाने का उद्देश्य सहायक प्रौद्योगिकी समाधानों का निर्माण करके अपने व्यक्तिगत और सामूहिक आकांक्षाओं को प्राप्त करना है।
विद्यारोहा	एक ऐसा मंच जिसका उद्देश्य एक बटन के क्लिक पर थकाऊ प्रलेखन कार्य को सरल बनाकर स्कूल के लिए एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना और वास्तविक समय में सभी डेटा तक पहुंचना है।
इंक्लूसिव दिव्यांगजन इंटरप्रेन्योर एसोसिएशन	दिव्यांगजनों और उद्यमों के लिए आजीविका के अवसरों पर काम करने का एक मंच जो रोजगार के अवसर, आर्थिक और व्यक्तिगत कल्याण और स्वतंत्रता को बढ़ाने के लिए दिव्यांगजनों के साथ काम करता है।
लैंगुइफायी	वास्तविक समय के माध्यम से लोगों को आश्चर्य अंग्रेजी बोलने वाले, आसानी से और आसानी से सशक्त बनाने का लक्ष्य, आपके व्याकरण, शब्दावली, भराव शब्दों का उपयोग, बोलने वाले शेयर, और अन्य 15 + प्रमुख भाषण क्षेत्रों पर कार्रवाई योग्य प्रतिक्रिया।





Name	Description
Nirnal	The Nirnal Water Filter - Reusable water bottle with integrated disposal filter which is also world's cheapest flexible water purifier that fits for any pet bottles generally available into the market.
Get My Parking	Provider of Interoperable Smart Parking Platform that connects all parking and mobility stakeholders on a common platform who were until now operating in silos.
Respire	An experiential learning initiative changing the way children learn science by enabling them to experience what they know.
MentorX	A platform formulated to educate, empower and elevate and to make people rise by essential guidance and connecting as many people as possible.
Brook & Blooms	Enterprise involved in B2G/B2C model of upcycling worshipped flowers and cow-dung and producing various eco-friendly products.
Eco Cradle	Aims to craft a product range that is purely sustainable & handmade, without causing a single scratch to the planet and to empower people to take control of what products they use in their day-to-day life.
Popup Housing	Aims to provide low-cost housing solution to migrant workers by reducing the cost of construction using a modular design, refurbished industrial shelving materials that can be reinforced with locally available materials instead of cement and bricks.

नाम	विवरण
निर्नल	निर्नल पानी फिल्टर - एकीकृत निपटान फिल्टर के साथ पुनः प्रयोज्य पानी की बोतल जो दुनिया का सबसे सस्ता लचीला पानी शोधक भी है जो आम तौर पर बाजार में उपलब्ध किसी भी पालतू बोतलों के लिए फिट बैठता है।
गैट माई पार्किंग	इंटरऑपरेबल स्मार्ट पार्किंग प्लेटफॉर्म का प्रदाता जो सभी पार्किंग और गतिशीलता हितधारकों को एक सामान्य मंच पर जोड़ता है जो अब तक सिलोस में काम कर रहे थे।
रीस्पायर	एक अनुभवात्मक शिक्षण पहल जो बच्चों को विज्ञान सीखने के तरीके को बदल रही है ताकि वे जो जानते हैं उसका अनुभव कर सकें।
मेंटर एक्स	एक ऐसा मंच जो शिक्षित, सशक्त और उन्नत बनाने तथा लोगों को आवश्यक मार्गदर्शन और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए बनाया गया है।
ब्रुक & ब्लूम्स	अपसाइक्लिंग के बी 2 जी / बी 2 सी मॉडल में शामिल उद्यम फूलों और गाय के गोबर की पूजा करते हैं और विभिन्न पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का उत्पादन करते हैं।
इको क्रेडल	एक उत्पाद श्रृंखला है कि विशुद्ध रूप से टिकाऊ और हाथ से बना है शिल्प के लिए करना है, ग्रह के लिए एक भी खरोंच के कारण के बिना और क्या उत्पादों वे अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में उपयोग का नियंत्रण लेने के लिए लोगों को सशक्त बनाने के लिए।
पॉपअप हाउजिंग	एक मॉड्यूलर डिजाइन, नवीनीकृत औद्योगिक ठंडे बस्ते में डालने वाली सामग्री का उपयोग करके निर्माण की लागत को कम करके प्रवासी श्रमिकों को कम लागत वाले आवास समाधान प्रदान करने का उद्देश्य जिसे सीमेंट और ईंटों के बजाय स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों के साथ प्रबलित किया जा सकता है।





Trestle labs

'Trestle' means 'Support' and with an inventive nature of a laboratory environment, it enables people and communities to unlock their aspirations by building assistive technology solutions. Its product range includes Kibo XS, Kibo Desk and Kibo App. They also have physical stores available across India to buy products and plans across mobile and web interfaces. The company has a wide impact, reaching 30,000+ Kibo app users across 20 states in India, with 2 million+ documents read. It collaborates with various happy stakeholders including IIM Ahmedabad, and has been felicitated with awards like Leaders in Innovation Fellowship 2020.

Mentor X

Mentor X is an initiative where people can connect globally for accessing world-class guidance from professionals, entrepreneurs and highly intellectual people in various fields across the industry. It is an initiative undertaken by Dr. Munish Jindal and Dr. Nancy Juneja. It aims to provide essential and need-based skills through various skill development programs across the globe. The aim of MentorX is to Educate, Empower and Elevate. It is a one-stop solution for all the kids, youth, startups, professionals, women or entrepreneurs to maximize their business potential.

ट्रेस्टेल लैब्स

'ट्रेस्टल' का अर्थ है 'समर्थन' और प्रयोगशाला पर्यावरण की एक आविष्कारशील प्रकृति के साथ, यह लोगों और समुदायों को सहायक प्रौद्योगिकी समाधान बनाकर अपनी आकांक्षाओं को अनलॉक करने में सक्षम बनाता है। इसके उत्पाद रेंज में किबो एक्सएस, किबो डेस्क और किबो ऐप शामिल हैं। उनके पास मोबाइल और वेब इंटरफेस पर उत्पाद और योजना खरीदने के लिए भारत भर में भौतिक स्टोर उपलब्ध हैं। कंपनी का व्यापक प्रभाव है, भारत के 20 राज्यों में 30,000+ किबो ऐप उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गया है, जिसमें 2 मिलियन + दस्तावेज पढ़े गए हैं। यह आईआईएम अहमदाबाद सहित विभिन्न खुश हितधारकों के साथ सहयोग करता है, और नवाचार फैलोशिप 2020 में नेताओं जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

मेंटरएक्स

मेंटर एक्स एक पहल है जहां लोग उद्योग भर के विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवरों, उद्यमियों और अत्यधिक बौद्धिक लोगों से विश्व स्तरीय मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए विश्व स्तर पर जुड़ सकते हैं। यह डॉ. मुनीश जिंदल और डॉ. नैन्सी जुनेजा द्वारा की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आवश्यक और आवश्यकता आधारित कौशल प्रदान करना है। मेंटर एक्स का उद्देश्य शिक्षित, सशक्त और उन्नत करना है। यह सभी बच्चों, युवाओं, स्टार्टअप्स, पेशेवरों, महिलाओं या उद्यमियों के लिए अपनी व्यावसायिक क्षमता को अधिकतम करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।



Bonny Dave / बोनी डेव

Trestle Labs / ट्रेस्टेल लैब्स



Munish Jindal / मुनीश जिंदल

Mentor X / मेंटरएक्स





Respire Experiential Learning

In a world where kids are generally introduced to rote learning, Respire Experiential Learning is on a mission to bring a change. The journey started when Monica Yadav, visited a government school and realized that the children were very sharp but lacked resources. This inspired her to start REL which focuses on uplifting understanding capability, problem-solving aptitude and adaptability. They provide STEM based lab kits, teacher training and a series of customized solutions with stakeholders. In six years of their journey, they have built science labs in approximately 200 schools and have worked with over 2 million children in tribal areas. The world is beyond textbooks and REL is preparing the next generation for the world of tomorrow.

Bee Basket

Bee Basket: It was the year 2014, when an IT engineer Ankit Godse witnessed close to a million bees dying due to pest control activities in his apartment building. This incident triggered him to initiate working on Bee Basket. Bee Basket trains indigenous communities on how to harvest honey from bee nests without harming bees. His initiative also provides bee boxes for beekeepers to carry on honey harvesting activities & the honey harvested is packaged for consumers without any adulteration as natural honey. In addition to conservation of bees, they infuse natural honey in its purest form for a healthier living.

रीस्पायर एक्सपीरिएन्शियल लर्निंग

एक ऐसी दुनिया में जहां बच्चों को आमतौर पर रटने के लिए पेश किया जाता है, रेस्पिर एक्सपीरिएन्शियल लर्निंग एक बदलाव लाने के मिशन पर है। यात्रा तब शुरू हुई जब मोनिका यादव ने एक सरकारी स्कूल का दौरा किया और महसूस किया कि बच्चे बहुत तेज थे लेकिन संसाधनों की कमी थी। इससे उन्हें आरईएल शुरू करने के लिए प्रेरित किया जो समझ क्षमता, समस्या को सुलझाने की योग्यता और अनुकूलन क्षमता के उत्थान पर केंद्रित है। वे एसटीईएम आधारित प्रयोगशाला किट, शिक्षक प्रशिक्षण और हितधारकों के साथ अनुकूलित समाधान की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं। अपनी यात्रा के छह वर्षों में, उन्होंने लगभग 200 स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण किया है और आदिवासी क्षेत्रों में 2 मिलियन से अधिक बच्चों के साथ काम किया है। दुनिया पाठ्यपुस्तकों से परे है और आरईएल कल की दुनिया के लिए अगली पीढ़ी की तैयारी कर रहा है।

बी बास्केट

यह वर्ष 2014 था, जब एक आईटी इंजीनियर अंकित गोडसे ने अपने अपार्टमेंट की इमारत में कीट नियंत्रण गतिविधियों के कारण लगभग एक मिलियन मधुमक्खियों को मरते देखा। इस घटना ने उन्हें बी बास्केट पर काम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। बी बास्केट स्वदेशी समुदायों को मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाए बिना मधुमक्खी के घोंसले से शहद की कटाई करने की ट्रेनिंग देती है। उनकी पहल मधुमक्खी पालकों को शहद की कटाई की गतिविधियों को करने के लिए मधुमक्खी के बक्से भी प्रदान करती है और काटा गया शहद प्राकृतिक शहद के रूप में बिना मिलावट के उपभोक्ताओं के लिए पैक किया जाता है। मधुमक्खियों के संरक्षण के अलावा, वे स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक शहद को अपने शुद्ध रूप में संचरित करते हैं।



Monika Yadav / मोनिका यादव

Respire Experiential Learning /
रीस्पायर एक्सपीरिएन्शियल लर्निंग



Bee Basket
Forever with Bees



Amit Godse / अमित गोडसे

Bee Basket / बी बास्केट





Greenway Grameen Infra

Rural households depend on clay stoves called chulhas using solid biomass fuels like wood, cowdung, crop waste etc. for cooking, the smoke generated from which causes various respiratory, ear and eye infections. Taking these problems into account, the Greenway Grameen Infra Pvt. Ltd. company, an initiative by Mr. Ankit Mathur, started manufacturing a greenway smart stove made of stainless steel and aluminum. The product is designed in a way that it cuts down the amount of firewood that is needed for cooking, reducing smoke emission by 70%. The customers who have used it appreciate the product much.

ग्रीनवे ग्रामीण इंफ्रा

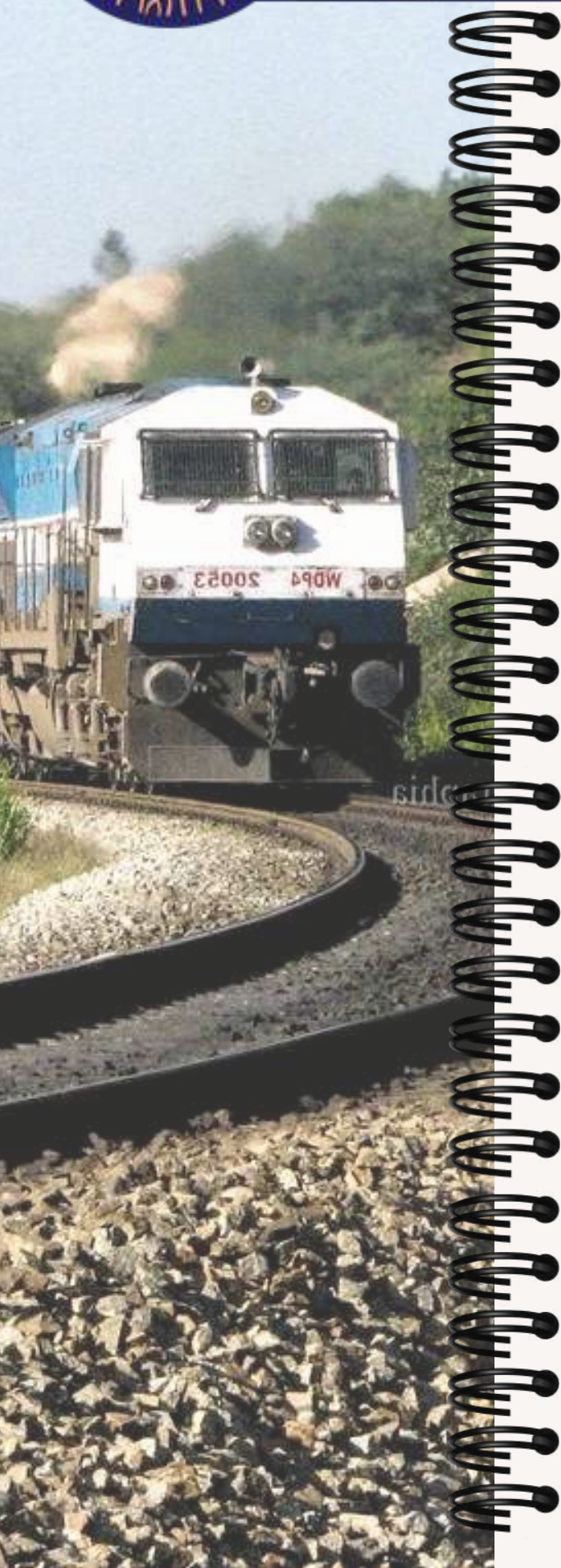
ग्रामीण परिवार खाना पकाने के लिए ठोस बायोमास ईंधन जैसे लकड़ी, गोबर, फसल के कचरे आदि का उपयोग करके चूल्हा नामक मिट्टी के स्टोव पर निर्भर करते हैं, जिससे उत्पन्न धुआं विभिन्न श्वसन, कान और आंखों के संक्रमण का कारण बनता है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, ग्रीनवे ग्रामीण इंफ्रा प्रा. लिमिटेड कंपनी, श्री अंकित माथुर द्वारा एक पहल है जिसने स्टेनलेस स्टील और एल्यूमीनियम से बने एक ग्रीनवे स्मार्ट स्टोव का निर्माण शुरू किया। उत्पाद को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह खाना पकाने के लिए आवश्यक जलाऊ लकड़ी की मात्रा में कटौती करता है, धूम्रपान उत्सर्जन को 70% तक कम करता है। जिन ग्राहकों ने इसका इस्तेमाल किया है वे उत्पाद की बहुत सराहना करते हैं।



Ankit Mathur / अंकित माथुर

Greenway Grameen Infra /
ग्रीनवे ग्रामीण इंफ्रा





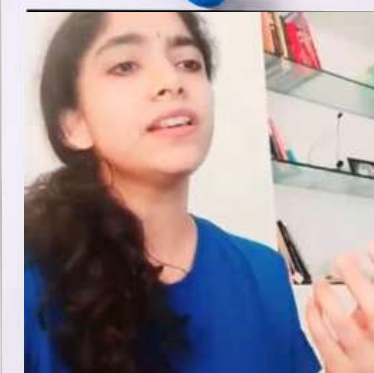
Mahesh Raghavan



Kavish Seth



Sandeep Ranade



Madhumita Bhaskar



Aditya Raja



Vidya Reddy



Latha Sabbam



Harsha Karjagi



Sai Priyanka Sajja



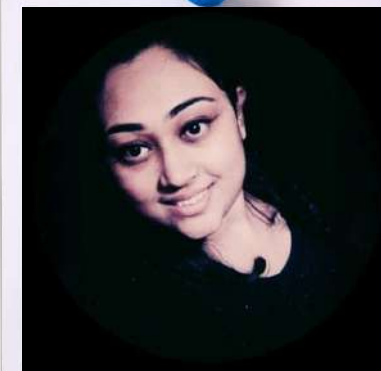
Akshay Kedia



Swapnil Masalkar



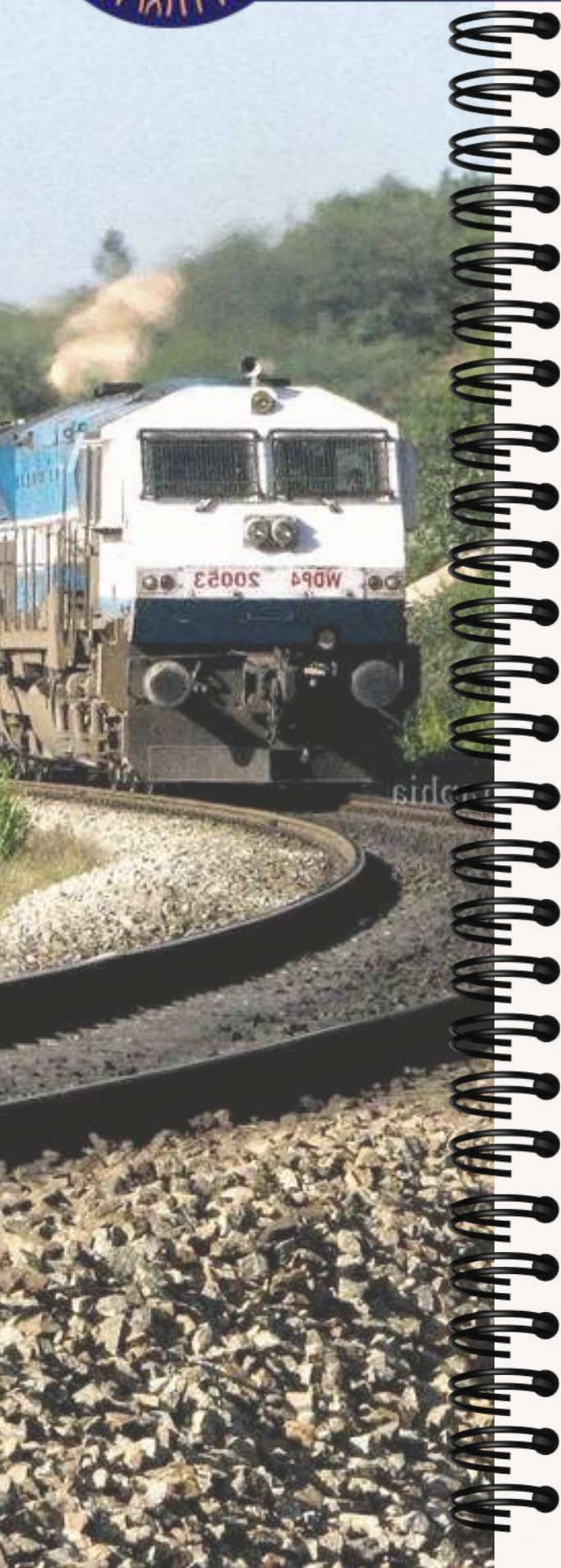
Priya Maria



Sharbani Sengupta



Pankaj Mane



Saloni Saraff



Madhavi Shah



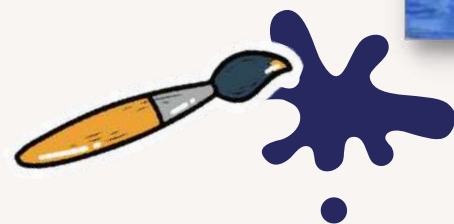
Sriparna Das



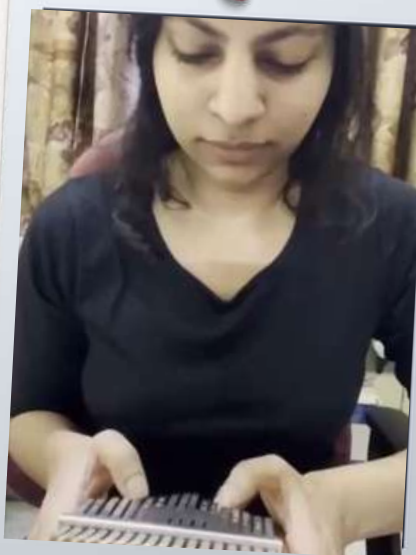
Sk. Saheda



Shrwasti



Vaishnavi Hajari



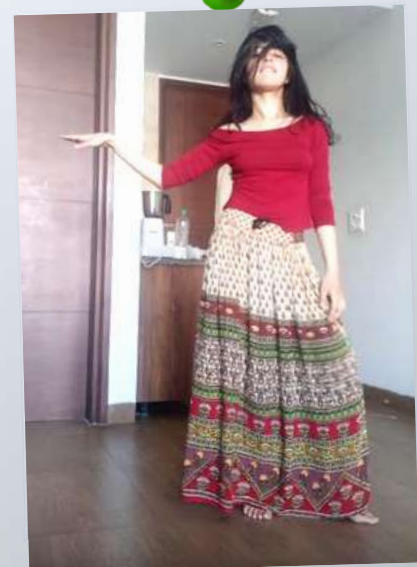
Kavya Rajaram



Disha Varshney



Rukmini Iyer



Gauri Saluja



Akhilesh Choubey: "It is said that goodbyes are tough; and indeed, having spent the last 14 days at Jagriti Digital Yatra with some of the best yatris, I can say it is difficult to bid farewell. However, only after we end one journey, can we prepare ourselves to embark on a new one. The journey, of the past two weeks, has been a momentous and transformational ride. Apart from learning some invaluable skills from stellar role-models and fellow yatris, I made some very good connections and friends at the workplace. Working on presentations & the BGT with such a diverse set of supportive people has helped me grow as an individual."



अखिलेश चौबे: "कहा जाता है कि अलविदा कहना मुश्किल है; और वास्तव में, पिछले 14 दिनों में जागृति डिजिटल यात्रा में कुछ बेहतरीन यात्रियों के साथ बिताने के बाद, मैं कह सकता हूँ कि विदाई देना मुश्किल है। हालाँकि, एक यात्रा समाप्त करने के बाद ही हम एक नई यात्रा शुरू करने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। पिछले दो हफ्तों की यात्रा एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी सवारी रही है। तारकीय रोल-मॉडल और साथी यात्रियों से कुछ अमूल्य कौशल सीखने के अलावा, मैंने कार्यस्थल पर कुछ बहुत अच्छे संबंध और दोस्त बनाए। प्रस्तुतियों पर काम करने और समर्थन देने वाले लोगों के इतने विविध समूह के साथ बीजीटी ने मुझे एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने में मदद की है।"



Kumar Rishav: "It was indeed a great experience of connecting with you all in this digital version of yatra (got to know few of you directly over the calls and others via posts and even through comment section). I have thoroughly enjoyed every aspect of being part of the yatra and I wish you all the best in maintaining the balance in your future endeavors."



कुमार ऋषव: "यात्रा के इस डिजिटल संस्करण में आप सभी के साथ जुड़ने का वास्तव में एक शानदार अनुभव था (आप में से कुछ को सीधे कॉल पर और अन्य को पोस्ट के माध्यम से और यहां तक कि टिप्पणी अनुभाग के माध्यम से भी पता चला)। मैंने इसके हर पहलू का पूरी तरह से आनंद लिया है। यात्रा का हिस्सा होने के नाते और मैं आपके भविष्य के प्रयासों में संतुलन बनाए रखने के लिए आपको शुभकामनाएं देता हूँ।"

Suresh Kumar Ananthakumar: "JDY has been one of the unforgettable journeys in my life and will stay in my memory forever. It was a fantastic journey where I got a chance to meet and learn from you all. I am a Mechanical Engineer by profession and I now work in the wind turbine blades domain. In parallel, I am also ideating towards making Skill/Hobby learning (Non academic learning) accessible to all in Indian Languages partnering with institutes. Would love to connect with people for a discussion about our ideas and learn from each other. Wish you all success in all your future endeavors."



सुरेश कुमार अनंतकुमार: "जेडीवाई मेरे जीवन की अविस्मरणीय यात्रा रही है और हमेशा याद रहेगी। यह एक शानदार यात्रा थी जहां मुझे आप सभी से मिलने और सीखने का मौका मिला। मैं पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर हूँ और अब मैं विंड टर्बाइन ब्लेड डोमेन में काम करता हूँ। समानांतर में, मैं संस्थानों के साथ भागीदारी करके सभी भारतीय भाषाओं में स्किल/हॉबी लर्निंग (गैर शैक्षणिक शिक्षा) को सुलभ बनाने की दिशा में भी विचार कर रहा हूँ। हम हमारे विचारों के बारे में चर्चा के लिए लोगों से जुड़ना और एक दूसरे से सीखना पसंद करेंगे। आपके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।"



Soumya Ranjan Sahoo: "As Yatra is coming to an end and I am looking back to the past 13-14 days, there is nothing but gratitude in my mind for the whole Jagriti team and fellow Yatris. The whole experience and knowledge has been surreal. This yatra made me realize that there are so many things left to do in life and this was just the perfect push for the rest of the year! I once again thank everyone for their knowledge sharing throughout the journey. And I thank that artist friend of mine (who was an ex-yatri) who persuaded me to take this Yatra when I was in lot of confusion whether to take part or not."



सौम्यरंजन साहू: "चूंकि यात्रा समाप्त हो रही है और मैं पिछले 13-14 दिनों की ओर देख रहा हूँ, पूरी जागृति दल और साथी यात्रियों के लिए मेरे मन में कृतज्ञता के अलावा कुछ भी नहीं है। पूरा अनुभव और ज्ञान वास्तविक रहा है। इस यात्रा ने मुझे एहसास कराया कि जीवन में बहुत सारी चीजें बची हैं और यह पूरे साल के लिए सही शुरुआत रही। मैं एक बार फिर से सभी को उनके ज्ञान को साझा करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। और मैं मेरे उस कलाकार दोस्त (जो एक भूतपूर्व यात्री थे) उनको धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मुझे इस यात्रा में सहभागी होने के लिए राजी किया जब मैं बहुत भ्रम में था कि भाग लेना है या नहीं।"



Disha Varshney: "Until Next YatraDoston Grabbing this last chance to knock on your door in case you missed out on this yatri Sharing my lifeline which speaks for itself, how the last 15 days have been a life-changing experience for me. The best part about this journey is that it connects us to our roots and gives a chance to every introvert out there to bring out the best in themselves and so it did to me. As we deboard, just in case if you want to read in between those life lines :P I'll see you on the other side on our next yatra. If "Mental Strength and Productivity" is your cup of tea as well, I look forward to find synergies on a cup of chai with you ☕ Taking a vision of a Healthier and Happier country in my heart Thank you team #JagritiDigitalYatra for everything! Yaaron Chaloo!!"



दिशा वावर्ण्य: "अगली यात्रा तक खुशामुद्दीन दोस्तों, यदि आप इस यात्री पर चूक गए तो अपने दरवाजे पर दस्तक देने का यह आखिरी मौका मैं मानती हूँ। मेरी लाइफलाइन साझा करना जो खुद के लिए बोलती है, कि पिछले 15 दिन मेरे लिए जीवन बदलने वाला अनुभव कैसे रहा है। इस यात्रा का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि यह हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और वहां से बाहर निकलने वाले हर अंतर्मुखी को एक मौका देता है ताकि वह अपने आप में सर्वश्रेष्ठ हो सके और यही मेरे साथ हुआ। जैसे ही यात्रा खतम होती है, अगर आप उन जीवन रेखाओं के बीच पढ़ें, मैं आपको हमारी अगली यात्रा पर दूसरी तरफ देखूंगी। यदि "मानसिक शक्ति और उत्पादकता" आपकी चाय का कप भी है, तो मैं आपके साथ चाय के एक कप पर तालमेल खोजने के लिए तत्पर हूँ, मेरे दिल में एक स्वस्थ और खुशहाल देश की दृष्टि लेकर, सब कुछ के लिए टीम जागृति डिजिटल यात्रा को धन्यवाद! यारों चलो!!"



Ronak Shaikh: " JagritiYatra helps everyone to get clarity in Character and Career. As the yatra unfolded its many layers , I started enjoying it more and recommending it to friends & family. Hope the yatra helped all the Yatris in finding the direction or dream they were looking for. I came to yatra looking for reliable contacts in the Indian handicraft industry and of talented IT professionals , but leaving with much more. With some of you I was able to connect personally and some still unknown but am sure the journey continues and will get to know many more of you with time. Goodluck everyone!"



रौनक शेख: "जागृति यात्रा चरित्र और करियर में स्पष्टता लाने में सभी की मदद करती है। जैसे-जैसे यात्रा ने अपनी कई परतें खोलीं, मैंने इसका अधिक आनंद लेना शुरू कर दिया और दोस्तों और परिवार को इसकी सिफारिश की। आशा है कि यात्रा ने सभी यात्रियों को उस दिशा या सपने को खोजने में मदद की जिसकी वे तलाश कर रहे थे। मैं यात्रा में भारतीय हस्तशिल्प उद्योग और प्रतिभाशाली आईटी पेशेवरों के विश्वसनीय संपर्कों की तलाश में आई थी, लेकिन बहुत कुछ मिला। आप में से कुछ के साथ मैं व्यक्तिगत रूप से जुड़ने में सक्षम थी और कुछ अभी भी अज्ञात लेकिन मुझे यकीन है कि यात्रा जारी रहेगी और समय के साथ आप में से कई लोगों को जान पाएंगे। सभी को शुभकामनाएँ!

Abhishek Maurya: "A journey necessary for all the entrepreneurs to attend once in their life to know the struggle to become a successful entrepreneur. I learned how to prepare a good business plan and what all things we need to take care of while implementing the same. Some learnings from the role-models are as follows: 1. Mumbai Dabbawala: If you have a strong will to do your job, then technology will not be an obstacle for you. The way they handle their job daily is really remarkable. 2. Aravind Eye Care: The motive of the Aravind Eye Care "if anyone in this world is blind then it's their (Aravind Eye Care) problem", with this positive attitude they perform approximately 1500 surgeries in a day which is the best part of their journey. 3. Goonj: You are not a donor or a beneficiary, but you are just a stakeholder. Never showcase in case you help others. That will be a real support/help to others"



अभिषेक मौर्य: "एक सफल उद्यमी बनने के संघर्ष को जानने के लिए सभी उद्यमियों को अपने जीवन में एक बार यात्रा में उपस्थित होना आवश्यक है। मैंने सीखा कि एक अच्छी व्यवसाय योजना कैसे तैयार की जाती है और उसे लागू करते समय हमें किन सभी बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोल-मॉडल से कुछ सीख इस प्रकार हैं: 1. मुंबई डब्बावाला: यदि आपके पास अपना काम करने की दृढ़ इच्छाशक्ति है, तो तकनीक आपके लिए बाधा नहीं बनेगी। जिस तरह से वे रोजाना अपना काम संभालते हैं वह वाकई काबिले तारीफ है। 2. अरविंद आई केयर: अरविंद आई केयर का मकसद "अगर इस दुनिया में कोई अंधा है तो यह उनकी (अरविंद आई केयर) समस्या है", इस सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ वे एक दिन में लगभग 1500 सर्जरी करते हैं जो कि उनकी यात्रा का सबसे अच्छा हिस्सा है। 3. गून्ज: आप दाता या लाभार्थी नहीं हैं, लेकिन आप सिर्फ एक हितधारक हैं। अगर आप दूसरों की मदद करते हैं तो कभी प्रदर्शन न करें। यह दूसरों के लिए एक वास्तविक समर्थन/सहायता होगी"



Aishwarya Maruvada: "This was an incredible 14 days of learning and unlearning*. Thoroughly excited to have met many of you and heard so many more of you. Some of us were originally here for a philosophical experience, some for entrepreneurship experience, some for career oriented reasons, but we all have key takeaways in some form or another. It felt like a vast human library of some form, hearing so many stories, many inspiring and many moving as well. Wish to meet many of you all in the Yatra in 2022 in an actual train across India doing Bharat Darshan through different cities and enterprises. Wish this gives me and many others the courage to take the plunge to set up an enterprise and bring some difference to solving an issue somewhere. Thank you everyone!"



ऐश्वर्या मरुवदा: "यह सीखने के अविश्वसनीय १४ दिन थे। मैं उत्साहित हूँ कि आप कई से मुलाकात हुई और कई अधिक से होगी। हम में से कुछ लोग मूल रूप से एक दार्शनिक अनुभव के लिए यहां थे, कुछ उद्यमिता अनुभव के लिए, कुछ करियर उन्मुख करने के लिए, लेकिन हम सभी के पास किसी न किसी रूप में महत्वपूर्ण टेकअवे हैं। यह किसी रूप की एक विशाल मानव पुस्तकालय की तरह महसूस किया, इतनी सारी कहानियों को सुनकर, कई प्रेरणादायक और मार्मिक। २०२२ में भारत के विभिन्न शहरों और उद्यमों के माध्यम से भारत दर्शन करने वाली एक वास्तविक ट्रेन में, यात्रा में, कई, या आप सभी से मिलना चाहते हैं। काश यह मुझे और कई अन्य लोगों को एक उद्यम स्थापित करने और कहीं न कहीं एक मुद्दे को हल करने के लिए कुछ अंतर लाने के लिए साहस दे। सबका शुक्रिया।"



Dr. Darshana Vithalani: "Wishing you ~ all the very best for all endeavors in your life! Stay inspired and work for some purpose. Invest time to Build Up *your own self* to build up everything else in your life. Prayers and blessings for the strength of enriching your character, persona and vision for life! Dear JDY TEAM! Gratitude and appreciation! From ...the very idea...to...scaling up to this tremendous vision... Believing in shared Vision, collaboration, collectivism and instilling the same in like-minded aspiring people to "Building India Through Enterprises" is indeed a huge Accomplishment. It is undoubtedly a Yatra that moves backwards to Forward (knowing self and our belongingness to glorious past, the heritage culture, the values and intension, the legendary leaders and their contributions ... to ... recreating and extending our vision to Future). AB LAGTA HAI WOH PAL DUR NAHI JAB HUM PHIR SE "Sone ki Chiddiya" kahlayege India ko Bharat banane ke iss jasbe ko salsam Shashank Mani, Vanita Viswanath, Sunil Pangarkar, Sharat Bansal, Ashutosh Kumar, Chinmay Vadnere, Pankaj Mane, Lalitha Prakash, Meet Bhatt, Pragati Baheti, Aniket Gawali, Pranoti Shinde, Navaneeth, Brijesh Prasad, Krishna Koundinya, Aashish Aggarwal, and everyone at its backbone... A big Thank you "



डॉ दर्शना विठलानी: "आपको शुभकामनाएं ~ आपके जीवन में सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं! प्रेरित रहें और किसी उद्देश्य के लिए काम करें। अपने जीवन में बाकी सब कुछ बनाने के लिए *अपना स्वयं* बनाने के लिए समय का निवेश करें। अपने चरित्र, व्यक्तित्व और जीवन के लिए दृष्टि को समृद्ध करने की शक्ति के लिए प्रार्थना और आशीर्वाद! प्रिय जेडीवाई टीम! आभार और प्रशंसा! ...इस विचार से...इस जबरदस्त विजन को आगे बढ़ाने तक...साझा दृष्टिकोण, सहयोग, सामूहिकता में विश्वास करना और समान विचारधारा वाले लोगों में "उद्यमों के माध्यम से भारत का निर्माण" करना वास्तव में बहुत बड़ी उपलब्धि है। । यह निस्संदेह एक यात्रा है जो पीछे की ओर आगे बढ़ती है (स्वयं और गौरवशाली अतीत से हमारे संबंध, विरासत संस्कृति, मूल्यों और गहनता, महान नेताओं और उनके योगदान को जानना ... भविष्य के लिए हमारी दृष्टि को फिर से बनाना और विस्तारित करना) . अब लगता है वो पल दूर नहीं जब हम फिर से "सोने की चिड़िया" कहलाएंगे...इंडिया को भारत बनाने के इस जस्बे को सलाम। शशांक मणि, वनिता विश्वनाथ, सुनील पंगारकर, शरत बंसल, आशुतोष कुमार, चिन्मय वडनेरे, पंकज माने, ललिता प्रकाश, मीत भट्ट, प्रगति बाहेती, अनिकेत गवली, प्रनोति शिंदे, नवनीत, बृजेश प्रसाद, कृष्ण कौंडिन्य, आशीष अग्रवाल और सभी को... बहुत-बहुत धन्यवाद "



Abhijit Das: "JagritiYatra has been a Fantastic experience for me. I have attended so many Trainings and workshops in my Career. But I would rate this 15 days Digital Workshop conducted by Jagriti Enterprise highest of them all. Initially I was reluctant to join, but after completion now, I think this has been a lifetime experience, which I would have missed had I not joined. I would like to extend my sincere gratitude to Team Jagriti and also group members of my Cohort (Group 22). Wish everybody a very fruitful career ahead. May 2022 brings a lot of happiness."



अभिजीत दास: "जागृतियात्रा मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने अपने आजीविका में कई प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में भाग लिया है। लेकिन १५ दिनों की इस डिजिटल कार्यशाला को मैं सबसे बेहतरीन मानता हूँ। शुरू में मैं शामिल होने के लिए अनिच्छुक था, लेकिन अब पूरा होने के बाद, मुझे लगता है कि यह एक जीवनभर का अनुभव रहा है। मैं टीम जागृति और मेरे कोहोर्ट (समूह २२) के समूह सदस्यों के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। सभी को आगे के सफल करियर की शुभकामनाएं। आशा कर्ता हूँ २०२२ ढेर सारी खुशियाँ लेकर आए।"



Gorakshanath More: "I am a retired Mechanical Engineer from Tata Motors Pune, having a rich experience in R&D and Engineering Research Centre. I was aware of JagritiYatra from 2008, but was not able to join. In 2010 when it was called "Tata JagritiYatra" I am very much curious about Yatra to travel such a long distance by train. After retirement I got the chance to join the Jagriti Digital Yatra. When I received the call from Jagriti team for my selection, I became anxious about the journey. JagritiYatra is a learning to me. It is full of knowledge, experience and energy to me. I am impressed with the Jagriti team, who is working continuously from last thirteen years. The Jagriti team is a role model to me. In JagritiYatra, I got good friends, though we are digital we become friends forever. I got young talents with me, to learn from them. These talents are change makers for us. JagritiYatra gives me energy, to work with my ongoing venture. I got "Shakti" to work with farmers. I have got a strong network from JagritiYatra which I need in future. Most of the yatrias are youngest, I appreciate their talents to work for the change. My experience is that Yatra unfolds the story of great leaders, great founders of Healthcare, Gram Vikas and social sector. They have the vision to eliminate blindness. Aravind eye care is a working model in front of us. In my opinion every Yatrias should study these role models to follow. Every problem has a solution, identify them and do everything to solve it. JagritiYatra gives me exposure to enhance my knowledge, and experience. My sincere thought to develop this Yatra community. Travel every places in India and abroad. JagritiYatra has given me this thought. Thanks to JagritiYatra. Being a Yatri I thank a JagritiYatra Core team who has given me a chance to learn in this "Life Changing Journey" Yarro.....Challo....."



गोरक्षनाथ मोरे: "मैं टाटा मोटर्स पुणे से एक सेवानिवृत्त मैकेनिकल इंजीनियर हूँ, जिसका आर एंड डी और इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर में समृद्ध अनुभव है। मुझे २००८ से जागृति यात्रा के बारे में पता था, लेकिन इसमें शामिल नहीं हो सका, २०१० में जब इसे "टाटा जागृति यात्रा" कहा जाता था, तो मैं ट्रेन से इतनी लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए यात्रा के बारे में बहुत उत्सुक हुआ। सेवानिवृत्ति के बाद मुझे जागृति डिजिटल यात्रा में शामिल होने का मौका मिला। जब मुझे अपने चयन के लिए जागृति टीम से फोन आया, तो मैं यात्रा के बारे में चिंतित हो गया। जागृति यात्रा मेरे लिए एक सीख है। यह मेरे लिए ज्ञान, अनुभव और ऊर्जा से भरा है। मैं जागृति टीम से प्रभावित हूँ, जो पिछले तेरह वर्षों से लगातार काम कर रही है। जागृति टीम मेरे लिए रोल मॉडल है। जागृति यात्रा में मुझे अच्छे दोस्त मिले, हालांकि हम डिजिटल हैं, हम हमेशा के लिए दोस्त बन गए। मेरे पास युवा प्रतिभाएं हैं, उनसे सीखने मिला। ये प्रतिभाएं हमारे लिए बदलाव लाने वाली हैं। जागृति यात्रा मुझे ऊर्जा देती है, मेरे चल रहे उद्यम के साथ काम करने के लिए, मुझे किसानों के साथ काम करने के लिए "शक्ति" मिली। मुझे जागृति यात्रा से एक मजबूत नेटवर्क मिला है जिसकी मुझे भविष्य में आवश्यकता है। अधिकांश यात्री सबसे छोटे हैं, मैं बदलाव के लिए काम करने के लिए उनकी प्रतिभा की सराहना करता हूँ। मेरा अनुभव है कि यात्रा महान नेताओं, स्वास्थ्य सेवा, ग्राम विकास और सामाजिक क्षेत्र के महान संस्थापकों की कहानी को उजागर करती है। उनमें दृष्टिहीनता को समाप्त करने की दृष्टि है। अराविंद नेत्र देखभाल हमारे सामने एक कामकाजी मॉडल है। मेरी राय में हर यात्री को इन रोल मॉडल का पालन करना चाहिए। हर समस्या का हल है, उन्हें पहचानें और हल करने के लिए सब कुछ करें। जागृति यात्रा से मुझे अपने ज्ञान और अनुभव को बढ़ाने का अवसर मिलता है। इस यात्रा समुदाय को विकसित करने के लिए मेरा दिल से विचार है। भारत और विदेशों में हर जगह यात्रा करें। जागृति यात्रा ने मुझे यह विचार दिया है। जागृति यात्रा का धन्यवाद। एक यात्री होने के नाते मैं एक जागृति यात्रा कोर टीम का धन्यवाद करता हूँ जिसने मुझे इस "लाइफ चेंजिंग जर्नी" में सीखने का मौका दिया है...यारों चलो।"





Yatri Profile & Diversity/ यात्री प्रोफाइल और विविधता

Women Yatris
महिला यात्री

51.8%

Students
छात्र

47.8%

Employed
कार्यरत यात्री

28.3%

Entrepreneurs
उद्यमी

15.8%

36.5%

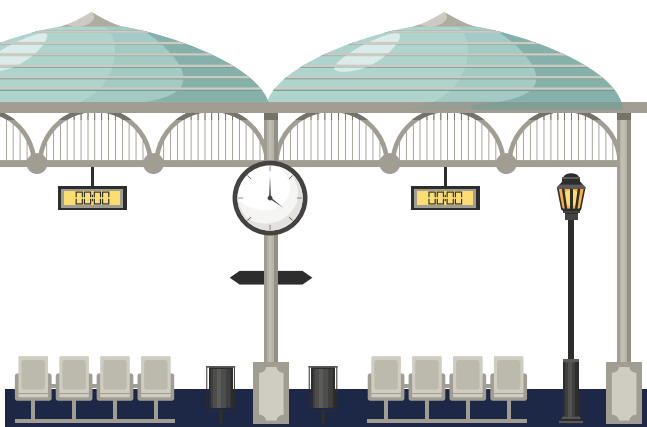
Yatris from rural area
ग्रामीण यात्री

43.6%

Yatris from semi-urban area
अर्ध शहरी यात्री

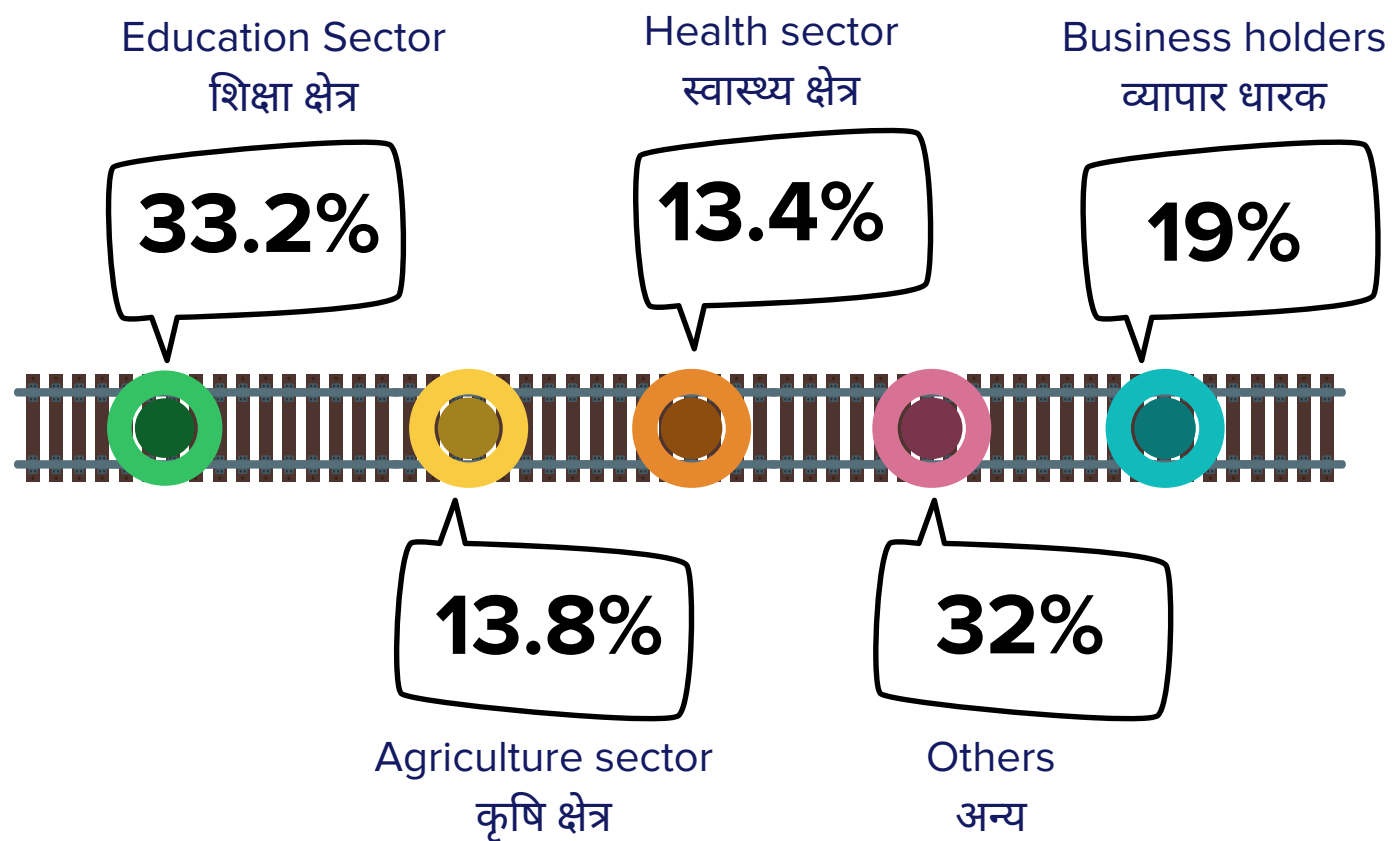
18.7%

Yatris from urban area
शहरी यात्री

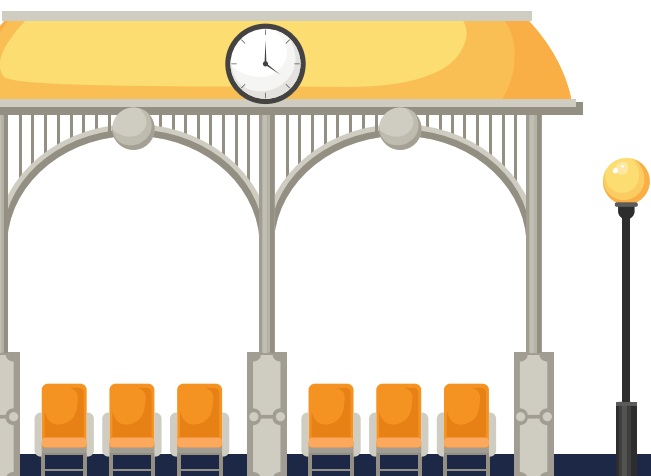
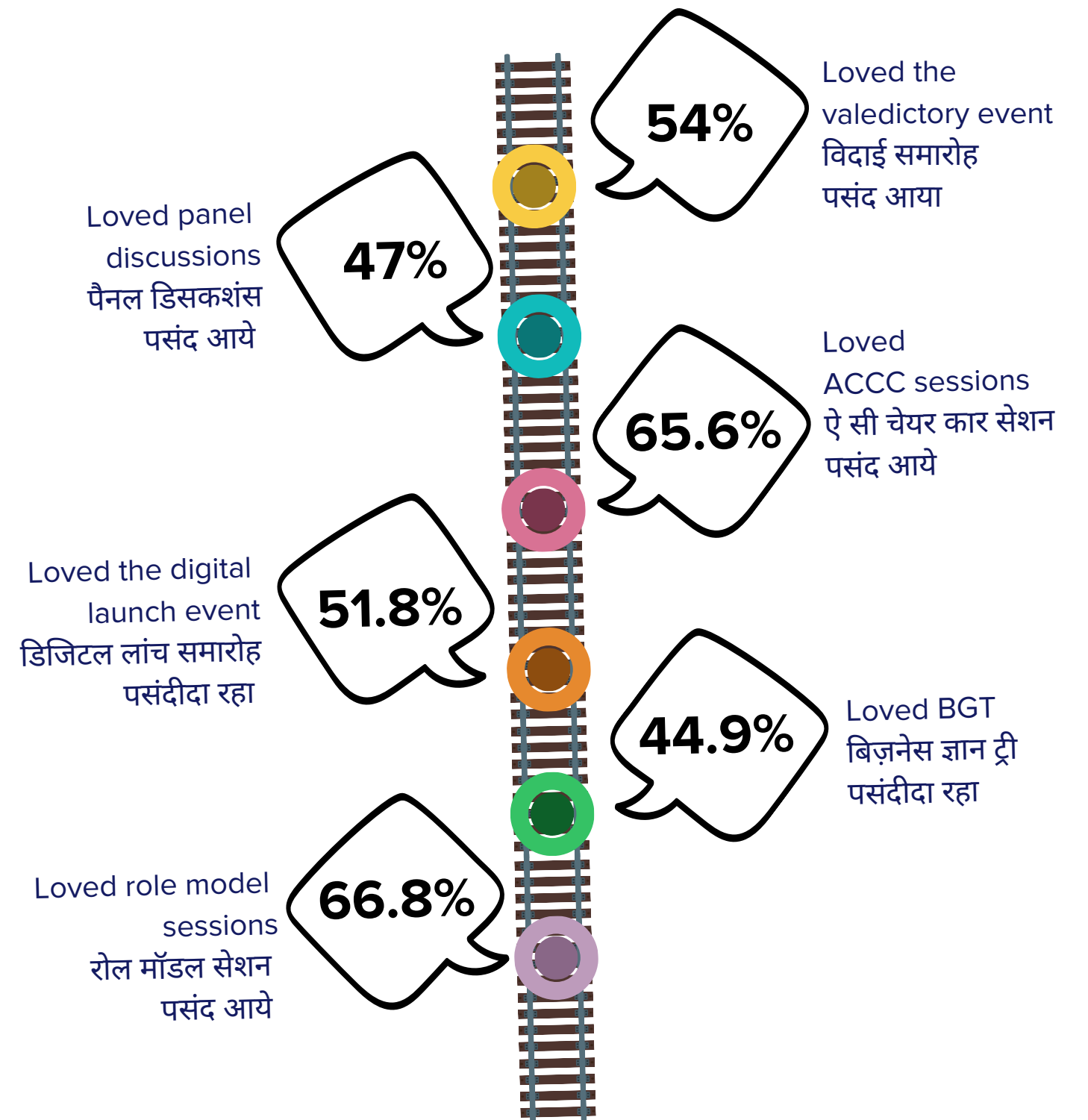




Yatri Expertise/ यात्री विशेषज्ञता

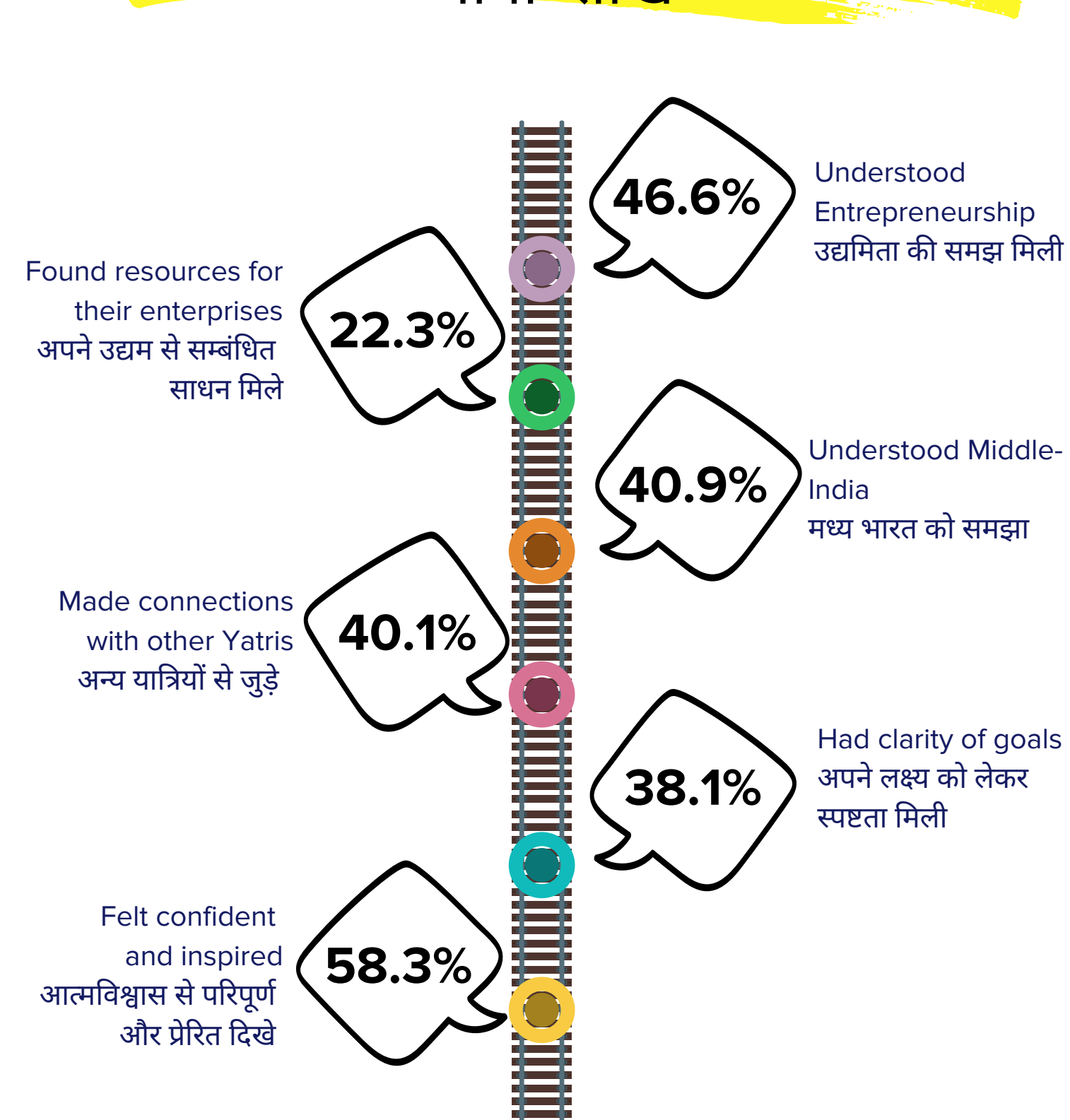


Yatri Feedback/ यात्री प्रतिक्रिया

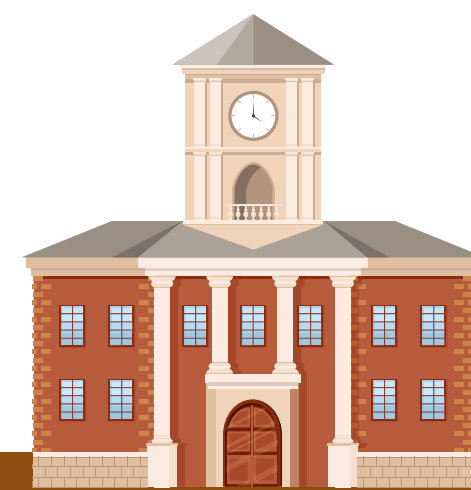
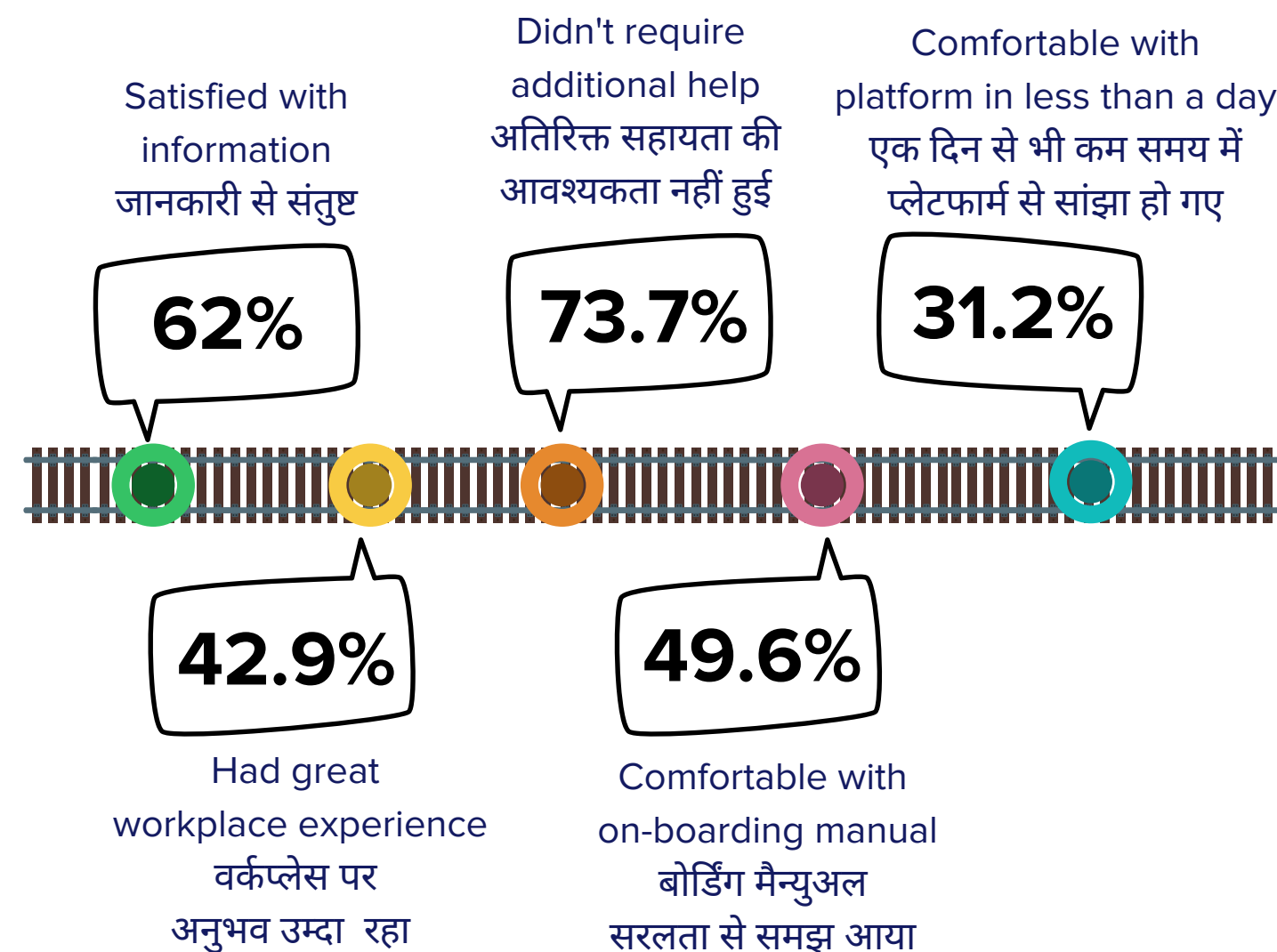




Yatri Learnings/ यात्री सीख



Yatri Experience/ यात्री अनुभव



Editorial Team

Sriparna
Das



Sachii Tripathi



Anvita
Viswanathan



Saloni
Saraff



Shashikant
Panchal



Sharbani
Sengupta



Madhukiran
Kulkarni



Prashant
Agarwal



Anand
Devsharma



Atushi



Naman
Soni



Gauri
Yeram



Swapnil
Masalkar



Design Team

Urvashi
Vasishtha



Harsh Shachindra
Shukla



Main Leads

Sucheendra
Bharadwaj



Rajeev
Ranjan



Srishti
Gupta



Aditya
Raja



Kritika
Baldi



Anuradha
Rajbir



Content Team



Hindi Translators Team

Swapnil
Masalkar



Kundan
Kumar



Kallolini
Patro



Mahesh
Bharatula



Sumitra
Priyamvada



Vidhya
Gaddam



Komal
Arya



Ankita
Sonkar



Gorakshanath
More



Pranit
Thakare



Shubhangi
Gaikawd



Madhavi
Shah



Shaheda.
SK



Aldrin
Jenson



Anushka
Bramhankar



Krushna
Balasaheb Taur



Amar Kumar
Singh



Avanish Singh
Chandel



Pranit
Thakare



Dr. Khusboo
Makhija



Deepmala
Kesarwani



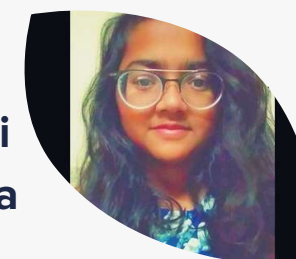
Vaibhav
Sharma



Atushi



Pramiti
Saxena



Priya
Maria



Jagriti
Gupta



Sakshi
Dangi



Vaibhav
Sharma



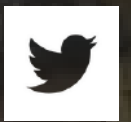
Co-ordinators Team



/jagritiyatra



/jagriti.yatra



/JagritiYatra



/jagriti



JAGRITI
DIGITAL YATRA